हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

24 फरवरी, 1987

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 24 फरवारी, 1987

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)1
वर्श 1981–82 तथा 1982–83 की ऐक्सैस डिमांड ओवर आन्ट्स एन्ड ऐप्रोप्रिए ान्ज पे ा करना	(2)15
वर्श 1986–87 के लिए सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेट्स (दूसरी किस्त) पर रिपोर्ट पे ा करना	(2)16
ऐस्टिमेट्स कमेटी की वर्श 1986–87 के सप्लीमैटरी ऐस्टिमेट्स (दूसरी स्थिति) पर रिपोर्ट पे ा करना	(2)16
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(2)16

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 24 फरवरी, 1987

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9–30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगे

Wearing of Helmets

*__1226 Seth Ram Dass Dhamjia:__ Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to make wearing of Helmets compulsory by persons driving two wheeler motor vehicles in the state?

Transport Minister (Sh. Amar Singh): Yes Sir. There is a proposal under consideration of the Government. A decision would be taken in consultation with the Government of India.

सेठ राम दास धमीजाः स्पीकर साहब, मंत्री जी का जवाब तसल्लीबख्भा है इसलिए इसक लिए मै इनका धन्यवाद करता हूं। जब किसी का ऐक्सीडैन्ट होता है, तो वह आदमी सिर के भार गिरता है जिससे आम तैर पर उसकी मौत हो जाती है लेकिन हैलमैट पहना हो तो जान बच ाजती है जिस तरह से

चण्डीगढ़ और दिल्ली में भी इसका रिवाज है क्या उसी तरळ से सरकार हरियाणा में भी हैलमैट सिस्टम को चालू करेगी अैर इस बात कोसिरये चढ़ायेगी?

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मोटर व्हीकल्ज ऐक्अ 1939 सैन्ट्रल ऐक्ट है। उसमें जैसी हिदायत होगी उसी तरह से लागू कर देगे औ इसको अव य सिरे चढायेगे।

Extension Of Nara and Surbara Distributaries

***1240 Ch. Inder Singh Nain:** Will the Minister for irrigation and power be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Govt. for the extension of Nara and Surbara Minors/Distributaries in district Hissar; and

(b) If so, the time by which the sdaid proposal is likely to materialise togethrer with estimated cost thereof?

Irrigation and power Minister (Ch. Shamsher Singh Surejewala):

(a) Yes, Sir.

(b) (i) The scheme of extension of Nara Disty. costing about Rs. 9.61 lacs has been sanctioned. The constriction work will take about a year after acquisition of land and award of contract.

(ii) The scheme of extension of Surbara Disty is still under investigation.

चौधरी इन्द सिंह नैनः अध्यक्ष महोदय मंत्री महोदय ने मरे सवाल का 'हा' में जबवाद दिया है इसके लिये मै उनका धन्यवादी हूं। मै आपके द्वारा इनसे यह कहना चाहता हूं कि प्रोसीजरल फारमैलिटीज अन्डर सैक ान 4 एन्ड 6 आफ लैन्ड ऐक्वीजी ान ऐक्ट बाद में पूरी हो जाएंगी। इस काम में समय लगने की संभावना है। मुझे उस इलाके के जमींदार मिले भी थे और मैं गांवां में गया भी था। उन्होन मुझे लिख दे दिया है कि खुदई का काम भाुरू करवा दिया जाए, हम जमीन देने के लिये तैयार है और पैया सभी कार्यवाी पूरी होने के बाद ले लेगे। स्पीकर सहब,मै आपके द्वारा ंत्री जी से इस बात का आ वासन चाहता हूं कि लोग जब जमीन देने के लिये तैया है तो कब तक यह काम चालू हो जाएगा?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जैसा कि नैन साहब ने अभी कह कि जमीदार मुआवजा सभी फारमैलिटीज पूरी होन `पर ले लेगे और वे जमीन अभी देने के लिये तैयार है तो विभाग भी इस काम को आरम्भ करवा देगा। इसके लिये मै मैम्बर साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे उस हल्क के सम्बन्धित ऐक्सीयन या देसरू अधिकारियों से मिल ल और हम भी यहा से इसी तरह का मैसेज चीफ इंजीनियर साहब के द्वारा भिवा देगे कि अगर जमींदार इसके लिये राजी है और लिख कर दे देते है तो वहां पर काम भाुरू करवा दिया जाए। स्पीकर साहब, इसके साथ साथ जमीन ऐक्वायर करने की कार्यवाही भी भाुरू करवा

देगे। स्पीकरसाहब, मै यहां हाउस में एक बात क्लैरिफई कर देना चाहता हूं कि जमींदार जमीन देने के लियेतैयार है, कही इस बात को हाउस के अन्दर और बाहर सुनकर लोग गलतफहमी में न पड़ जाए कि कही सरकार मुफ्त में जमीन लेना चाहती है। कांग्रेस सरकार सदा ही माईनर्ज की ऐक्सटैन्ान की टोटल कास्ट व कंस्ट्रक ान आफ न्यू माईनर्ज की कास्ट स्वयं वहन करती रही है। मै यह भी बताना चाहता हूं कि जनता पार्टी के दो अढ़ाई साल के राज में जो माईनर्ज की ऐक्सन्टै ान या कंस्ट्रक ान का खर्चा आया वह सारा जनता स वसूल किया जाता रहा और जमीन का सारा खर्चा भी जनता से वसूल किया गया। वह रिकार्ड की बात है। जैसा नैन साहब ने कहा कि उस एरिया के लोग जमीन देने के लिए तैयार है और उन लोगों ने लिखक कर भी दे दिया है तो हम जल्दी ही वहां काम भाुरू करवा देगे। कांग्रेस सरकार ने सदा ही यह नीति रही है और रहेगी कि सरकार इस काम का सदा ही सारा भार लोगों की बजाय अपने ऊपर ही बर्दा ात करें। कांग्रेस सरकार सदा ही किसानों की हितैशी रही है और रहेगी।

चौधरी इन्द सिंह नैनः स्पीकर साहब, इसके लिए मंत्री जी का बहुत बहुत धन्यवाद। जमीदारों ने लिख कर दे दिया है। मै भी सम्बन्धित आफिसर्ज को इसके लिए कांटैक्ट कर लूंगा। दूसरी मेरी प्रार्थना यह है कि जो सुरबारा डिस्ट्रीब्यूटरी है। उसको भी सरकार जल्दी परस्यू करें और चीफ इंजीनियरसाहब से कहे कि

वे काम को जल्दी आरम्भ करवाएं क्योंकि यह केस चीफ इंजीनियर साहब के पास पहुंच चुका है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले हफ्ते ही यह केस एस0 ई0 साहब की ओर से चीफ इंजीनियर के पास आयाहै। उसको जलदी ही ऐग्जामिन करवा कर काम भाुरू करवा देगे।

श्री भले रामः अध्यक्ष महोदय, यहां पर डिस्ट्रीव्यूटरीज की बात चल रही है। मै दूसरी डिस्ट्रीव्यूटरीज के बारें में जानना चाहता हूं जोकि आलरेडी मन्जुर हो चुकी है और जिन पर अभी काम आरम्भ नही हुआ है। स्पीकर साहब, वहां पर एल0 ए0 ओज0 वगैरह ने होने के कारण या बदल दिये जाने के कारण ये सारी स्कीमें सिरे नही चढ़ पा रही है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इस तरह की स्कीमों को सिरे चढ़ाने के लिये कोई आदमी वहां पर लगाएंगे जोकि जमीदारों में पैसा बांट सके?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, आपकों सभी बातों की जानकारी है क्योंकि आप इस विभाग के मंत्री रह चुके है। अवार्ड जो है, वह एरीगे ान विभाग अनांउस नही करता, वह पैसा दाखिल करता है। अगर किसी केस में पैसा दाखिल न हुआ हो तो यह बता दें। मै सीधी मदद करूंगा। जहां क एल0 ए0 ओज0 के न होने या ट्रांसफर होने की बात है, इस बारें में हमारे विभाग का कोई दखल नही होता लेकिन फिर भी

हम कोि ा ा कर रहे है कि एल0 ए0 ओ0 के न होने के कारण लोगों को किसी प्रकार की दिक्तें न हों और काम सुचारू रूप से चलता रहे। मैम्बर साहेबान यदि खास प्वायंट मेरे नोटिस में लाएं हम तभी विचार कर सकते है। कोि ा ा भी करेगें, परस्यू भी करेगे ताकि लोंगों को कोई तंगी न हों।

सेठ राम दास धमीजाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि दादुपुर नलवी स्कीम की क्या पोजी ान है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, दादुपर नलवी नहर अम्बाला जिले में बननी है। इसके लिए मंजूरी भी हो चुकी है और इसे लिए जमीन ऐक्वायर करने की कार्यवाही इस वर्श से चालू है। पिछले दिनों सरकार ने इसके लिए 50 लाख रूपय दिये थे ताकि जमीन ऐक्वायर करने का काम पूर्ण हो सके। स्पीकरसाहब, सरकार इसकों बनाने के लिये बहुत कीन हे। आपकी कांस्टिचुएंसी में भी इससे पानी लगेगा। सरकार इस को परस्यू कर रही है।

श्री अध्यक्षः मै धमीजा साहब का इसके लिए भाुक्रिया अदा करता हूं।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, सरकार ने अभी फैसला किया है कि फामर्जर्ज को पानी सप्लाई करने के लिये वह नई माईनर्ज बनाएगी। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि क्या यह स्कीम 31 मार्च तक पूरी हो जाने की संभावना है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, अभी यह सूचना मेरे पास अवेलेबल नही है लेकिन मै यह बता देना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय ने आज से तीन चार महीने पहले यह बात कही थी, फैसला किया था, कि प्रमुख चार जिलों रोहतक, सोनीपत, जीन्द और हिसार जहां पर यमुना का पानी लगता है जहां सिल्ट मिट्टी काफी आती है। जहां पर बहुत सालों से मेन्टिनैन्स का काम नही हुआ है। डिसिलटिग का काम नही हुआ है वहां पर कैनाल सिस्टम को अब इम्प्रूव किया जाएगा। स्पीकर साहब, इससे पहले पानी टेल तक नही पहुंच पात था। अब सरकार ने 10 करोड़ रूपया इन जिलों मै पानी टेल तक पहुंचाने के लिये दिया है। मै हाउस को बताना चाता हूं कि अधिकतर यह काम पूर्ण हो चुका है। बहुत सी कैनाल्ज और डिस्ट्रीव्यूट्रीज डिसिल्ट हो चुकी है। और बाकी का काम काफी तेजी से हो रहा है ताकि पानी की वेस्टेज न हो। कई जिलों में मै खुद गया हूं और औफिसर्ज की मीटिग बुला बुलाकर हम यह कोि ा ा कर रहे है कि मैक्सीमम सीम्ज पर, जो मन्जूर हो चुकी है। काम चालू हो जाए। बहुत सी स्कीम्ज परकाम चालू हो भी चुका है। कांग्रेस सरकार आने के बाद 100 के करीब नई माईनर्ज बन चुकी है, चालू है अैर 300 के करीब अभी पिछले महीने में सरकार ने बनाने की मंजूरी दे दी है। काम प्रोसैस में है। सरकार का यह फैसला है कि किसानों को जल्द से जल्द टैत तक पानी पहुंचा दिया जाएगा। मुख्य मंत्री जी ने जो वचन दिया है, उसकों अव य पूरा किया जाएगा।

चौधरी रोशन लाल आर्यः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने कहा कि दादुपुर नलवी नहर बनाने जा रहे है जिसक लिए आपने भी धमीजा साहब का भाुक्रिया अदा किया। मेरे नोटिस में यह बात आई है कि इस नहर के लिये जो पैसा सरकार ने दिया था उसकों इरीगे ान डिपार्टमैंट यूटिलाईज नही कर सका और वह पैसा वापिस चला गया। मै समझता हूं कि मंत्री जी के नोटिस में इस बारें में पूरी बात नही है। क्या वे इस बारें मं स्पश्टीकरण देगे?

बहन शांति देवीः अध्यक्ष महोदय, यहां पर माइनज्र के बारें में बात चल रही है। करनाल में मेरे गांव के पास से भी एक जुंडला माइनर गुजरती है। उसका पुल भी टुटा हुआ है। और किनारे तथा दीवार भ बहुत जगह से टूटी हुई है। अगर हम रनिग कैनाल वालों से बात करते है तो वे कहते है कि वह इस काम को नही कर सकते, लाइनिग कैनाल वाले करेंगे। जब हम लाइनिग कैनाल वालों से बात करते है तो वे कहते है कि रनिग कैनाल वाले करेगे। मैने उनसे कहा कि आप दोनों आपस में मिल कर इसका फैसला करें कि वह काम कौन करेगा। उसे बाद उन्होने पुल की थोड़ी सी मुरम्मत जरूर करवा दी। उसके बाद में वे कहने लगे कि हमारे पास मुरम्मत के लिये पैसा नही हेाता। मैने कहा कि आप ऊपर लिखकर भेजों कि पैसा दिया जाए। अब उनहोने ऐस्टीमेट बना कर ऊपर भेजा है। कालामपुरा के दो पुलों के लिए, तीन चार–पार, सकनपुर गांव में एक घाट और दीवारों की मुरम्मत

के लिए उन्होने लिख कर भेज हुआ है। क्या मंत्री जी इस कामों को जल्दी करवाने की कृपा करेगे?

चौधरी साहब सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अभी दादुपुर नलवी नदी के बारें में बताया कि इसको जल्दी ही बनाएंगे। इसी प्रकारसे धनौरा ऐसकेप से लाडवा नहर मंजूर हुई हैं। रादौर में मुख्य मंत्री जी गए थे उन्होने वहां पर इसकी मंजूरी दी थी। मै जानना चाहता हूं कि क्याक इन दोनों नहरों से रादौर, थानेसर और अध्यक्ष महोदय के हल्के को पानी मिलेगा और यह काम कब भुरू हो जाएगा?

Ch. Shamsher Singh Surjewala: As soon as the land is acquired, tenders will be floated and the work will be started on these two distributaries. How much time it will take I cannot tell at present, Sir.

मास्टर राम सिंहः स्पीकर साहब, प्र न तो इस वक्त डिस्ट्रीव्यूट्रीज के बारें में चल रहा है। लेकिन मै एक जनरल सवाल पूछना चाहता हूं। डब्ल्यू0 जे0 सी0 के ऊपर गनौनरा पुल थोड़े दिन पहले टूट गया है जिसे दोबारा बनाने की जरूरत है। दूसरे जमुना के वैस्ट्रन किनारे पर ह साल बरसात के समय सैकड़ों एकड़ जमीन कट जाती है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि वहां पर बरसात से पहले ठोकरें लगाई जाएंगी ाकि उस इलाके की जमीन बच सके।

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मैम्बर साहब ये सारी बातें बजट पर बोलते हुए कह सकते है। इस वक्त मुझे जबानी याद नही है कि क्या पोजी ान है। अगर ये चाहे तो मेरे दफ्तर में आकर भी पूछ सकते है। वहां मै इनको ंसूचना दे सकता हूं।

श्री नेकी रामः स्पीकर साहब, मैने सुना है लेकिन पक्का पता नही है कि खालों का खर्चा सरकार ने माफ कर दिया है। इसके लिय तो सरकार बधाई की पात है अगर उसने खलों का खर्चा माफ कर दिया ह लेकिन दूसरी बात यह है कि मेरे हल्के में गुरज और लाली गांवों में खाल बहुत जगहों पर टूटे हुए है। क्या सरकार टूटे हुए खालों का बनाने का प्रयत्न करेगी?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, भाायद चौधरी नेकी राम जी उस समय अज्ञात वास में थे जब गुड़गांवा में मुख्य मंत्री जी ने एक जन सभा को सम्बोधित किया था। वहा मुख्य मंत्री जी ने 113 करोड़ रूपये की माफी अनाउन्स की थी। दूसरी बात जो खालों की मुरम्मत की हैं उसके लिये सरकार ने सैपरेट डिवीजन बना रखा है। अगर ये वहां के ऐक्सीयन को या मुझे बताएंगे ताक हम इनकी जरूर मदद करेगे।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने अभी बताया कि चार जिलों में टेल पर पानी पहुंचाने के लिए सरकार डि–सिलटिग का काम करवा रही है। टेल तक पानी न पहुंचने के

दूसरें कारणभी है जैसे कोई नहर में कट लगा लेता है। मिसाल के तौर पर सोनीपत जिले में महमूदपरु गांव में समलखा माइनर गुजरती हैं वहां पर लोगों को टैक्स भी लिया जात है लेकिन लोग पीछे कट लगा लेते है। जिसकी वजह से पानी टेल तक नही पहुंचता। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इसका सरकार क्या इलाज सोच रही है और क्या वहां पर पुलिस चौकी बिठाएंगे?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः जो बात ये नोटिस में लेकर आए है इस बारें मे ंएक मीटिग में जहां वहा के एस0 पी0 और डी0 सी0 मौजूद थे, एक बात आई थी। मैने बताया था कि वहां ग त के अलावा चौकी भी बिठाई जासकती है। वह एक नोटारियस प्लेस है। दूसरी बात इन्होने इसके उपाय के बारें में कही है, सरकार को जो असैम्बली अधिकार देगी वह वैसे करेगी। लेकिन मैम्बरेां को भी सोचना चाहिए कि नहर के अधिकारियों को ऐसे अख्तियार दिए जाए क वे चोरी करने वालों को स्वयं पकड़ सकें और उनकों सजा दिलासके।। मैम्बरों ने इस बात को नही माना इसलिये नहर का महकमाइस बारें में अपने आप का बड़ा हैडीकैप्ड महसूस करता है। मौके पर कोई चोरको पकड़ता नही है। अब तो महकमे के पास यही अधिकारहै कि अगर उसकों चोरी का पता चलता है तेा वह पुलिस से रपट दर्ज करवा देता है। पुलिस वाले भी पूरे सबूत के बगैर कोई कार्यवाही नह कर सकते।

इसलिये सरकार के पास जो अधिकार है उनके मुताबिक ही वह पूरी कार्यवाही करेगी।

चौधरी कुन्दन लालः अध्यक्ष महोदय, कट के बारें में अभी मंत्री जी ने कुछ बात कही है। कईबार कट अपने आप भी हो जाते है। है अैर उन कटों को नहर का विभाग गांव के उपर थोप देता है कि गांव वालों ने कट किया है जबकि वह कट अपने आप हो जाता है। मेरे हल्के के अन्दर रोजवा एक गांव है। वहां का रजवाह अपने आप टूट गयाथा। उसके बारें में नहर के महकमें ने जिम्मेदारी गावों के किसानों पर डाल दी। बाद में गांव के किसान नहर विभाग, पुलिस विभाग और एस0 डी0 एम0 साहब के सामने पे ा हुए। गांवों के किसानों ने बताया कि यह नहर का कट अपने आप हुआ है। किसी ने किया नही है। गांव वालों के कहने के बाद एस0 डी0 एम0 साहब मौके पर गए। उन्होने भी पया कि यहकट अपने आप हुआ है, किसी ने किया नही है मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या नहर विभाग के कर्मचारियों/अधिकारियों की तरह से जो ऐसे झूठे केस गांव वालों पर बनाये जाते है, उनके खिलाफ ये कोई कार्यवाही करेगे?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, इनकी बात भी सही है कि कई दफा रजवाहों में कट अपने आप भी हो जाता है। यिद ये कोई वि ोश केस नोटिस में लाएंगे तो उस पर ऐक ान अव य किया जायेगा।

Stopping of Haryana Roadwasys Buss at unauthorised places in the state

***1227 Seth Ram Dass Dhamija:** Will the Minister for Transport be pleased to state whether it is a fact the Haryana Roadwasys Buses stop at unauthorised places on Ambala-Delhi route; and if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken to curb this tendency?

Transport Minister (Sh. Amar Singh): According to the standing instuctions, no Haryana Roadways Bus is supposed to stop at any unauthoriese dplace. However, whenever any case of violationof instructions comes to notice. Strict actionis taken against the defaulter. Instructios in the behalf have also been reiterated from time to time.

सेठ राम दास धमीजा: स्पीकर साहब, सही बात तो यही है कि खाने के वक्त काफी बसें अम्बाला–दिल्ली मार्ग पर अवैध स्थानों पर रूकती है। जो कोई आदमी वहां पर खाना खाता है। उसका 10–20 रूपये का बिल तो कम से कम आ ही जाता है। दाल इन अवैध स्थानों पर मिलती नही है। वे कहते कि हमारे यहां पर तो स्पै ाल सब्जी उनकी आलू गोभी की हाती है। आलू गोभी की सब्जी की एक प्लेट 4–5 रूपये के आसपास होती है। उनके खाने के इतने अधिक चार्चिज है कि कई लोग बेचारे किराये से भी महरूम हो जाते है।

मेरी मंत्री जी से खासतौर से प्रार्थना है कि वे खाने के समय वि ोश चैकिग का प्रबन्ध करवाएं ताकि इन अवैध स्थानों पर यात्रियों को बेमतलब फालतू पैसे देने न पड़े।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई दो राय नही कि अम्बाला–दिल्ली मार्ग के बीच में काफी प्राइवेट ढाबे है। हरियाणा रोडवेज की बसें भी कई दफा वहा ंपर रूकती है। हमने सख्त हिदायते दी हुई है। कि हरियाणा रोडवेज की बसें ऐसे स्थानों पर न रूके। मैने इस विभाग का चार्ज लेने के बाद इस काम के लिये एक कमेटी गठित की है। इस कमेटी मं राजस्वा विभाग, जंगलात के महकमें, पी0 डब्ल्यू0 डी0 के महकमें और ट्रांसपोर्ट के महकमें के आफिसर्ज भाामिल हैं ये सभी इस बात की चैकिग करेगे कि इन अवैध स्थानों पर हरियाणा रोडवेज की बसें, प्राइवेट बसें और ट्रकों आदि को खड़ा न होने दें।

श्री भले रामः अध्यक्ष महोदय, अनअथोराइज्ड स्थानों पर बसों को खड़ा करना कोई बुरी बात नही हैं कई दफा बसें खाली जाती है और ऐसे स्थानों पर काफी सवारियां मिल जाती हैं यदि वहां पर बसों को रोक करसवारियों को उठाा लिया जाये और उनसें पूरा किराया ले लिया जाये तो कोई बुरी बात नही होगी। क्या मंत्री महोदय इस संबंध में हिदायते देगे?

श्री अमर सिंहः स्पीकरसाहब, जो बात यह कह रहे है, ये मेनसवाल से संबंध नही रखती।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, जिन अनअथोराइज्ड स्थानों पर बसें रूकती है। वहां पर ड्राइवरों और कन्डक्टरों को फ्री में खाना मिलता है और कई स्थानां पर उनको वहां पर बसें रोकने के लिए पैसे भी मिलते है। इस बारें में मेरा सरकार की सुझाव है कि दिल्ली और चण्डीगढ़ के बची में कोई एक ऐसा स्ाीान बना दिया ाजये जहां पर वे थोड़ा आराम कर सकें और चाय वगैरा पी सकें। क्या मंत्री महोदय इस पर गौर करेगे?

श्री अमर सिंहः मैम्बर साहब का सुझाव बहुत अच्छा है, इस पर गौर करेगे।

चौधरी सूबे सिंह पुनियाः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी मार्फत मंत्री जी के नोटिस में एक यबात लाना चाहता हूं। चण्डीगढ़ हिसार रोड पर जाजनवाला एक गांव पड़ता है। उस गांव से तकरीबन 100–150 बच्चे हाई स्कूल और कालजों में पढ़ने के लिये नरवाना और उकलाना जात`है लेकिन वहां पर बसें नही रूकती। वहां पर बसों को रोकने के लिये मैने लिख कर भी मंत्री जी को दिया है लेकिन अभी तक वहा पर बसों कोठहरने का प्रबन्ध नही किया गया है। वहां से लडके व लड़कियों को बसां पर चढ़ने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। उस रोड पर वि ो ा तौर पर हिसार, अम्बाला, कैथल, जींद और सिरसा डीपू की बसें चलती है। अब फिर आपकें माध्यम से मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि क्या उन गांवों में इन बवों को रूकने के आदे ा दिए

जाएंगे ताकि स्कूल के बच्चों को आने जाने में दिक्कत का सामना न करना पड़े?

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार के स्टूडैन्ट्स को बसों में आने–जाने के लिए फ्री कर रखा है। प्रायः आमतौर पर देखने में यह आता है कि यदि किसी स्थान पर तीन बसें खड़ी है ते बच्चे तीनों बसों परचढने की बजाये एक ही बस पर चढ़ने की कोि ा ा करत रहते है। जब वे एक बस के अन्दर चढ़ नही पाते तो दूसरी बस पर चढ़ने की बजाये उसी बस की छत पर चढ़ने की कोि ा ा करते है। ड्राइवर और कन्डक्टर उनको ंरोकते है लेकिन फिर भी वे नही मानते जिसकी वजह से उस बस, में बहुत अधिक र ा हो जाता हैं इसके बावजूद भी हरियाणा सरकार ने ये हिदायते दी हुई है। कि बसों के ड्राइवर्ज ओर कन्डक्टर्स स्टूडैन्ट को लेकर जाएं और उनको उतार कर जाए।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, जब बच्चे बसों को रूकवाते है और बसे रूकती नही है तेा वे रास्ते को बन्द कर देते है। इस बारे में मेरा सुझाव है कि जिस स्थानसे स्कूल व कालेज के बच्चे अधिक जाते हों वहां से उनके लिए स्पे ाल बसों को इन्तजाम किया जाये। क्या मंत्री जी इस बारें मं आ वासन देने की कृपा करेगे?

श्री अमर सिंहः अभी तक तो ऐसा कोई प्रबन्ध नही हैं फिरभी यदि संभव हुआ तो इन्जाम करने की कोि ा ा करेगे।

चौधरी रो ान लाल आर्यः स्पीकर साहब, पिछले सत्र के दौरान भी एक सवाल आया था और उस सवाल के बारें में सरकार की तरफ से यह आ वासन दिया गया था कि ट्रक काम्पलैक्स जो मूरथल में बना है उसका सदुपयोग किया जायेगा। मै इस बारें में जानना चाहूंगा कि क्या उस ट्रक काम्पलैक्स का सदुपयोग करना भाुरू कर दिया है? इसके अलावा बस स्टैण्डों की सफाई की हालत बहुत खरबा है। लोग वहां पर जब बाथरूम में जाते है। तो अपना नाक सिकोड़ कर आते है। इसलिए वहां पर सफाई का प्रबन्ध किया जाये। लोग बसों में बीड़ी आम तौर पर पीते रहते है। सदियों में जो लोग बीड़ी नही पीते उनको बीड़ी पीने वालें से काफी परे ाानी होती है क्योंकि ठण्ड होने की जवह से बसों के भाी ो वगैरा भी नही खोले जा सकते। इस बारें में मेंरा सुझाव है कि बसों के अन्दर लोगों को बीड़ी पीने से रोका जाये। हालांकि बसों में यह लिखा होता है कि बीड़ी–सिगरेट पीना मना है, लेकिन इस तरफ वे ध्यान नही देते। इसके अलावा एक बात मै यह भी कहना चाहूंगा कि भााम के वक्त लोग भारबा पीकर बसों मं चढ़ जाते है और फिर वे हुडदंग मचाते है। जिससे यात्रियों को काफी परे ाानियों का सामना करना पड़ता है। इस बारें में भी मै चाहूंगा कि सरकार ध्यान दे कि भाराबी बसों में चढ़

कर भाोर– ाराबा न कर सके। क्या मंत्री महोदय इन सुझावों पर गौर करेगे?

श्री अमर सिंहः जो सुझाव आनरेबल मैम्बर ने दिए है उन बारें में परिवहन विभाग की तरफ से पहले ही हिदायते जारी की हुई है। और उनकों इम्पलीमेंट किया जा रहा है। अगर ये कोई स्पे ाल केस किसी ड्राइवर का या कन्टक्टर का नोटिस में लाएंगे तो उस पर तुरन्त ऐक ान लिया जाएगा।

चौधरी अजमत खांः स्पीकर साहब, जो ऐप्रूवड बसें स्टौप्स है बस वहां पर न रूक कर आगे पीछे सौ दो सौ गज की दूरी पर रूकती है जिससे सवारियों को भाग कर बस पकडनी पड़ती है। ऐसी भागदौड़ में खास तौर से स्त्रियों को और बच्चों को बड़ी भारी दिक्कत होती है। कई दफा इस भाग–दौड़ में खास तौर से स्त्रियों को और बच्चों को बड़ी भारी दिक्कत होती है। कई दफा इस भागदौड़ में ऐक्सीडैन्ट भी हो जाते हैं जो एक ऐप्रूवड बस स्टौप्स है वहां पर जब सें रूकती नही तो वहां के लोग रास्ते पर रोक देते है जिससे कोई न कोई घटना घट जाती है ऐसी एक घटना मेरे हल्के में हुई है। वहां पर लोगों ने रास्ते में पत्थर रख दिया जिससे वहां पर एक दुर्घटना घट गई और मौत हो गई। इस बारें में मेरा सुझाव है कि सरकार ये खास हिदायते जारी करे कि सभी बसे ऐप्रूवड बस स्टोप्स पर ही रूके। दूसरी समस्या यह है कि फिरोजजुर नमक मेंबसे नही रूकती। वहां पर जे0 बी0 टी0 स्कूल है वहां बस न रूकने से बच्चो को

परे ाानी होती है। बसें न रूकने से स्कूलों और कालेज के बच्चों को बड़ी भारी दिक्कत होती है और बच्चे समय प स्कूल और कालेज नही जा पाते। इसलिए मेरी इस बारें में सुझाव है कि जहां से पढ़ने वाले बच्चे बसों में अधिक चढते हों वहां के लिए स्पे ाल बसें चलाई जाएं ताकि बच्चों को आसानी हो सके। क्या मंत्री महोदय इन बातो ंपर गौर करेगे?

श्री अमर सिंहः यह पहले से ही हिदायत दी गई है कि औथोरइजड बस स्टौप्स पर बसे जरूर रूके। पिछले महीने इकसे री–इट्रेट किया गया है अगर आनरेबल मैम्बर्ज के नोटिस में कोई स्पैसिफिक औथोराइजड बस स्टौप्स हो जहां बसों न रूकती हों तो वे कृपया मेरे नोटिस में लाए ताकि ट्रैफिक इंस्पैक्टर और ट्रैफिक मैनेजर को वहां खड़ा करके उन्हें चैक किया जासके।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, यह बात तो आपके ध्यान में है कि वे लोग जहां बस खड़ी करने की प्रौपर जगह हाती है वहां बस खड़ी नही करते बल्कि पीछे या आगे खड़ी करते है। इससे लेडीज और बच्चों को बड़ी तफलीफ होती है। इस बारें में लेजिसलेटर्ज आपकों क्या कंप्लेन्ट करेगे? This is your own duty. Your Inspector should check it.

श्री अमर सिंहः बिल्कुल चैक करेगे।

मास्टर राम सिंहः स्पीकर साहब, यमुनानगर से करनाल बाया जठलाना, गुमथला, राव बियाना और कुंजपरा कोई डायरैक्ट

बस नही हैं क्या मंत्री महोदय इस रूट पर कोई बस चलाने की कृपा करेगे?

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर इस बात को पहली बार मेरे नोटिस में लाए है। मै इसको चैक करूंगा। अगर काई बस नही चलती होगी और लोगों की मांग होगी तो जरूर चलाएंगे।

बहन भाांति देवीः अध्यक्ष महोदय, मै भी यह निवेदन करूंगी कि वाकई जब अवैध स्थानों पर बस ठहरती है तो ड्राइवर और कन्डक्टर समय बरबाद करते है और सही स्थान पर समय मसे पहुंचने का प्रयत्न नही होता। इसके अलावा मेरा एक कटफ अनुभव हैं चण्डीगढ़ बस स्टैण्ड पर करनाल का नाम सुनने को नही मिलता। यह अनाउसमैट तो होती है कि पीपली, नीलोंखेड़ी, पानीपत और दिल्ली लेकिन करनाल का नाम गायब रखता है। स्पीकर साहब, करनाल जिला मुख्यालय है, महत्वपूर्ण नगर है, संभ्रात सही, भारीफ और अच्छे आदमी वहो बसते है। इसलिए यह उनकी न्यायोचित मांग है कि जो बस करनाल से गुजरती है वह करनाल के बस अड्डे पर जरूर जाए। ड्राइवर कंडक्टर नीलोंखेड़ी या पानीपत में जहां भी खाना पीना पसन्द करते हों खा पी लें लेकिन करनाल बस अड्डे पर जरूर बस जाए। टाईम बे ाक आप ज्यादा न दीजिए लेकिन करनाल की सवारियों को वहां उतरने और चढ़ने का प्रबन्ध अव य किया जाए। क्या मंत्री महोदय इस पर विचार करेगे?

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, हर बस बरनाल बाई–पास से नही जाती। बहुत सारी बसें करनाल होकर जाती है कुछ बसिज हमने ऐक्सप्रैस चला रखी है जो डायरैक्ट जाती है। अगर आनरेबल मैम्बर चाहेंगी कि उनमें से कोई बस करनाल बस अड्डे से होकर जाए तो इने सुझाव हो हम जरूर मानेगे।

बहन भाांति देवीः स्पीकर साहब, मै तो चाहती हूं कि करनाल से पास करने वाली हर बस करनाल बस अड्डे पर जरूर पहुंचे वरना आप बस अड्डा ही बाहर वाई पास पर बनवा दीजिए और यह काम जल्दी से जल्दी होना चाहिये।

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि नारायणगढ कांस्टिचुएंसी में हंगोला हाई स्कूल, रहना, मजारी और कोड़वा आदि तक जाने वाी बहुत सारी बसें क्या बन्द कर दी गई है?

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, कोई बस बन्द नही हुई है। हरियाणा की बसों के बारें में तो केवल मै और हरियाणावासी ह ीनही कहते बल्कि प्लानिंग कमी ान भी कहती है। कि हरियाणा का फ्लीट हिन्दुस्तान में बेहतरीन फ्लीट है। दो तीन सालों में तो हमें अवार्ड भी मिला हैं जहां तक नारायणगढ़ की बात है, जैसा मैने पहले कहा कोई बस बन्द नही हुई है। जो बस पहले चलती थी वे चल रही है। लेकिन एक बात मैं स्पश्ट करना चाहता हूं कि जहां रिसीट कम होती है वहां बस जरूर बन्द करते है। अगर

इन्होने अपने यहां सभी को हिदायते दे दी होगी कि टिकट नही लेना तो हो सकता है कि ऐसी बात हो गई हो मै इस बात का चैकअप करूंगा।

चौधरी कुन्दन लालः स्पीकरसाहब, भाादियों के टाईम पर बसे बुक होने की वजह से कुछ रूट्स पर बसे कम कर दी जाती हैं जिसकी वजह से आम सवारियों को दिक्कत होती है। क्या सरकार इस बात का प्रबन्ध करेगी कि आम सवारियों को दिक्कत न हो?

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर ने कोई स्पैसिफिक बात नही बताई है और न ही किसी महीने या दिन को रैफरैन्स दिया है। इन्होने एक जनरल सी बात कही है कि भाादियों के दिनों में लागों को दिक्कत होती है। स्पीकरसाहब, हरियाणा में रोडवेज हन्डर्ड परसैन्ट ने ानेलाइज्ड है। यह बात ठीक है कि कुछ बसे भाादियों के लिए बुक हेाती है कयोंि क अगर आनरेबल मैम्बर रिक्वैस्ट करेगे तो वह माननी पडद्येगी। लेकिन मै इतना अज्र करत हूं कि हम ऐसे मौकों पर भी कोई डिफिकल्टी नही आने देगे।

चौधरी दिलू राम बाजीगरः स्पीकर साहब प्रायः यह देखने में आया में आया है कि कंडक्टर टिकट काटने के बाद बोलट पर जाकर बैठ जात है और जब कोई सवारी उतरना चाहत उससे कहा है कि वह जल्दी से उतरे। मेरे गांव की ही एक बुढिया

इस बात की ि ाकार हुई है। वह अभी उत्र ही नही पाई थी कि ड्राइवर ने बस चला दी और पिछला टार उसक ऊपर से गुजर गय। इसी तरह से बस स्टैन्ट पर जब बस लगतमी है तो कंडक्टर वहां हाजिर नही होता जिसकी वजह स किसी न किसी यात्री को धक्का लग जाया करताहै। क्या मंत्री जी खास तोर पर कंडक्टर्ज को यह हिदायत देने की कृपा करेगे कि एक तो वे अपनीसीअ पर बैठा करें और दूसरों जब भी बस स्टैंड पर काउन्टर के सामने बस लगे तो कन्डक्टर क बगैर नही लगनी चाहिय?

श्री अध्यक्षः इसमें सरकार क्या करेगी? अगर आप लोग भी उन्हे गाईड करें तो यह मसला हल हो सकता है। यह कंडक्टर की डयूटी हैं अगर वह अपनी डयूटी पूरी नही करता तो लैजिसलेटर्ज भी उसे खींच सकते है।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अभी बतया कि हरियाणा रोडवेज का दो तीन सालों में बैस्ट परफारमैस का अवाड किला था क्या वे बताएगे कि यह अवार्ड कौन से सालों में मिला था औरयदियह अब नही मिला है तो उकस क्या कारण है? क्या अब इनकी परफारमैस कुछ घटिया हो गई है जिसकी वजह से इस साल यह अवार्ड नही मिला?

श्री अमर सिंहः इस साल का तो अभी फैसला नही हुआ है। जहां तक पिछले अवार्ड का सम्बन्ध है भाायद यह 1980–81

और 1983–84 में प्लानिंग कमी ान द्वारा हमारे फ्लीट को इंडिया में बेहतरीन डिक्लेयर करने की वजह से मिला है।

चौधरी लाल कृश्णः स्पीकरसाहब, हरियाणा में हिसार सबसे बड़ा अड्डा है। चंडीगढ़ क बस अड्डे के बाद उसका नम्बर है। पहले वहां के लिए कुछ डी–लक्स बसे चलती थी। लेकिन अब वे बंद कर दी गई है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि वहां के लिए अब फिर डीलक्स बसे चालू की जाएंगी।

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, इसके बारें में अर्ज यह है कि एक तो डीलक्स बसों से आडिनरों बसे पहले पहुच जाती थी ओर दूसरे उनकी रिसीट भी बहुत कम हो गइ थी जिसकी वजह से सिरसा दिल्ली और हिसार चण्डीगढ़ डीलक्स बसें बंद करनी पड़ी। अगर आनरेबल मैम्बर रिसीट की जिम्मेवारी ले तो अजामई ा के तौर पर उन्हें फिर भाुरू करे देंगे।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अभी बताया कि डीलक्स बसे इसलिए बंद की गइ क्येां एक तो आडिनरी बसें पहले पहुंच जाती थी और दूसरे उनकी रिसीट कम हो गई थी। स्पीकर साहब, टाईम की ऐडजस्टमैट तो इन्होने ही करनी हैं ऐक्यचुअली बात यह थी कि हिसार से सुपर फास्ट बस लगभग उसी टाईम चला दी गई जब डीलक्स बस चलती थी। डीलक्स बस का किराया आडिन्री बस से लगभग डबल है। लोग नेचुरली किराये को बचत करना चाहते है। अगर टाईम की ऐडजस्टमैट

करके मिनिस्टर साहब डीलक्स बस चलाएंगे तो मुझे पूरा वि वास है कि वह अव य कामयाब होगी।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब हिसार डीलक्स बस चलाने के बारें में कई बार अनुभव किया गयाहै कि उस में केवल दो एम0 एल0 एल0 ही बैठे नजर आते थे और कोई भी सवारी नही आती थी जिसके कारण यह बस चलानी बन्द की गई थी। जब बाकी सवारियां नही बैठती तो बस चलाना अन–इकौनोमिकल हो जात हैं यह कौमि ायल डिपार्टमैंट है इसलिए यहां अन–इकौनोमिकल बात नही चल पाएगी।

श्री नेकी रामः स्पीकर साहब, मेरे हल्के में 84 गांव है। वहां परकोई भी कालेज न होने के ाकरण बच्चे बड़े टाउन में पढ़ने के लिए बसों से जाते है लकिन जब वे भााम को घर आते है तो बसों में बड़ा भारी र ा रहता हैं क्या मंत्री महोदय वहां पर दो चार ओर बसें चलाने की कृपा करेगे।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मै आनरेबल मैम्बर से रिक्वैस्ट करूंगा क जिन जिन रूटों पर वे बस चलवाना चाहते है उनके नाम लिख कर दे दें ताकि उनके बारें में विचार किया ा सके। दूसरी बात यह भी है कि कोई भी ऐसा बड़ा टाउन नही है जहां बस न जाती हो। सभी बड़े गांवों में, लिक रोड्ज और एप्रोच रोडज पर बसे चल रही है। जब हरियाणा बना था, उस समय 475 बसें थी लकिन अब तीन हजार चौसठ बसे है। ये बसें नौ लाा

पन्द्रह हजार किलोमीटर डेली सफर तय करती है और इनमें 11 लाख 89 हजार पैसजर्ज डेली यात्रा करते है।

बहन भाांति देवीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से निवेदन करूंगकि कंडक्टरों को बहुत सावधान करके रखना चाहिए ताकि वे सवारियों के साथ बर्ताव ठीक रखे। इसके अलावा, कंडक्टर को खुद ही इस बात के लिए सजग रहना चाहिए कि जब भी कोई सवारी उतरना चाहती है तो बस स्टौप के आने स पहले ही वह अनाउसन्समैंट करें कि फलां जगह आ गई है। इसलिए आप तैयार हो कर खिड़की के पास पहुंच जाओं। जब कोई सवारी चलती चलती बस से उतरेगी वते वक गिरेगी ही। कई बार तो उतरने वाली सवारी को यह पता ही नही चलता है कि जिस जगह उसे उतरना है, वह जगह आ गई है। जब वह जगह गुजर जाती है तो उस समय वह कहता है कि मैने भी फलां जगह उतरना था। इसलिए मै मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगी कि जब कंडक्टरों को ट्रेनिग दी जाती है तो यह भी ट्रैनिग दी जानी चाहिए कि हर स्टौप से दो मिनट पहले कन्डक्टर अनाउन्समैट करें कि अमुक स्टे ान पर बस पहुंच रही है। इसलिए सवारी तैयार हो कर खिड़की के पास पहुंच जाए।

श्री अमर सिंहः आनरेबल मैम्बर साहिबा का बहुत अच्छा सुझाव है। हमने पहले भी हिदायते दी हुई है और अब फिर हिदायतें जारी कर देगे कि सवारियों के साथ अच्छा बर्ताव किया करें क्योंकि अच्छा बर्ताव करने में कोर्ठ दाम तो लगते नही।

Constructionof Southa Minor/Distributary

***1241 Ch. Inder Singh Nain:** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under considerationof the Govt. toconsttuct Sotha Minor/Disty. In district Hisar and

(b) If so, the time by which construction of the said Minor/Disty. is likely to be completed together with estimated cost thereof?

Irrigation & Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):

(a) Yes, Sir

(b) The scheme is under investigtion and its estimated cost is likely to be Rs. 33 Lacs.

चौधरी इन्द्र सिंह नैनः स्पीकर साहब सौथा माइनर/डिस्ट्रिव्यूटरी की डिमान्ड बहुत पुरानी है। अब एस0 ई0 के लैवल पर कागज कम्पलीट हो गये है। जमीदारों को भी जमीन देने के लिए मैने मना लिया है। क्या मंत्री महोदय केस आने के बाद इसे जल्दी सैक ान करके खुदाई का काम चालू कराने का कश्ट करेगे?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाःस्पीकर साहब, इस स्कीम पर काम तो तभी भाुरू किया जायेगा जब वह सैक ान हो जायेगी। सरकार इस स्कीम के बारें मे सहानुभूति से काम कर रही

है। इस स्कीम में डब्ल्य0 जे0 सी0का एरिया चूंकि भाखडद्या सिस्टम में ट्रांसफर होना है इसलिए पूरी तरह से इनवैस्टीगे ान की जरूरत है। जब भी केस यहां आ जायेगा तो सरकार उस पर अमल करेगी।

चौधरी इन्द्र सिंह नैनः स्पीकर सर, जमना का जो पांच सौ एकड़ का रकवा इसमें मिलना था उस बारें में जमीदारों ने ब्यान दे दिये हैं पांच सौ एकड़ का एरिया भाखड़ा सिस्टम में भाामिल हो गया है। अब उसमे ंकोई रूकावट नही हैं जब जमीदारों ने ब्यान दे दिये तो कानूनी रूकावट दूर हो गई हैं इसलिए मै मंत्री महोदय से प्रार्थना करूंगा कि इस स्कीम को मंजूर करने की कृपा करे।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः इस बारें में मैने पहले ही कह दिया है।

Mr. Speaker: Question are over.

वर्श 1981–82 तथा 1982–83 की ऐक्ससैस डिमाड्ंज ओवर ग्राट्स एंड ऐप्रोप्रिए ान्ज पे ा करना

श्री अध्यक्षः अब फाइनैस मिनिस्टर साहब, सन् 1981–82 एण्ड 1982–83 की ऐक्सैस डिमान्डज ओवर ग्रान्टस एन्ड ऐप्रोप्रिए ान्ज पे ा करेगे।

Finance Minister (Ch. Katar Singh Chhokar): Sir, I beg to present the excess demands over Grants and Appropriatos for the year 1981-82.

Sir, I also beg tot prestne the excess demands over Grants and Appropriations for the year 1982-83.

वर्श 1986–87 के लिए सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेट्स (दूसरी किस्त) पेश करना

श्री अध्यक्षः अब फाइनेन्स मिनिस्टर साहब, वर्श 1986–87 के सप्लीमैटरी एस्टिमेट्स (सैकिन्ड इंस्टालमैन्ट) प्रजैन्ट करेगे।

Finance Minister (Ch. Katar Singh Chhokar): Sir, I beg to present the supplemnetary Estimates (Secpmd Omsta;,emt) 1986-87.

श्री अध्यक्षः अब राव विजय वीर सिंह, चेयरमैन, ऐस्टिमेट्स कमेटी, वर्श 1986–87 के सप्लीमैन्टरी ऐस्टिमेट्स (_____ सैकिन्ड इंस्टालमैट पर कमेटी की रिपोर्ट प्रेजन्ट करेंगे।

Rao Vijai Vir Singh (Chairman, Estimates Committee): Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates (Second Instalment) 1986-87.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्क ान होगी। श्री ई वर सिंह जी अपना मो ान मूव करेगे।

Ch. Ishwar Singh (Pundri): Sir, I beg to move-

"That an address be presented to the Governor in the following terms:-

"That the Members of the Yaryana vidhan Sabha assembled in this session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 23rd February, 1987".

स्पीकर साहब, राजयपाल महोदय ने अपने एड्रैस में हरियाणा स्टेट की प्रगति की तस्वीर खीची है। हरियाणा में जो चहुंमुखी विकास हुआ है। उसके बारें में उसमें डिटेल में जिक्र किया हैं स्पीकर साहब, हरियाणा पहली नवम्बर, 1966 को बना। यह एक छोटा सा सूबा है। इसकी आबादी एक करोड़ तीस लाख के करीब है। जब यह सूबा बना तो बहुत से लोगों का ख्याल था कि यह पूरी तरह से इकौनोमिकली बायेबल नही हो सकेगा लेकिन इस सूबे के जो सब से पहले दी चीफ मिनिस्टर बने उनकी सरकार स्थिर नही रह सकी जिसके कारण अमन और भाांति भी नही हो सकी। सन् 1968 में हरियाणा के चीफ कितनस्टरचौधरी बंसी ला जी आए और इन्होने इस प्रांत को बहुत उठाया आप जाते है कि जब आसमान में घटा पूरी तह से घूट जाती है तभी बारि ा बरसती है। छोटी छोटी बदलियों से पूरी बारि ा नही बरस सकती। इसलिए जब हमारे प्रगति ील चीफ मिनिस्टर आये

तो हरियाणा का विकास हुआ। आज की पोजि ान यह है कि हमारा प्रांत पर कैपिटा इन्कम के हिसाब से नम्बर दो पर हैं और पंजबा सब से आग्र है लेकिन थोड़े बहुत दिनों में जिसहिसारब से हरियाणा प्रगति कर रहौ, वह स्टेज भी आयेगी जब पंजाब से आगे निकल जायेगा। सारे दे ज्ञ में हामरे प्रांत की पहल पोजि ान होगी। प्लानिंग कमी ान ने सारे हिन्दूस्तान में स्टेटस की जो प्रोग्रेस है। उसमें पर कैपिटा डिवल्पमैट का खर्च 1442 रूपये सैवेन्थ फाईव ईयर प्लान में आंका है लेकिन हरियाणा का कर–कैपिटा डिवैल्मैट ऐक्सपैडिचर 2888 रूपये है। स्पीकर साहब हमारे सूबे में पूरी तरह अमन और भाांति है लेकिन हमारे पडोसी सूबे में अ ाांति है। पंजाब में कुछ विदे ाी ताकतों ने वहां के कुछ लोगों को बहकावे में डाल कर उग्रवाद का आतंक फैला रखा है। हमारे सूबे में चौधरी भजन लाल के टाईम पर भी कोई गड़बड़ नही हुई और अगर थोड़ी बहुत हुई तो वह उसी वक्त दबा दी गई और अब किसी की हिम्मत नही है कि हरियाणा में अ ाांति पैदा करे। आप सभी जानते है कि हरियाणा के लोग अमर और भाांति चाहते है। हमे ाा पीसफूल रहे है। मजहब के बारें में जब जिक्र आता है तो मुझ इकबाल का एक भोर याद आ जाता है–

मजहब नही सिखता आपस में बैर रखना,

हिन्दी है हम वेजन है हिन्दोस्ता हमारा।

दुनिया के जितने भी धर्म है वे सब वायलैन्स के बारें में कोई बात नही करते है। वह नान–वायलैस की बात करते हैं अच्दे कामों की प्ररेणा देते है। कुछ लोग फनाटिसिजम या तंग नजरिये से देखते है। इसी के लिये किसी ने कहा है:

जाहिदे तंग नजर ने मुझे काफिर समझा

और काफिर समझता हे मुसलमा हूं मै।

जो लोग पूरी तरह से धर्म को नही समझते, वह ही ऐसी बात करते है। हमारे धर्म में भी यही कहा है।

वायुदेव कुटुम्बकम्

कहने का भाव यह है कि सारी दुनिया एक है। इसी तरह से स्वामी विवेकानन्द ने कहा हे कि the whole is one. We are simply waves on the ocean of eternity and when the waves subside, it is all water. ये बातें अच्छे दिमागों ने कही है। ये सब बातें अच्छे आदमियों ने कही हुई है। इसी तरह से इकबाल ने भी कहा है–

तासुब छोड़ नादां दहर आइना खाने में,

यह तस्वीरे हे तेरी जिनकों समझा है बुरा तूने।

सारी दुनिया एक है। यही हमार थ्यूरी हैं इसी तरह से यूनिटी आफ दी ने ान यानी दे ा की अखंडता बहुत ही जरूरी है। आज जितन बड़ा दे ा है, उतना बड़ा दे ा कभी पिछली

हिस्टरी में नही ुआ। इस हिन्दुस्तान में कभी बड़े–बड़े राजा हुए तो कभी छोटे–छोट। लेकिन कभी भी नार्थ का राजा सारे दक्षिण का राजा नही बन सका सिवाये मराठों के दक्षिण भारत का कोई राजा उतरी भारत में नही आ सका। वे भी दो–चार रियासतों क सिवाये, आग्र नही बढ़ सके। इतना बड़ा हिन्दुस्तान नक कभी रामायण के समय में था ओर न ही कभी महाभारत के समय में था। यह बात अलग है कि आज पाकिस्तान और बंगला दे ा अलग हो गये है। आज इस दे ा की एकता ओर अखंडता को कायम रखना बहुत जरूरी है। एक ही मजहब से कोई एक नो ान या दे‍ा नही बनता। ऐसे बहुत से दे ा है।जो एक मजहब होने पर भी आपस में लड़ते है। जैसे ईरान और ईराक आपस में लड़ रहे है। फ्रांस और जर्मन आपस में लड़े है। इस दे ा की यह बहुत ही पुरानी परम्परा रही है। इसमें टौलरे।स है। यहां पर दुनिया के हर कोने सक लोग आए हुए है। ईरान से पारसी लोग बम्बई के आस पाय आये। वहां के राजाओं ने उन्हें पनाह दी। दलाई लामा जब अपने दे ा को छोड़ कर आया तो हमने चीन की परवाह नक करते हुए उसकों पनाह दी। इस दे ज्ञ में सभी लोग अमन और भाांति से रहना चाहते है। जब हकुमत मजबुत होती है तो किसी की हिम्मत नही होती कि कोई गडबड़ कर सके। इसके बादगवर्नर साहब ने सतलुज यमुना लिक नहर का जिक्र किया है। हमारे हरियाणा में वैसे भी एक यमुना ही दरिया हैं उसमें कुछ हिस्सा हिमाचल यू0पी0 का लगता है, कुछ हरियाणा यू0पी0 में संगम में जाकर मिलता है। यमुना से ताजेवाला की जगह हमे ंदो हिस्से

पानी मिलता है और एक हिस्सा यू0 पी0 को लगता ह, कुछ हरियाणा यू0 पी0 का लगता है और कुछ दिल्ली यू0पी0 का लगता है। पि चम यमुना नहर में 8–9 महीने के दौरान लगभग 2200 क्यूसिक्स पानी चलता हैं इसक अलावा हमारे पास कोई दरिया नही है। यह तो पंडित जवाहर लाल नहरू की दूर–अंदे ाी थी कि उन्होने भाखड़ा डैम बनाया और सतलुज नदी का पानी 9600 क्यूसिक्स हरियाणा के हिस्से में आया। एस0 वाई0 एल0 या रावी व्यास के पानी को हामरे लोग दल या संघर्श समिति के भाई बात तो करते है लेकिन उनहोने इस पानी को लोने के लये क्या कोई पैसा अपने समय में दिया? बगैर पैसे नहर कैसे बन सकती है? इस लिंक नहर को बनोने के लिये इन्होने कोई कदम नही उठाया। इस नहर को तो जनता पार्टी वाले कभी नही बना सकें। उन्होने न तो कोई पैसा ही जमा कराया और न ही कभी कोई कोि ा ा ही की कि यह नहर बन सके हालांकि दिल्ली में ओर सुबे मं उनकी ही पार्टी कील सरकार थी। इसको तो श्रीगणे ा इंदिरा गांधी जाने ` कपूरी गांव में जाकर किया। हमारे मुख्य मंत्रीजी ने जलसों में कई जगह कहा भी है कि वह सभी पंचों और सरपंचों को उस नहर की प्रौग्रैस दिखायेगे जिसके लिये हरियाणा सरकार ने 151 करोड़ रूपया कै ा दियाहै और 3 करोड़ रूपये के कारीब की मं ीनरी दी गयी है। 19 ½ करोड़ रूपयां पंजाब न दे रखा है। आगे के लिये नहर का कुल खर्च राजीव गांधी जी ने देना स्वीकार किया हैं अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में मुझे एक भोर याद आया जो इस प्रकार है:–

निगाहे मर्दे मोमिन से बदल जाती है तकदीरे,

कोई अन्दाजा कर सकता है उनके जोरे बाजू का।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

डिप्टी स्पीकर साहब, उन्होने एक ही आवाज में 403 करोड़ रूप्या हमारे मुख्य मंत्री जी के कहने पर हरियाणा को दिया है। हमारा जो बजट इम्बैलैस हो रहा था और जिस वजह से हमारे कुछ काम रूक रहे थे, अव वह सारे काम ही जायेगे। यही नही कि 403 करोड़ रूपया दिया है बल्कि आगे के लिये एस0 वाई0 एल0 का सारा खर्चा देना भी स्वीकार किया है हमारी जो माईनर्ज है, नहरें है, जो स्लिटिग की खुदाई का काम है, सड़कों की रिपेयर का काम है, कुछ वाटर वर्क्स का काम है, वह सब काम अब तेजी से चल रहे है। जनता पार्टी ने तो रोलिंग प्लान बनाया था वह पांच साला प्लान का नाम भी कायम नही रखसके और खुद ही रोल हो गये। उसको पूरी तरह से ऐक्सीक्यूट नही कर सके। हमारे चौधरी बंसी लाल जी ने तो 100 दिन का प्लान बनाया हैं टार्गेट मुकरर्र कर दिये गये है ताकि कामों में तेजी आये। हम यह देख भी रहे ळै कि कामों में तेजी आये। हमर यह देख भी रहे है कि कामों में तेजी आ रही है आप किसी तरफ भी चले आये, आपको तरक्की दिखाई देती है। उचाना के पास जी0टी0 रोड पर बड़ी तेजी से पुल का निर्माण कार्य चल रहाहै। इसी तरह से पेहवा अम्बाला सड़क पर भी मारकण्डा पुल का काम बड़ी तेजी से चल

रहाहै। इसके अलावा हथिनीकुंड बेराज ताजेवाला से एक किलो मीटर दूरी पर जब बनेगा तो उससे भी कुछ पानी में मिलेगा क्योकि बरसात के दिनों में यमुना में काफी पानी होता है। कभी सैंटल गवर्नमैट पैसा देगी ता किसाऊ डैम यमुना पर बनेगा ओर पानी का काफी मसला हल हो जायेगा क्योंकि यमुना नदी पर अत तक जैसे भाखड़ा बांध है, वैसा कोई बांध नही है। लाडवा नलवी स्कीम के बारें में सवालात पूछे गये। मुख्य मंत्री जी ने रादौर में ऐ जलसू में भी एलान यिका है कि नलवी भााहबाद स्कीम को भी पूरा किया जायेगा। इसक लिए कुछ पैसा जमीन ऐक्वायर करने के लिए दे भी दिया गया है ओर सैक ान 4 और 6 के नोटिफिके ान्ज इ I हो चुके है। सुरजेवाला साहब ने भी अभी बताया है कि और पैसा दिया है। इसी तरह से कुरूक्षेत्र जिला जो कि हरियाणा का ससे जरखेज इलाका है। उसका आधा हिस्सा आज भी बगैर पानी के है। इसी तरह से अम्बाला जिले का ज्यादातर हिस्सा है। इनमं भी आगे पानी देने की स्कीमें है। चौधरी बंसी लाल एक ही इलाके में नही बल्कि सारे इलाकों में पानी देना चाहते है। हमार सब से बड़ा प्रोजैक्ट जे0 एल0 एन0 कैनाल है। जिससे महेन्द्रगढ़ ओर गुडगांवा डिस्ट्रिक्ट्स में पानी जायेगा इसी तरह से हमारी सरकार ने चारों तरफ सारे इलाके मे पानी पहुंचाने के लिये स्कीमे बनाई हुइ हैं हमारा जितना भी कैनाल सिस्टम है, वह सारा इन्टरलिक्ड हैं एक सिस्टम से दूसरे सिस्टम में पानी जा सकता है। एस0 वाई0 एल0 का साढे छः हजार क्यूसिक्स पानी जब हरियाणा में आयेगा तोयह सभी जगह

जायेगा। इसमें हरियाणा की इकौनोमी हालांकि वह एग्रीकल्चर पर आधारित है, मजबूत हो जायेगी। इससे आगे बिजली की बात है। बिज की कमी है, लेकिन इसका इस्तेमाल भी तो दिनप्रति दिन बढ़ता जा रहा है। नवम्बर, 1966 में जब हरियाणा बना थ तो उस वक्त 19,000 टयूववैल्ज थे लेकिन आज 4 लाख टयूबैल्ज है। आज हम जगह–जगह देखते है कि टैलीवींजंज है। और पखें है आजकल देहातों में भी ये चीजें देखने को मिलती है। उस वक्त कहां ये चीजे थी? आजकल सानी (चारा) काटने की म ाीने है जो बिजली से ही चलती है। पुरानेसमय में तो बैलों कोइस्तेमाल होताथा लेकिन आजकल म ाीनों का इस्तेमाल होत है जिन के लिये हमें बिजली चाहिये। ज्यो–ज्यों हमारी इकौनोमी बढ़ेगी त्यों–त्यों चाहे हमारी इंडस्ट्री हो या ऐग्रीकल्चर, बिजली की जरूरत बढ़ेगी। इसके लिए गवर्नमैट की काफी स्कीमें है जो हाईड्रो पावर है, उसको जनरेट करने के लिए काफी लम्बा टाई लगता है। लकिन थर्मल पावर है, यानी जो कायला जलाकर बिजी पैदा की जाती है, उसकी जनरे ान में टाईम थोडा कम लगता है। यह ठीक बात है कि हमारे जो थर्मल प्लांट्स है, उनमें से कुछ में म ाीनरी की कमी है। यह म ाीनरी हमें BHEL ने दी है। उनका प्लांट लोड फैक्टर ज्यादा नही है। अभी दो तीन दिन पहले पंजांब के बारें में में एक रिपोर्ट अखबार में आयी थी कि रोपड़–भंटिडा थर्मल प्लांट का लोड़ फैक्टर 82.5 आया हैं हमारा लोड फैक्टर इतना नही है। लेकिन हमारे प्लांटस की मौड्रेनाइजे ान की और रैनोवे ान की सरकार कोि ा ा कर रही है। पानीपत में

110—110 मैगावाट के चार थर्मल प्लांट्स चालू हुए है और इनके अलावा 210—210 मैगावाट के दो थर्मल प्लाट्स चालू हुए है यमुनानगर में 1250 मैगावाट थर्मल प्रोजैक्ट की स्कीम बन चुकी है ओर इसकी फर्स्ट स्टेज को सैन्टर ने क्लीयर कर दिया हैं प्राईम मिनिस्टर कनेडा से या किसी दूसरे दे ज्ञ से जिससे भी वे चाहेगे बात करके इस प्रोजैक्ट को चालू करेगे। इससे हमारी समस्या हल हो जाएगी। इसी तरह से डब्ल्यू0 जे0 सी0 पर सोलह—सोलक मैगावाट के तीन बिजली घर बनाने की योजना है। चालू वित्त वर्श में पावन हाउस 'ए' चालू कर दिया गया हैं बिजली घर 'बी' मार्च/अप्रैल, 1987 तक चालू होने की सम्भावना है। और बिजली घर 'सी' पर काम चल रहा है।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे पास पहाड़ नही है और इस कारण पानी की कमी है। हमारे पास सर्दियों में पानी कम हो जाता है। हमें केवल 2200 क्यूसिक पानी मिलता है। जबकि हमे 4500 क्यूसिक पानी की जरूरत है। हमें आ ाा है कि तीसरा पावर हाउस एक साल के बादतैयार हो जाएगा। हथनीकुंड पर भी हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्लांट बनाया जाएगा। सैन्ट्रल गवर्नमैंट के प्रोजैक्ट जैसे नरोरा एटौमिक, सलाल, संगरोली, नाथपा झाखड़ी, थीन और रिहंद सुपर—थर्मल है, उनसे हमकों हिस्सा मिलेाग। आठवे प्लान मे ंपांच जगहों पर 420 मैगावाट के तापघर बनाए जाएंगे। ये जगह है नरवाना, हिसार, भिवानी, पलवल और मूनक। उपाध्यक्ष महोदय, जहां भी जरूरत होगी उसी कु मुताबिक स्कीम्ज

बनाई जाएंगी जिससे कि हरियाणा में बिजली की कमी को पूरा किया जा सके। पंजाब में जो नग्गल का खाद का कारखाना है वह अपना तीस मैगावाट का प्लांअ लगा रहे है और इसी तरह से पानीपत में भी फर्टिलाइजर वाले अपना बिजली का प्लांट लगा रहे हें इसतरह से हमारी बिजली की समस्या काफी हल हो जाएगी। हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने प्राईम मिनिस्टर साहब से प्रार्थना की है कि दिल्ली अपना भोयर ओवरड्रा न करे इससे हरियाणा को दिककत होती है। जितना दिल्ली का भोयर बनता है वह उतना ही ड्रा करे। प्राईम मिनिस्टर साहब ने वि वास दिलाया है कि सैन्ट्रल प्रोजैक्ट्स में हरियाणा को दिक्कत होती है। जितना दिल्ली का भोयर बनता है वह उतना ही ड्रा करे। प्राईम मिनिस्टर साहब ने वि वास दिलाया है कि सैन्ट्रल प्राजैक्ट्स में हरियाणा का जितना हिस्सा बनता है उतना अव य मिलेगा। डिप्टी स्पीकर साहब, नए प्लाट्स बनने से ओर हरियाणा का भोयर पूरा मिलने से बिजली की समस्या आगे आने वाले सालों में काफी हल हो जाऐगी। इस सरकार ने गारीबों के लिए भी बहजुत स्कीम्ज बनाई है। अभी पानीपत में बैकवर्ड क्लासिज की एक कान्फ्रेस हुई थी। हमारे चीफ मिनिस्अर साहब ने उनको काफी सुविधाएं देने के लिए कहा है। उनको प्लाट्स देने के लिए कहा है। उनके अलग लम्बरदार होगे। नौकरियों में तो उनका हिस्सा पहले ही रिर्जव हैं दस परसैन्ट की रिजर्वै ान कांग्रेस के टाईम में ही हुई है। दूसरी पार्टीज की तो इनके साथ केवल लिप सिम्पथी ही हैं इन लोगों को पता है कि असली हमदर्द कौनसी पाटी है और किस पार्टी के हाथ मते उनके

हित सुरक्षित हैं चार परसैंट ब्याज पर कांग्रेस सरकार ही इन लोगों को कज्र देती है। बैकों का ने ानेलाइजे ान और बीमा कम्पनीयज का ने ानेलाइजे ान इन्ही लोगों की भलाई के लिए किया गया था और यह कांग्रेस सरकार ने ही किया था। पवार्टी ऐलिमिने ान के लिए जो प्रोग्राम के तहत गरीब लोगों ओर बैकवर्ड क्लासिज ओर ि ाडयूल्ड कास्टस तथ इकोनोमिकली वीकर सैक् ान्ज के लोगों को सस्ते ब्याज पर गाय–भैस आदि के लिए कर्जा दिया जाता है। बुग्गी, रिक्सा और गाड़ी के लिए भी कर्जा दिया जाता है डिप्टी स्पीकर साहब, ये सारी स्कीम्ज इंदिरा गांधी की बनाई हुई है। इन लोगों के लिए इन्दिरा आवास योजना बनाई गई है। इस स्कीम के अन्दर प्लांड मकान इन लोगों के लिए बनाए जाएंगे जिनमें हर किस्म की सहूलियतें होगी।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसी तरह से हरिजनों के लिए बहुत सी स्कीम्ज बनाई गई है। इनके बच्चों को वजीफे दिए जाते है। फ्री ऐजुके ान दी जाती है, फ्री वर्दियां दी जाती है और फ्री किताबे दी जाती है। कहने का मतलब यह है कि सभी किस्म की सहूलियते हरिजन भाईयों को दी जाती है।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसी तरह से हरियाणा सरकार ने फौजियों के लिए भी काफी सहूलियते दी है। फौज के अन्दर हरियाणा के ग्याहर परसैन्ट लजोग है ओर पंजाब के चौदह परसैन्ट लोग है जबकि इन दोनो ंप्रातों की आबादी तीन या सवा तीन करोड़ है लेकिन फौज के अन्दर इनका रिप्रजन्टै ान फ्रौम दि

टाइम इममोरियल ज्यादा रहा हैं हरियाणा स्टेट हिन्दुस्तान के अन्दर पहली स्टेट है जिसेन सब से ज्यादा फौजियों को, उनके बच्चों का या उनके आश्रितों को सहूलिये दी है। हरियाणा सरकार फौजियों के बच्चो, आश्रितों ओर उनको औरतों की तरफ खास ध्यान दे रही है।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसके अलावा यह सरकार स्त्रियों, बच्चों और अपाहिजों की तरफ खास ध्यान दे रही है। 316026 बच्चे और गभवती स्त्रियों को 45 डंट्रैसिब चाइल्ड डिवैल्पमैट स्कीम्ज के द्वारा लाभ पहुंचाया गया है और इससरकार ने फैसला किया है कि 1987–88 के अन्त तक 97 ब्लौक्स को इस स्कीम के अन्डर कवर कर लिया जाएगा। इस स्कीम के अन्डर बच्चों को और गर्भवती स्त्रियोंको पौश्टिक आहार दिया जाता है। और विटामिन की गोलियां दी जाती है। विकलांग लोगों को, बूढे लोगों को जिनका कि कोई सहारा नही है उनको पैन ान दी जाती है। इस सरकार ने फैसला किया है कि इस साल जितने लोग ओल्ड एज पैन ान के लिए दरखास्त देगे उन सभी को पैन ान दी दी जाएगी। इसी तरह से जो अंगहीन है, जिनका कोई साहरा नही है और विधवाओं का भी पैन ान दी जाएगी। हमारा सो ाल वैलफेयर विभाग बहुत अच्छा काम इस दि ाा में कर रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, वकिंग वूमैन के लिए हौस्टल बनाने का सरकान का फैसला किया है। इसी तरह से सफाई मजदूरों के

बच्चों के लिए भी और होस्टल बनाने का सरकार ने फैसला किया है और इस समय भी बनाए जा रहे है।

हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने पुलिस विभाग के जो मुलाजिम है उनके लिए फराखदिली दिखाई है। अब वे बीस रूपए देकर कही भी हरियाणा रोडवेज की बस में जा सकते है। एक तरह से उनके लिए फ्री ट्रेवल कर दिया ह। मधुबन जो हरियाणा पुलिस कौम्पलक्स है वहां के कर्मचारियों को अर्बन अलाउन्स देने का सरकार ने फैसला किया है। रा ान के लिए सौ रूपया उनको दिया जाएगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे जो सरकारी मुलाजिम है उनके लिए भी हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने फराखदिली दिखाई है और ऐलान किया है कि जो भी फोर्थ पे कमी ान की रिकमन्डे ाज है उनको पहली अप्रैल, 1987 के बाद कै ा दिया जाएगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक हरियाणा के देहात में पीने के पानी की सुविधा देने का सवाल है, हरियाणा के अन्दर 6731 गांव है इनमें से 4200 गांवों में इस साल तक पानी की सुविधा पहुंच जाएगी। डिप्टी स्पीकरसाहब, 1990 तक हरियाणा में कोई ऐसा गांव नही रहेगा जहां पाननी की सुविधा न हो इस संबंध में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि प ाुओं के लिए भी पीने के पानी का इन्तजमा किया जाए। उनके लिए खेल बनाई जाएं इन

खेलों को चाहे सरकार बनाए या पंचायते बनपए लकिनये जरूर बननी चाहिएं देहात में यूं ही पानी चलता रहता हैं डिप्टी स्पीकर साहब, जहां टूटी का पानी पहुंच गया है वहां पर प ा अब जोहड़ का पानी नही पीते। पहाड़ों मे ंपानी के अन्दर आयोडीन होती है और मैदानों में बहुत जगह फलोराइड होती है उससे लोगों की हड्डियां कमजोर हो जाती है ओर आयेडीन की कमी से गिल्हड निकल आते है। अस्सी परसैन्ट बीमारिया पानी की खराबी के कारण होती है। इसलिए पानी का साफ होना जरूरी है। डिप्टी स्पीकर साहब, जहां सरकार देहात में पीने के पानी की सुविधा देने जा रही है वहां मै सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहता हूं कि देहात में औरतों के लिए लेटरीन्ज की बहुत जरूरत है। इनके न होने से औरतों को देहात में बहुत तकली है। इस पांच साला प्लान में देहातों में बोरहोल लैटरींज बनाने के लिए 10 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है सिसे वन–फोर्थ रूरल पालुले ान को इंडीविजुअल बोर होल लैट्रीनज बनाकर दे दी जाएंगी। जहां तक भाहरों का संबंध है, वहा ंपर वाटर वर्कस पहले से ही है। इसके साि साथ सवीरेज की स्कीमज भी बढ़ाई जा रह ीहै। स्लम एरियाज में स्लम क्लीरैन्स के लिय चहो वह देहात मतें है या भाहरों में है, खास कर बैकवर्ड क्लासिज के मोहल्लो और बस्तियों में, सफाई वगैरह का सरकार का काफी अच्छा प्रोग्राम है और इसे लिए हर जगह पर सरकार की ओर से दिल खोल कर पैसा दिया गया हैं जिला योना स्कीम इस साल से चालू की गयी है ओर इसके लिए 99 करोड रूपया रखा गया है। आ ाा है कि

सरकार इस साल के अन्त तक गन्दी बस्तियों के सुधार के लिये अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी। इस वर्श साढ़े पांच करोड रूपया चोधीर बंसी लाल जी नेरिलीज किया है जोकि हर जिले में जा चुका है और हिदायते भी जारी कर दी गयी है कि इस पैसे में से कम से कम 2.0 फीसदी हरिजन चौपालों पर लगाया जाएं चौधरी बंसी लाल जी ने पानीपत में यह घोशणा भी की है कि बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को भी चौपाले बनाने के लिए पैसा दिया जाएगा क्योंकि ये लोग भी गरीब है। आने वाले साल में 6 करोड़ रूपया डिस्ट्रिक्ट प्लानिग में इस स्कीम के लिये रखा गया है हालांकि और विभागों का काम उसी तरह से ही चलता रहेगा। यह तो ऐडी ानल पैसा होगा। 6 करोड़ में से साढे पांच करोड़ इस साल दिया जा चुका है अैर उसे बाद साढ़े 93 करोड़ रूपया बाकी है जो तीन सालों में हमने दिना हैं अगर हम इसी फार्मूले को चालू रखे कि 20 परसैन्ट पैसा हरिजनों और बैकर्व क्लासिज के लोगों को चौपालों के लिए देना है तो इस मद में 18 करोड़ रूपया दि ट्रक्ट प्लानिंग में से आएगा तथ इससे सारे हरियाणा के अन्दर एक रेवोल्यू ान की लहर सी आ जाएगी और यह लगेगा कि सरकार ने इता बड़ा कार्य किया हैं डिप्टी स्पीकर साहब, पावर्टी लाईन को हटाने के लिये हमने पिछले पांच सालों में लगभग 5 लाख लोगों को कई स्कीमज के तहत कवर किया है और इस साल में 4 लाख लोगों केा और कवर करने का इरादा है। श्री राजीव गांधी जी ने जींदउ में कहाथा कि किसी हैड आफ दी फैमिली को, मेल मैमबर को यदि कर्जा दिया गया हो तो वहां

हम औरत को भी कर्जा देगे। जरूरी हुआ तो दूसरी बार भी देगे यदि और जरूरी हुआ तो तीसरी बार भी देगे। इससे लोगों को काफी फायदा हुआ है ओर वे लोग जो दो–दो तीन–तीन व पांच–पांच रूपये सैकड़ा पर कर्जा लेते थे उनको सस्ती दरों पर पैसा मिला है, उनका आमदनी का साधन बना है और उनको काफी फायदा हुआ हैं

डिप्टी स्पीकर साहब, ऐजूके ान केबारें में भी हमारे प्राईम मिनिस्टर साहब ने नई ऐजूक ान पोलिस बनायी हैं। उस पर सारे भारत के अन्दर विचार विम र्श भी हुआ है और यह देखा गया कि इसके लिये बहत सारे धन की आव यकता है। लेकिन उन्होने कहा कि हम इसके लिये पैया देगे ओर हरियाण को खासकर पांच नवोदय स्कूल्ज ओर तीन सैन्ट्रल स्कूल्ज देगे। इन पर लगभग तीन करोड़ रूपया लगेगा और टेलैन्टिड लड़के कंपीटी ान से उन में दाखिला होगे। हर किस्म के गरीब–अमीर लड़के उनमे होगे। किसी ने ठीक ही कहा है–

"Equality standardised to pattern is against the law of nature as persons differ in capacities-physical, mental, moral and spritual."

हर वर्ग के बच्चे होि ायार होते है। उन्हे वि ोश पढ़ाई की आव यकता होती है। अच्छे टीचर्ज की आव यकता हाती हैं वैसे तो सबको आव यकता है लेकिन उन्हे ज्यादा आव यकता होती हैं वैसै तो सब को आव यकता है लेकिन उन्हे

ज्यदा आव यकता है। ज्यादातर लोग फ्री ऐजूके ान नही चाहते बल्कि अच्छी ऐजूके ान चाहत`है। हम आज के युग में देख रहे है कि गरीब से गरीब आदमी को 50 या 100 रूपये महीना देना पड़ता है और कई तो 100 से 200 रूपये तक महीना टीचर्ज को देते ह। फिर भी अच्छी ऐजूके ान चाहते है इसके साथ साथ, डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा के अन्दर म्यूजिक का अभाव है। मै समझता हूं हरियाणा के अन्छर अच्छे म्यूजिक की ऐजूक ान हेानी चाहिए। म्यूजिक की बड़ी जरूरत है सुर और ताल के बिना जीवन नही है क्योंकि किसी ने कहा है कि–

मेहतरानी होके रानी गुनगानाएगी जरूर,

कुछ भी जाए जवाबनी गुनगुनाएी जरूर।

इसी तरह से फिजिकल ऐजूके ान में योग की भी आव यकता है। इसके साथ–साथ मै यह भी कहना चाहत हूं कि हाई ओर हायर सैकडरी स्कूलों में तो पी0टी0 आईज0 है लेकिन फिर भी आज के दिन हरयिाणा मे ंडेढ हजार के करीब ट्रेडें पी0 टी0 आईज0 खाली फिर रहे है। इसलिए आव यकता है कि उनहे मिडल स्कूलों में ओर प्राईमरी स्कूलों में लगाया जाए। It is said that catch the boy young क्योंकि जिस ढंग से छोटे बच्चे योग आसन सीख सकते है उस ढंग से बड़े होकर नही सीख सकते। टेलैन्ट हमारे पास है लेकिन उसे ट्रेनिग की आव यकता है। इसी तरह से, डिप्टी स्पीकर साहब, बच्चों मं लाईब्रेरी में जाकर रीडिग

हैबिट डिवैल्प करने की भी आव यकता है। हमने जिलावार यह काम भाुरू किया है इसकी स्कूलों में बडी आव यकता है ताकि बच्चो में रीडिग हैबिट्स डिवल्प हो। पढ़ाई स्कूल कालेजों तक ही महदूद नही हैं आदमी अपनी अन्तिम लाईफ तक भी एक स्टूडैन्ट की तरह होत है। अभी लड़कियों की ि ाक्षा की हमारे पास की है। उसमें ड्रा–बैक्स है। अडल्ट ऐजूके ान में सरकार ने डबल टीचर्ज स्कीम चालू की है अब वहां दो–दो टीचर्ज होगे। अगर एक टीचर हो और वह या तो छुट्टी पर हो या फरलो मार जाए तो स्कूल में तो ताला लग जाएगा। इन बातों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने डबल टीचर्ज स्कीम चालू की है।

डिप्टी स्पीकर साहब, आर्थिक दृशिट से तीन सैक्टर्ज होते हैं प्राईमरी, सैकिण्डरी ओर ट ारी। प्राईमरी सैक्टर में ऐग्रीकल्चर, ऐनीमल हसबैन्डरी ओर फि ारीज वगैरह आते है। इस एक साल में 13.2 परसैन्ट की वृद्धि है। ट ारी सैक्टर में ट्रांसपोर्ट, ट्रेडज और कम्युनीके ान आते है और इसमें 14 परसैन्ट की वृद्धि है। यह सारे हरियाणा की प्राग्रैस को जारि करता है मुख्यमंत्री महोदय ने हरियाणा के 12वे जिले गुडगांवा में पब्लिक फंक ान किया और उगाहों को हमे ाा के लिए माफ कर दिया। उगाही लेने का मतलब यह था कि जमीन लोगों की नही थी बल्कि वे किराय पर बैठे थे अैर सरकार उसका किराया लेती थी। कोई ऐसा राजयभारत में नही जहां पर उगाही न ली जाती हो। पहले समय में राजा तो ऐसे थे कि जब पैदावार होती थी तो

उसके अधिकारी वहां आ बैठते थे और पैदावार का आधा हिस्सा भी लेते थे, तिहाई भी लेते थे, पांची, छठा और सतावां हिस्सा तक बंटवा लेते थे। अंग्रेजों ने भी लगान को बीघों के हिसाब से लिया था लेकिन आज हरियाणा राज्य सारे हिन्दुस्तान में ऐसा है जहां से हमे ाा के लिये उगाही को समाप्त कर दिया गयाहै। इसका सार श्रेय हमारे माननीय मुख्य मंत्री महोदय को जात है। यह तो राहत किसान को दी है, यह बड़ी भारी सहूलियत है। इसके साथ साथ 113 करोड रूपया खालों का माफ किया गय है अैरयह भी कहा गया है कि आगे के लिये ओर खाल बनायेगे इस तरह की सरकार की बड़ी अच्छी अच्छी स्कीम्ज है।

डिप्टी स्पीकर साहब, एक रिन्यूएबल ऐन्र्जी की स्कीम है। सूरज ही एनर्जी का सोर्स है। अगर जिन्दगी है तो वह सूरज के आधार पर हैं एक बायोगैा का सिस्टम हैं इसी तरह से सूरज की किरणों से बिजली पैदार करने की बात है। धीरे–धीरे यह सिस्टम चलेगा क्योकि इसमें कौस्ट ज्यादा आती है। आज के दस साल पहले कौस्ट दस गुना ज्यादा थी। ज्यों–ज्यों रिसर्च हो रही है कौस्ट कम होती जा रही है ओर वह भी समय आएगा जबकि कौस्ट बिल्कुल कम होगी। रिन्युएबल ऐनर्जी को अब जगह–जगह फैलाने की आव यकता है क्येां पैट्रोल, तेल तो केवल दुनिया में 50–60 साल तक का ही है। कोयला भारत में अढ़ाई सौ साल का है। आयल भी खत्म हो जाएगा लेकिन बिजली ओर रिन्यूएबल ऐनर्जी के आधार पर ही सारा काम चलेगा।

इसी तरह से, डिप्टी स्पीकर साहब, ऐग्रीकलचर ओर ऐनीमल के बोरं में भी मै कुछ कहना चाहूंगा। पहले हम एक लाख टन गेहूं सैन्टर से लेते थे और आज की तारीख में 35 लाख टन गेहूं और चावल सैन्ट्रल पूल में देते है। हमारे पास मंडियों में रखने के लिये जगह नही है। और बहुत सारा गेहू ओपन स्पेस में भी पड़ा हैं हमारा कुरूक्षेत्र ओर करनाल का इलाका काफी प्रोडक्टिव हैं पहले हम देखते थे कि पेहवा और लाड़वा जैसी मंडियों में किसानों को अन्दर जोन की जगह नही होती थी। बेचारे तीन–तीन घंटे तक जुओं पर ही बैठे रहते थे लेकिन आज जो प्रोग्रेस हुई है, वह आप सब के सामने है। जगह जगह मंडियां बनी है, पक्के प्लेटफार्म बने है, गोदाम बने है, टयूब लाईट्स लगी है पीली लाईट्स है, सफेद लाईट्स है, कैटल भौडज बने और फार्मर्ज के लिये रैस्ट हाउसिज बने हैं यह सब कुछ इसी राज की देन है ओर यह सारा सिस्टम चौधरी बंसी ला जी ने ही आरम्भ किया है।

डिप्टी स्पीकर साहब, एग्रीकल्चर में कौटन की हमारी पर–एकड़ यील्ड कन्ट्री में हाइएस्ट है लेकिन गन्ने में अभी कमी हैं गन्ने के उत्पादन में महाराश्ट्र ओर मद्रास हमारे से आगे है। हमें इसमें एम्प्रवमैंट की जरूरत है। अभी गन्ने की नई वैराइटी कायोम्बटूर से लाकर उगाई जा रही है। हमें उम्मीद है कि उस वैराइटी से हम भी आनी प्रोडक ान को बढ़ा सकेगे। यह सारा काम तभ पौसीबल होगा जब हमारे पास नहरों का, माइनर्ज और

लाइनिग करने से पानी ज्यादा मात्रा मे अवेलेबल हेाग। हमें जमीन से ज्यादा से ज्यादा पानी लिकालना होगा लकिन जमीन के पानी की भी कोई हद होती हैं सारे हरियाणा में 8 मिलियन एकड़ आंडर ग्राउंड वाटर हैं जिसमेंसे हम 6 मिलयिन एकड़ पानी यूटिलाइज कर चुके है। इसलिये इसका भी सैचुरे ान प्वायंट आ चुका है। करनाल ओर कुरूक्षेत्र में जहां पानी अच्छा है वहां हम देख रहे है कि दो–तीन एकड़ के पीछे एक टयूबवैल आ चुका हैं इससे ज्यादा टयूबवैल लगाने की वहां क्षमता नही हैं यह ठीक है कि बारि ा की वजह से पानी री–चार्ज होता रहता है लेकिन इससे आगे गुंजाय ा नही है। हमें दालों और तिलहनों की भी जरूरत है क्योंकि दालों में प्रोटीन होता है। इस तरहफ भी सरकार कोि ा ा कर रही है कि किसानों को इधर भी रूझान हो। जहां तक स्पोर्ट प्राइस की बात है यह हमारी केन्द्रीय सरकार ने श्रीमती इन्दिरा गांधी के टाइम पर भाुरू की थी। अगर स्पोर्ट प्राइस न हो तो हमें गेहूं की इतनी कीमत नही मिल सकती। स्पोर्ट प्राइस काम मतलब यह है कि अगर इससे या इससे ऊपर कोई नही खरीदनता तो उसे गवर्नमैट खरीदेगी। इस बार जीरी का भाव इतना बढ गया था कि न तो इसे एफ0 सी0 आई0 ले सकी और नही हैफेड ले सकी। जितनी हमारी कोर्स ग्रेन की वरइटी है उनक लिएभी सरकार ने स्पोर्ट प्राइस फिक्स की है। जहां तक दवाइयों का ताल्लुक है, अगर किसी दवाई की कमी है तो उस पर सबसिडी नही दी जान चाहिए। अगर आप उस पर सबसिडी देगे तो उसमें कप्शन जरूर होगी। ऐसा नोटिस में अया है कि

खरपतवार ना ाक दवाई की कमी थी, इस पर सबसिडी दी गई थी जिस वजह से काफी क्रप ान हुई। इसलिये दवाई उतनी जरूरी होनी चाहिए जिससे सभी का काम चल सके। ऐनीमल हैसबैडरी के लिए गवर्नमैंट आफ इंडिया ने लक्ष्य निर्धारित किया है कि 1990 में दस पांच हजार की कैटल पापलुले ान पर एक वैटनरी सर्जन देगे ओर 2000 ए0डी0 में पांच हजार की कैटल पापुले ान पर एक सर्जन देगे। इस तरह से हमारेयहां सफेद क्राान्ति आई है। लेकिन अभी हमरे यहां उतनी यील्ट नही है जितनी यील्ड इजरायल, नीदरलैड़, हालैड, डेनमार्क, जापान और स्वीडन में है। इन दे ाों की यील्ड के मुकाबिले में अभी हम बहुत पीछे है। इसके लिए हमें जरूरत है कि क्रौस ब्रीडिग के जरिए इस यील्ड को बढ़ाए। हमारे यहां फि ारीज की डिवैल्पमैट के लिए प्लानिग कमी ान जोर दे रहा है। हमारे यहा वैजिटेरियन लोग ज्याद है जो इसको `पसन्द नही करते। लकिन फिर भी फि ारीज को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है। आज हमें नीली क्राांति की भी जरूरत हैं आपकेा मालूम है कि समुद्र में कितनी मछली रहती है हालांकि उसका पानी साल्टि ा होता है इस हिसाब से हरियाणा में मछली का उत्पादन ज्यादा हो सकता है मेवात में कुछ मछली उत्पादकों ने एक एकड़ पर एक लाख रूपया मछली के उत्पादन से लिया है। इसलिण फि ारीज की और ज्यादा ऐक्सपै ान की जरूरत है। जब 1978 में बहुत फ्लड आ गया था तो उस समय के मुख्य मंत्री श्री देसाई साहिब ने मीटिग करके साहिबी नदी की स्कीम बनाई थी जिस पर सारा पैसा हरियाणा लगा था। साहबी

नदी पर मसानी बैराज का सिर्फ गेटों का काम बाकी रहत है अगर वह मुकम्मल हो जाए ो उससे अगला इाका बच सकता है साथ ही जो पानी होगा वह इरीगे ान के लिए इस्तेमाल हा सकता है। ड्रैनेज से हारा 16 लाख हैक्टेयर का इलाका फ्लड से सेव हुआ है। हम खुद देखते है कि कैथल के आस पास जो सदन कुरूक्षेत्र का हिस्सा है इसमें 1968–69 में बहुत फ्लड आया था। तीन तीन फुट तक पानी खड़ा था और कैथल जाने के लिए कोई रास्ता नही था। अब इन ड्रैनों से बहुत फायदा हुआ है। मेवात मे गोन्छी ड्रेन है और उजीना डाइव ान ड्रेन है। चालीस करोड़ रूपया एक ड्रेन पर लगा है। इस तरह से हरियाणा के बहुत से हिस्सों को हमन ड्रेनेज सिस्टम से बचाया है। आजादी से पहले जमना में बहुत बाढ़ आती थी और खादर का पूरा इलाका डूब जाता था। जमना के किनारों पर बांध बांध कर इस इलाके को बाढ़ से बचाया गया। फिरभी अभी अम्बाला के इलाकों मे और बांधो की जरूरत है लेकिन ज्यादातर हिस्सा कवर हो चुका है। हम देखे है कि बांध क अन्दर जमीन की कुछ कीमत हजै ओर उसक बाहर की जमीन की कीमत उससे चार गुना है। यह सारी डिवैल्पमैट की नि ाानी है। चौधरी बंसी लाल को डिवैल्पमैट का भाौक है। उन्होने हर गांव में बिजली पहुंचाई हर गांव की सड़क के साथ जोड़ा। हर गांव को पीने का पानी दिया, हर खेत को पानी दिया। यह कोई छोटी बात नही है। ये सारे डिवैल्पमैंट के ही काम है। किसी ने कहा है–

गुलाबी में ना काम आती है तदवरी न भाम ीरे,

जो हो जोकि यकी पैदा, तो कट जाती है जंजीरे।

जब आदमी दृढ वि वास से काम करे तेा उसके लिए कोई भी काम मु ाकल नही होत है। घोड़ा भी अपने सवाल को पहचान लेता है कि यह कैसा सवार है। जैसा भाासक हेा उसके मुताबिक ही अफसर बदल जाते है। किसी ने कहा है–

बड़ी मुदद्त में साफी भेजता है ऐसा मस्ताना,

बदल देता है जो बिगड़ा हुआ दस्तूरे महखाना।

बिगड़े हुए सिस्टम को बदलना यह ऐडमिनिस्टे ान की बात है, पक्क इराद की बात है। चौधरी साहब हरियाणा की पहले ही बहुत आगे ले गए है लेकिन इनका इरादा हरियाणा को और भी आगे ले जाने का है। इसी तरह से हैलि की बात है कि सी भी आदमी की सेहत पौश्टिक आहार मिलने से ही बनती है। लकिन फिरभी सरकार ने स्कीम बनाई है कि हर पांचा हजार की आबादी के ऊपर एक सब–हैल्थ सैंटर हेागा तीस हजार की आबादी पर एक प्राइमरी हैल्थ सैंटर होग, जहां कई डाकटर्जहोगै जिनकी अलग अलग सपै ालाइजे ान हेागी। इसके अलावा चार पी0 एच0 सीज0 के ऊपर यानी लगभग सवा लाख की आबादी के ऊपर एक कम्यूनिटी सैंटर होगा एक कम्यूनिपटी सैंटर की अगर नई बिल्डिग बनाई जाए तो उस पर 50 लख रूपए से कम खर्चा नही आता है इसमें औरतों के लिए और बच्चों ` लिए तथा आम

लोगों के लिए तरह तरह की सुविधाएं होगी। आज हमारे यहां आयुवैदिक सिस्टम कोभी डिवैल्प करने की जरूरत है। इसलिए हमारी सरकार 100 आयुवैदिक हस्तपाल खोल रही है। हर साल 20 हस्पताल खोले जाएंगे। जितनी हमारी पी0 एव0 सीज0 है उनमें भी एक–एक आयुवैदिक का डाक्टर देगे ताकि सस्ती दवाई का जो सिस्टम है, जो हमें ठीक सूट करत है यह भी ठीक तरह से चल सके। इसमें भूगर मिलों की भी बात आई हैं मै चाहता हूं कि इसपर जल्दी कार्यवाही की जाए।इस बारमें में गवर्नमैट आफ इंडिया को कागज पत्र भेज रखे है। उनकी पैरवी करके इनकें जल्दी चालू करवाया जाए। गन्ना एक ऐसी फसल हजै कि कही पर फ्लड भी आ जाए तो मरता नही हैं आजकल सरकार गन्ने का भाव भी अच्छादे रही ळ। जना पार्टी के राज में तो इसका भाव आढ़ाई–तीन या चाररूपये से आग्र नही सरका था चाहे अब वे कहने को तो कुछ भी कहते रहें। कांग्रेस सरार ने हमे ाा किसानों के हितों का ख्चाल रखा है और पूरी तरह से ठीक भाव दिए है। छोटी छोटी चीजों को आप देखे तो उनमें भी बहुत सारे फायदे होत है। समोकलैस चूल्हे की बात को आप देख ले। जो औरते चूल्हों के अन्दर फूंक मार मार कर धुए से आपनी आखे फोड़ लेती थी औरअपनी आंखे खराब कर लेती थी या और दूसरी बीमारियों मोल ले लेती थ्झी, उनका इनका समोकलैस चूल्हों के प्रयोग होने के बाद पीछा छूट गया है। समोकलैस चूल्हों को जो सिस्टम चलाया गया है, उसका बहुत बड़ा फायदा हुआ हैं इसके अन्दर कार्बन पूरी तरह से जल जाती है। और धूंआ नही आता

और दूसरे इन चूल्हों की एनर्जी भी जयादा होती हैं करनाल के पास एक तेल भाोधक कारखाना 15000 करोड़ रूपये की लागत से लगाया जा रह है यह कारखाना पानीपत के साथ बोहली गांव में लगाया जा रहा है। इस कारखाने के चालू हो जाने के बाद करीब 20 हाजर आदमियों को रोजगार मिलेगा ओर इससे गैस के सिन्लेडर को भरने की भी सहुलियत हो सकेगी। यह एक बहुत बड़ा प्राजैक्ट हरियाणा के लिए है। इसी प्रकार से पंचकूला में भी एक 21 करोड़ रूप्ये की लागत से दूर संचार परियोजना भारत इलैक्ट्रौनिक्स लिमिटिड द्वारा स्थापित की जा रही है। दिल्ली के तीन तरफ हमारा हरियाणा लगता है। इसलिए भी हमें इण्डस्ट्रीज के मामले में खास साहूलियत है। यहां पर तो सिर्फ बिजली की कमी है। अगर यहां पर बिजली की कमी नह हो ततो हरियाणा में इतनी इण्डस्ट्रीज लग सकती है। जिनका कोई अन्दाजा नही हो सकेगा। बिजली की कमी को दूर करनेके लिए सरकार अपनी तरफ से पूरी पूरी कोि ा ा कर रही है। व्यापारियों को भी सरकार ने काफी सुविधाए प्रदान की हैं जो उन पर रेड्ज पड़ते थे, उनको भी अब बंद कर दिया है। इसके अलावा उनकों जो एस0 टी0 फार्म 13, 14 व 15 भरने पड़ते थे, उनका भरना भी समाप्त कर दिया है। इससे भी व्यापारियों को काफी राहत पहुंची है। सरकार ने नई इंडस्ट्री के लिए सेल्ज टैक्स में 5 से 9 परसैन्ट तक का जो डैफरमेंट का डिसिजन लिया है, इसमें भी काफी सहूलियत होगी। देहात के अन्दर भी खासतौर पर बैक्वर्ड एरिया के अन्दर सरकार ने बहुत सारी सुविधाए इंडस्ट्री लगाने के लिए सरकार द्वारा

प्रोत्साहन दिया जा रहा है और अब 20 प्रति ात प्लाट उनके लिए सुरक्षित रखे गए है ताकि जो धन वे कमा कर लाये है उसका सदुपयोग यहां पर इंडस्ट्री लगा कर कर सकें। इसी प्रकार से सरकार ने चूंगी में छूट दी है। आज के दिन हरियाणा इंडस्ट्री में अधिक तरक्की करता जा रहा हैं पहले हरियाणा से सिर्फ साढ़े चार करोड़ रूपये का माल ऐक्सवोर्ट हुआ करता था जो आज बढ़ कर 200 करोड़ रूये तक पहुंच चुका है। पानीपत का हैण्डलूम दुनिया भर में म ाहूर है। पानी के हैडलूम का मुकाबलाक कोई नही कर पाया है। वहां के हैण्डलूम की इण्डीस्ट्रीज ने कलर ओर डिजाई न में बडद्यी भारी प्रोग्रैस की है। राज्यपाल महोदय का जो ऐडैस है यह हरियाणा की मुंह बोलती तस्वीर है।

खेलों का जहां तक सवाल है, इसके लिए भी हमने बहत सी स्कीमें बनाई है। हमने अपने खिलाडियों को जन्होने दुनिया में नाम कमाया है या एि ायाड के खेलों में नाम पैदा किया है उनको इनाम दिया गया है। अभी सिचोल में हामरी बालीबाल की टीम जती कर आई। यहबड़ी सराहनीय गात है हालांक हिन्दुस्तान में हम देखते है कि ओलम्पिक क`पैमाने के खिलाडी यहां के नही है। यह बात भी ठीक है कि यहां की आबो–हवा गर्म है। ठण्डे दे ाों के लोगों मतै स्टैमिना ज्यादा हेाता है। लेकिन फिर भी ट्रेनिग से या अभया के जारएि सब कुछसंभव हो सकता है। हम यह देखते है कि हमारे पास टैलेन्ट है। इसलिए स्पोर्टस के लिए उस टेलेन्ट को सरकार यूटीाइज

करेगी। गावों के अन्दर भी सरकार खेलों के छोट छोटे मैदान बनायेगी। डिप्टी स्पीकर साहब, डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टज पर खेलों के मैदानों का काम भाुरू कर दिया गया है और लगभग सारे जिलों को जल्दी कवर कर देगे। हमने अपनी खिलाड़ियों को राज्यपाल महोदय स्वयं ईनाम देते है। फरीदाबाद मे ंअन्तर्राश्ट्रीय स्तर का क्रिकेट का स्टेडियम बनाया जा रहा है।

डिप्टी स्पीकर साहब, आप भी इस बात से सहमत होगे कि हमारे यहां पर टूरिज्म का कोई स्कोप नही थां यहां के जितने भी टाूरिज्म स्पौट है वे दिल्ली के साथ ळै या फिर वे ने ालन हाईवेज पर है। ये सब कामयाब है और इनमें बड़ा भारी मुनाफा कमाया जा रहा हैं

सेठ श्रीकि ान दास जी द्वारा हुड्डा के छोटे छोटे 100–100 गज के और 50–50 गज के प्लाटस काट कर गरीब लोगों को दिए जा रहे है ऐसे कोई 10–12 हजार प्लाटस दिए जा रहे जिनसे गरीब आदमियों को इन प्लाटों से बड़ी भारी सहूलियत होगी।

चौधरी बंसी लाल जी ने बतौर यूनियन ट्रास्पोर्ट मिनिस्टर हरियाणा का ख्याल रखा रेलवे मिनिस्टरहोते हुएभी यहां का ख्याला रखा। उन्होने अपने समय में एकता ऐक्सप्रैस एक गाड़ी चलाई जै जो 6–7 जिलों को कवर करती है। खासतौर से इन्होने बतौर ट्रांस्पो मिनिस्टर पलवल में जमुना पुन के बनाने क लिए

साढे छः करोड़ रूपये रखे थे। करीब सात करोड़ रूपये की लागत से करनाल मेरठ रोड पर बनने वाल पुल को स्टोन अभी पिछले दिनों हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने यू0पी0 के चीफ मिनिस्टर श्री वीर बहादुर सिंह के साथ रेखा है यह पुल तीन साल के रिकार्ड टाईम में बन कर तैयार होगा। इसी प्रकार से एक और पुल यमुना नगर तथा सावलपुर के बची में करीब सात करोड़द्य रूपये की लागत से बनेगा। फरीदाबाद जिले में भी एक पैन्टून ब्रिज बन चुका है। सोनीपत से बहालगढ़ होते हुए जो सड़का बागपत को जाती है। उस परएक पुल अन्डश्र कन्स्ट्रक ान है। इसी तरह से जी०टी० रोड़ पर बड़ा भारी ट्रैफिक बढ़ गया हैं हिन्दुस्तान में सबसे अधिक ट्रैफिक करनाल और दिल्ली के बची जो जी० टी० रोड़ है इस पर है। इस रोड को फोर लेन करके चौड़ा करने का काम भी इन्होने बतौर ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर के 40 करोड़ रूपये स्वीकृत करके, किया थ। मुरथल से दिल्ली तक फोरलेन का काम कम्पलीट हो चुका है। अब मुरथल से करनाल तक का काम चालू हो चुका है ओर करनाल से हरियाणा की हद तक के ऐस्टिमेटस 62 करोड़ रूपयके भेज दिये गए है रेवले के पुल 18 जगहों पर बनाने की योजना है। तीन पुलों का काम भिवानी, कुरूक्षेत्र और करनाल में अन्डर कन्स्ट्रक ान है इनके अलावा, तीन आगे पाईप लाईन में हैं कोई अन्दाजा जगा सकता है कि अम्बाला जिले में कितने पुल बने है। और पुलों के बनने से पहले वहां की क्या हालत थी। जितने भी नाले है वे सारे के सारे अम्बाला जिले से गुजरते है। इन पुलों के बनने से पहले एक भाहर यादेहात से

दूसरे भाहर या देहात में भी पूरी तरह से जाया नही जा सकता था। वहां पर जितन`पुल बने है और जितने काम हुए है, यह यारी पग्रति की नि ाानी है। वे सारे काम रिकार्ड टाईम में हुए है। जब हमने यह महसूस किया कि चण्डीगढ आने मतें पंजाब की हद से होकर आना पड़ता है ता रिकार्ड टाईम में 6 महीने के अन्दर अन्दर स्टेट हाईवे बना दिया गया। इसके साथ साथ इस हाई वे के लिए घग्गर का जो पुल बनाया गया वह भी 6 महीने में ही बन कर तैयार हो गयाथा। यह एक बड़ा भारी काम था, जो एक निर्धारित समय में किया गया था।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसी प्रकार से चहुमुखी प्रगति हरियाणा ने तीर्थ स्थानों की की है। चीफ मिनिस्टर साह, पीछे राद्दौर के जलसे में गए थे। इन्होने सुबह सुबर ब्रह्म–सरोवर और ज्योतिसर का विजिट किय। जब इन्होने वहां की हाल तदेखी तो कहा कि इसके ठीक रकन के लिये जितन `भी पैसे की आव यकता हेा, उसका ऐस्टिमेटस बना कर भेज देा। इन्होने ये आर्डर औन दा स्पोट ही दिए थे। उसका ऐस्टिमेटस बना कर अब भेज दिया गया है ओर काम भाुरू हो गया है। कुरूक्षेत्र के अन्दर सार न्दिुस्तान से तीर्थ स्थानों की थी, वह अब बदल चुकी है। इसी प्रकार से ब्रह्म–सरोवर का जो यूनिवसिटी साइड था उसकी मेन्टेनैन्स का काम भी 5 करोड़ रूपये की लागत से अन्डर कन्स्ट्रक ान है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जितने पैसे की आव यकता उस तीर्थ स्थान को सुन्दर बनानले की थी वह

इन्होने दे दिए है। इनके नोटिस में ला गया कि यूनिवसिटी के सामने सड़क बढ़िया होनी चाहिए, फोर लेन होनी चाहिए और उस पर पटड़िया होनी चाहिए। जो भी दिक्कत इनके नोटिस में लाई गई, उन सब को दूर किया जा रहा है। बड़ी भारी दिलचस्पी इन्होने वहां की सुन्दरता के लिए दिखाई है। इस बात के लिए हम चीफ मिनिस्टर साहब के धन्यवादी है। इसी प्रकार से हम देख रहे हहै कि चाहे फलगू का तीर्थ है या पेहवा का तीर्थ है, जितने भी हमारे तीर्थ है, उन सबको सुन्दर बनाया जा रहा है। अन्त में डिप्टी स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय ने जो अपना अभिभाशण हाउस मे पढ़ा है, उसके लिए धन्यवाद करत हुए मै अपना स्थान लेता हूं।

श्री उपाध्यक्षः अब चौधरी कंवल सिंह एम0 एल0 ए0 मो ान की सैकिण्ड करेगे।

श्री केवल सिंह (घिराये): उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी ई वर सिह जी ने जो राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के लिए धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है, मै उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। आपको पता है कि 1966 में हरियाणा प्रांत पंजाब में से निकाला गया था। यहां के बहुत से लोगों की यह इच्छा नही थी हम पंजाब से अलग हो। हमारी पंजाबी भाई भाायदयह समझते थे कि वे बड़े तरक्कीयाफता है, हरियाणा के लोग निटठले है वे तरक्की नही कर सकते और हम भाायद उनके टुकडो पर पल रहे है। अब के जो हालात हुए है उनसे यह साबित हो गया कि हम

उनके टुकड़े पर नही पल रहे थे बल्कि ये वे लोग थे जिन्होने हमारे इलाके को ऐक्सप्लायट करके अपने इलाके की तरक्की की। सरदार प्रताप सिं एक समय में वहां के मुख्य मंत्री होते थे सरहाल उनकी कांस्टियुऐसी थी। उस कांस्टिचुऐंसी को उस समय में भी उन्होने अमेरिका के बाराब डिवैल्पमैंट कर दिया था । सिर्फ उसी कांस्टिचुऐंसी की बात नही सारे पंजाब की डिवैल्पमैंट उन्होने की क्योंकि जितना डिवैल्पमैंट का पैसा होता है था उसका 90 प्रति ात उस इलाके में खर्च था। हमारे पोलिटिकल लोगों में या तो डिविजन थी या वे अपोजि ान साईड में थे। उस समय सारे मुख्य मंत्री चाहे वे डा0 भार्गव थे, भीम सिंह सच्चर थे, प्रताप सिंह कैरों थे या रामकि ान जी थे, वे उस इलाके से ही बने और इस इलाके के सथ दुर्व्यवहार होता रहा। नवम्बर, 1966 में हरियाणा बना। उस इलाके से ही बने ओर इस इलाके के साथ दुव्यर्ववहार होता रहा। नवम्बर, 1966 में हरियाणा बना। उस समय उन लोगों का यह विचार था कि हरियाणा के पास अपने कर्मचरियों को देने के लिये तनख्वाह नही होगी लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, आप देखते है कि हरियणा ने इस दे ज्ञ मे ंएक मिसाल कायम कर दी। दूसरे मुल्कों को अगर हम देखे तो वे हमारे से बहुत आगे है लेकिन इस प्रांत की तरक्की के बोरं में हम रैलेटिव टर्म में ही कहेगे।

हिन्दूस्तान के दूसरे प्रांतों से यदि हम हरियाणा की डिवैल्पमैट को कम्पेयर करें तो आज हरियाणा 2 नवम्बर नही बल्कि 1 नम्बर पर है। पंजाब हमारे से कुछ आग्र है क्योंकि वह

हमारा हक मार कर बैठा है। आज भी वह हमारा हक खा रहा है। अगर वह हमारा हम दे दे तो हमारे प्रांत की और भी ज्यादातरक्की हा सकती है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप भी एक किसान है और आप जातने है कि पानी हरियाणा की तरक्की का सबसे बड़ा कारण हुआ है। भाखड़ा डैम से सतलुज रिवर का हमारे हिस्से का ज्यादातरपानी हिसार ओर सिरसा के लिए गया जिसकी वजि से इस इलाके की कायाकल्प की थी। नहर का पानी इस इलाके में गया, किसानों ने मेहनत की, उपज बढ़ाई किसानों की अच्छी हालत हुई, व्यापार बढ़ा और इंडस्ट्रीज लगी। उपाध्यक्ष महोदय, यह एक साईकिल है। जिसके चलने से सारे प्रांत की तरक्की हुई। इसके साथ साथ हमारा यह सौभाग्य था कि उस वक हमें एक ऐसे मुख्य मंत्री मिले जिनकी रूचि तरक्की के काम करने में थी सन् 1968 से 1975 तक इस प्रांत की बागडोरचौधरी बंसी लाल जी के हाथ में ही थी और इस बात को सब मानते है, इनके विरोधी भी मानते है कि उस समय हरियाणा मे ंपोलिटिकल स्टेबिलिटी रही ओर हरियाणा ने हर किस्म की तरक्की की। उस समय डिवैल्पमैट के कार्य कार्य जितने हरियाणा में हुए उतनी हिन्दुस्तान की किसी और स्टेट मे ंनही हुए। तरक्की के हिसाब से हिन्दुसतान की स्टेटस में हामर 11वा नम्बर था लेकिन चौधीर बसी लाल जी की रहुनमाई में जो कमा हुआ उसकी वहज से हम नम्बर 2 पर आ गए। उपाध्यक्ष महोदय, अगर तरक्की इसी तरह चलती रही, जिसकी मुझे उम्मीद है कि चलती रहेगी क्योंकि हमारे प्रांत के लोग मेहनती है अज़ैर भाांतिप्रिय है मुण्े पूरा वि वास है कि

आनेवालेसमय में हम नं0 1 पर ही नही बल्कि दूसरी स्टेटस से बहुत आगे निकल जाएंगे और इस दे ा की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगे।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने देखा कि पिछले 4–5 सालों से हमारे पड़ोसी राज्य में ला एन्ड आर्डर की बहुत बुरी हालत रही है। इसमें विदे ाी ताकतों का भी बहत हाथ रहा है। क्यों आप जानते है कि दु मन अपना रोल अदा करता हो है लेकिन हमने देखना है अैर प्रयत्न करनाहै कि कोई भी विदे ाी ताकत हमें कमजोर न करने पाए ओर जो लोग उनके बहकावे में आए हुए है तथा रिलिजियस फैनेटिसिज्म में वि वास रखकर गलत काम कर रहे है उनका हमने मुकाबला करना हैं वैसे तो कांग्रेस पार्टी की हमे ाा यह नीति रही है कि सभी वर्गो को साथ लकरचला जाए लेकिन चौधरी बंसी लाल जी ने मुख्य मंत्री बनने के बाद वि ोशकर माइन्योरिटी कम्यूनिटी को यह आ वासन दिया है कि हरियाणा में सिख भाईयों के जान माल को कोई खतरा नही होगा। एक टैरोरिस्ट ने रतिया भाहर मे किसी आदमी का मर्डर किय था लेकिन एक महीने के अन्दर वह पकड़ा गया और उसे सजा भी हुई। इसके बाद किसी उग्रवादी की हरियाणा में घुसकर भारारत करने की हिम्मत नही हुई। दुर्भारू की बात है कि आप पर भी गलतफहमी से हमला हुअइा लेकिन उस इंसिटैन्ट की भी पूरी तरह से छानबीन हुई और कई ठोस कदम उठाए गए। परिणाम यह हैि क हआज किसी उग्रवादी की हिम्मत नही कि वह हरियाणा

में किसी किस्म का दंगा फिसाद करने की कोि ा ा करें, गलत बात करके फायदा उठा ले या ला एंड आर्डर को भंग रके।

उपाध्यक्ष महोदय, मै थोडी देर पहले पानी का जिक्र कर रहा था। पानी इस प्रां के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सतलुज रिवर का पानी तीन जिलों में पहुंचा। व्यास और ाावी के पानी का झगड़ा जो काफी देर से चल रहा था वह भी अब हल हो जाएगा। कमी ान ने जो रिपोर्ट सबमिट की है। उसमें हरियाणा के हित सुरक्षित है लेकिन इस पानी को लाने के लिए जो नहर बननी है वह 15 अगस्त 1986 तक बन जानी चाहिए थी यदि पंजाब के भाई अकौर्ड को इम्पलीलमैट करते। दुर्भाग्य से इस दि ाा में प्रगति नही हुई। बरनाला साहब की नीयत पर हम डाउट नही कर सकते। वे तो इसे बनवाने की कोि ा ा कर रहे है लेकिन पंजाब की स्थिति ऐसी है। जिसमें इसे बनवाना बरनाला साहब के व ा की बात नही है। जिस गति से यह काम चलना चाहिए था वह नही चल रहा है इसीलिए हमारी सरकार का यह प्रयत्न रहा है कि नहर के बनाने का काम सैन्टर अपने हाथ में ले ताकि सुचारू रूप से काम चल सके। काफी समय निकल गया है। लेकिन अब भी यदि नहर बन कर तैयार हो जाए और हमारे हिस्से का पानी हमे मिल जाए तो वह पानी महेन्द्रगढ और भिवानी के सूखे इलाके में पहुंचेगा और वह भी हरियाणा की तरक्की में अपना योगदान दे सकेगा। सरकार के इस कदम की सैन्टर इस नहर को बनवाए हाउस को सराहना करनी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, लोगो ंको पूरा

वि वास है कि यह सरकार इस नहर को जल्दी बनवाएगी। पिछले चार पांच महीनों में जो पब्लिक मीटिग्ज हुई है। उनसे भी यह जाहिरहोता है कि लोगों को चौधरी बंसी लाल जी की कथीन मे ंपूरा वि वास है । वे जानते है कि इनकी जो कथनी होती है वही इनकी करनी होती है। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे प्रदे ा का यह बड़ा दुर्भाय है। कि विपक्ष में एक ऐसा आदमी है जो प्रजातन्त्र मे ंवि वास नही रखता। कांग्रेस पार्टी ने जब अपनी पब्लिक मीटिग्ज करनी भुरू की तो उन्होने कहना भुरू कर दिया कि हम मीटिग्ज नही करने देगे, मीटिग्ज को डिस्टर्ब करेगे और इसकी जींद में डनहोने कोि ा ा भी की। जब रोहतक में कांग्रेस की मीटिग होनी तय हुई तो उनहोन कहा कि हम रोहतक में पैरेलल मीटिग करेगे। क्या रोहतक मे ंउसी दिन मीटिग करना जरूरी था? यह मीटिग वे कही और भी कर सकते थे। अगर रोहतक में ही मीटिग करनी थी तो किसी और दिन कर सकते थे। लेकिन वे तो चाहते है कि किसी दूसरी पार्टी को अपने विचार न रखने दिए जाएं और हुल्ड़बाजी तथा गुन्डागर्दी प्रांत में फैल जाएं आपको याद होगी कि जब सन् 1982 में वे चुन कर आये तो उस समय मै भी लोकदल में थ। वे उस समय पार्टी के नेता थे। जब इलैक ान हुआ तो उस समय वे हुए थे कि किस को जीताना है और किस को हराना है। बाद में किसी को कही संरक्षण दिया तो किसी को कही दिया। उपाध्यक्ष महोदय, आपकें यह भीयद होगा कि जब 23 मई, 1982 को श्री भजन लाल जी को ओथ दिलायी गइ तो 24 तारीख को गवर्नर साहब के साथ उनकी हाथपापयी हुई। गवर्नर साहब से

हाथा पायी होना, कितनी गलत बात है गवर्नर साहब के साथ कु ती करना किस ने बताया था? क्या गवर्नर साहब के दुर्व्यवहार से उनको राज मिल जाता? ऐसे किसी को राज नही मिलता है। जब गवर्नर साहब ने एक महीने का टाईम दे दिया तो यह बात करने की क्या जरूरत थी? जब उन्हो रीाज नही मिला तो उन्होने लोगों को कहा कि ट्रैक्टर्ज की ट्रौलियों में डले भर कर ले आओं ताकि वहां पर बरसा सके। इन बातें से उन्हे राज नही मिल सकता था। राज वोटों से मिलता है, इन बातों से नही मिलता। उनहे अपनी ताकत को किसी अच्दे काम मं लगाना चाहिए। जब उन्हो बहुमत नही मिल पाया तो नकली बहुमत से लागों को क्या भड़का रहे है? वे लागों को अपने साथ नही ले सके इसलिये चीफ मिनिस्टर भी नही बन सके। बड़े अफसोस की बात है कि वे लोगों को गलत ढंग से भड़का रहे है।

उपाध्यक्ष महोदय, जब सन 1981 में पार्लियामेंट का चुनाव हो रहा था तो उस टाईम पर चौधरी चरण सिंह के साथ इनका झगड़ा हे गया था और वे अलग से चुनाव लड़ रहे थे। उस टाईम पर जब गोहाना के अन्दर एक पब्लिक मीटिग हो रही थी उसमें किसी नके कहा कि अब हमारे भूतपूर्व मुख्य मंत्री जी बोलेगे लेकिन उन्होने कहा कि मुझे भूतपूर्व मुख्य मंत्री क्यो कहते हो, मुझे ताक आप भावी मुख्य मंत्री कहे। अब आप यह बताये कि उस समय कोई असैम्बली का चुना नही था, कोई बाई इलैक ान नही था उस समय यह कहना मि मुझ भावी मुख्य मंत्री कहा जाये, कौन

सी अकी की बात थीत्र वे कहते है कि जब मै मुख्य मंत्री बन जाऊंगा तो छः महीने में प्रांत की प्रगति कर दूंगा। वे दो साल तक इस प्रांत के मुख्य मंत्री रहे लेकिन उस समय में कोई प्रगति नही करा सके। वे तो सन्टिक इंजन की तरह से है। सन्टिग इंजन गाड़ी के डिब्बे को इधर उधर लगा सकता है लेकिन उन्हे डेस्टिने ान तक नही पहुंचा सकता। यह काम तो चोधरी बंसी ला जी ही कर सकते है। वे अपना सही रास्ता जानते है। उनहोने इस प्रांत की सात–आठ साल पहले सेवा करके काफी प्रगति की थी और जून, 1986 से फिर वे काम करने में लगे हुए है। मुझे पूरा वि वास है कि इनके हाथों में स्टेट की बागडज्ञैर आने के बाद सभी वर्गो के हित पूरी तरह से सुरक्षित है अैर हम उम्मीद करते है कि आने वाले समय में भी हम जितनी अब प्रगति कर पये है, इससे भी ज्यादा करेगे।

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

स्पीकर साहब, अभी हमारे ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब ने बताया था कि हरियाणा में तीन हजार सत्तर बसें हरियाणा रोडवेज की चल रही है। आप जानते है कि हरियाणा रोडवेज की बसों की सर्विस सब स अच्छी है। इकस मतलब यह तो नही है कि इससे ओर अच्छी हो ही नही सकती लेकिन यह कहा जा सकता है। कि हरियणा को बसें और प्रांतों से काफी अच्छी हैं इसी प्रकार हमारी सड़के भी काफी अच्छी है। कुछसालों से हमारी सड़कों की हालत इतनी अच्छी नही रही और इनकी अच्छी न होने के कारण

यह है कि हमारे प्रांत में इनट्नसिटी औफ इरीगे ान बहुत ज्यादा बढ़ गई है। ज्यादा पैया इरीगे ज्ञन और पावर पर खर्च किया जा रहा है। यही कारण है कि हमारे मुख्य मी जी ने कहा है कि नयी सड़क कोई मंजूर नही की जायेगकी क्यसेां जो सड़के पहले ही मंजूर हो चुकी है उन पर 49 करोड़ रूपया खर्च आना था लेकिन 1986–87 के हामरे बजट में केवल 14 करोड़ रूप्ए का ही प्रोवीजन था। पब्लिक और एम0 एल0 एज0 के प्रै ार से पांच सात किलोमीटर की नयी सडक मंजूर कर दी जाती थी और लोगों को कह दिया जाता कि तुम्हारी सड़क बनने लग रही ळै लेकिन उसे बनने मे ंकाफी समय लग जाता था स्पीकर साहब, जब किसी सडत्रके बे बनाने में काफी समय लगता है तो उसकी कोस्ट भी बढ़ जाती है। दूसरी बात यह है कि जो सड़के अधूरी पड़ी हुई हे। उनके बारें में यह फैसला ंकिया गया है कि पहले उन्हे बनाया जाये ओर जो ऐगजिस्टिग रोडज है उनकी रिपेयर की जाये। तीसरे जो रोडज पहले मंजूर है उन्हें भी पहले पूरा किया जाये। गवनमैट ने यह भी देखा है कि जो पुरानी सड़के है उनकी मेनटेनैन्स नही हो रही हैं इसलिए उन पर भी काफी जोरों के साथ काम करने का विचारहैं जो गांव सडकों के बगैर है या उनकी सड़कों की ठीक तरह से मेनटेन्नैन्स नही हो रही है उनकी तरफ पूरा ध्यान दिया जा रहा है औरवहां पर काम चालू है। अब तो पोजी ान यह है कि कई गांव में डबल लिक रोडज बनने जा रह`हैं जहां भी सडत्रकों की कमी है उन्हें भी जल्दी से जल्दी से पूरा किया जा रहा हो गांव मे ंजहां भी नये बस रूट की

आव यकता महसूस हुई है वहां पर बस चालू की जारी है। प्रांत मे ऐसा कोई भी गांव नही है। जहां बस की कमी की वजह से पब्लिक को तकलीफ हो रही हो।

स्पीकर साहब, आने गवर्नर साहब के ऐड्रैस में देखा होगा कि हमारी स्टेट की 1970–71 के मूल्यों के आधार पर 1985–86 में इन्कम 1784 करोड़ रूपये तक पहुंच गई है। यह हिन्दुस्तान में सब से ज्यादा है ओर पिछले साल के मुकाबले में 12.6 परसैन्ट इन्क्रीज है। वर्श 1984–85 में 1970–71 के मूल्यों के आधार पर नैट स्टेट डोमैस्टिक प्रोडक्ट 13.2 परसैन्ट बढ़ी है। नैट स्टेट डोमैस्टिक प्रोडक्ट की बढौत्री से पता चलता है कि हमारे प्रात की मैन आमदनी आज भी ऐग्रीकल्चर से हो रही ह। ऐग्रीकल्चर की प्रोडक ान बढने से हमारी आमदनी भी बढती है। किसान को पानी, खाद, नये बीज आदि मिल जाये तो वह आनी प्रोडक ान को बहुत ज्यादा बढ़ा सकता है दूसरे किसान को ठीक दाम मिल जाये तो वह बहुत प्रगति कर सकता है। हरियाणा का किसान अपनी मेहनत से यह साबित कर चुका है कि वह अपनी पैदावार बहुत ज्यादा बढ़ा सकता है। स्पीकर साहब, हमारी सरकारने सन् 1987–88 का सालाना प्लान 585.75 करोड़ रूपये का बनाया है जिसमें से 357 करोड़ रूपया इरीगे ान और पावर के लिये रखा गया है। आप जानते है कि जहां पावर इन्डस्ट्री के लिए जरूरी है वहां एग्रीकल्चर के लिये भी पावर जरूरी है क्योंकि किसान को पानी की आव यकता है और आपके इलाके में

खासतौर से बिजली की आव यकता है। अभी चौधरी ई वर सिंह जी ने बताया था कि कुरूक्षेत्र के इलाके में तो यह स्थिति आ गई है कि दो–दो एकड़ पर टयूबवैल्जलग गये है। टयूबवैल्ज के लिए बिजली ही एक ऐसा साधन है थ्जससे किसान को लाभ होता है। डीजल इन्जर से भी टयूबवैल चल सकत है लेकिन वह बिजली से दस गुणा ज्यादा मंहगा पड़ता है। दूसरे आसकी ऐफि ायंसी बिजली के मुकाबले मे ंनही हो सकती। हमारी सरकार बिजली ओर पानी के लिये बहुत ही सरहानीय कार्य कर रही है सालाना प्लान का 60 परसैन्ट पैसा बिजली ओर पानी के लिए दिया जा रहा है। पानीपत में थर्मल प्लान्ट के तीन यूनिटस चालू हो गये है, चौथा यूनिट भी जल्दी ही चेलगाऔर पांचवा यूनिट 210 मैगावाट का आने वाले समय मे ंजल्दी ही तैयार होने वाल है। छठा यूनिट भी जो 210 मैगवाट का है, उसकी फिजिबिलिटी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी हैं 1050 मैगावाट का सुपर थर्मल पावर प्लान्ट यमुनानगर मं बनाने की योजना बनायी है।इस योजना को सैन्टर गवनमैंट को ऐप्रवूल के लिए भेजा गया है। ऐप्रुवल आने के बाद इस पर भी तीव्र गति से काम चलेगा। बिजली की प्रोडक ान बढ़ने से स्टेट में जितनी प्रगति हुइ है। उससे डबल हो जायेगी और हमारे कारखाने दुगने से भी ज्यादा हो जायेगे। हम आज क दिन इन्डस्ट्रीज को पूरी तरह से बिजली दे नही पाते है यही कारण है कि हमारी स्टेट में कारखाने पूरी तरह से नही चल रहे है। हमारी पब्लिक अन्डर टेकिग्ज कमेटी में भी चर्चा चली थी कि पूरी तरह से कारखानों को बिजली न मिलने से काफी कारखाने नोएडा में चले गये है।

दूसरे यू0 पी0 सरकार ने कंसै ान भी काफी ज्यादा दिये है। यह हमारे लिये बड़े दुर्भाग्य की बात है कि हम अपने प्रांत में आने वाले पूंजीपतियों को सारी सुविधाए नही दे पा रहे है। कहने का मतलब यह है कि उनको जितनी बिजली की जरूरत है, वह हम नही दे सकते। बिजली की आज सारे हिन्दुस्तान में ही कमी है, यह बात जरूर है। लेकिन खास कर नौर्दर्न इंडिया में काफी कमी हें हरियाणा में तोबहत ही जयादा कमी है क्योंकि हमारे याहा जो थर्मल पावर है। वह रिलायेबल नही है ओर हाइड्रो ावार मे ंहामरा बहुत कम हिस्सा है। एक बात के बारें ममें मै निजी रूप से हरियाणा सरकार से दरख्वास्त करना चाहता हूं कि नाथपा झाकड़ी का जा हमारा प्राजैक्ट था, सरकार ने इस कारण `से उसमें से हाथ खीचं लिया कि भाायदवह इतना पैसा नही जुटा पयेगी लेकिन आपने अखबरेां में पढत्रा होगा कि इस प्रोजैक्ट को पूरा करने क लिये सैन्ट्रल गवर्नमैंट भी वर्ल्ड बैंक से लोन लेने जा रही है। लोन लकर नै ालन हाईड्रो इलैक्ट्रिक पावन कारपोरेान जब उस प्रोजैक्ट को ऐसीक्यूट कर सकती है। तो हम क्यों नही करसकते? उससे हिमाचल प्रदे ा का 25 प्रति ात भोयर रह सकता है। हम क्यों नही उस प्रोजैक्ट को अपने हाथ में लेकर ऐक्यीक्यूट कर सकते? दिल्ली के इन्द्रप्रस्थ में ओर बदरपुर मतें हमारा हिस्सा है। लेकिन जब भी इस क्षेत्र में बिजली की जरूरत नही होती तो हमें बिजली दी जाती है जिस वक्त हमं इन्द्रपस्थ या बदरपुर से बिजली देते है बिजली के चार्चिज भी हमसे जयादा लेत है। ऐसा इसलिय होता है क्योंकि दिल्ली को तो चमका कर रखनाचा हते है। यू0

पी0 की सरकार को भी भोयर मिलताहै। यू0 पी0 क्योंकि एक बहुत बड़ी स्टेट हैं उसकी पोलिटिकली बड़ी इम्पोटैन्स भी इसलिए उसका हिस्सा नही छेड़ा जाता। हमें भाक है कि हमारा भोयर सुरिक्षत भी है या नही है। नाथपा झाकड़ी का जो हमार भोयरहै, वह हमें मिलता भी रहेगा या नही। इसमें हमें भाक है। स्पीकरसाहब जिसके हाथ में चाबी होती है, उसका हक ही सुरिक्षत होता है। मै यह कहूंगा कि चोधरी भाम ो सिंह जी जैसे काबिल बजीर इस महकमें के है और अब तो चौधरी बंसी लाल के हाथ में हरियाणा की बागडोर है। इन्होने सैन्टर से हरियाणा में आते ही काम करने भुरू कर दिय। हाल मही में इन्होने 403 करोड़ रूपये की सैन्ट्रल सहायता ली है। मै इनसे यह प्रार्थना करूंगा कि नाथपा झाकड़ी प्रोजैक्ट हरियाणा और हिमाचल प्रदे ा के ऐग्रीमैंट से ही ऐक्सीक्यूट होना चाहिए चाहे इसके लिए वर्ल्ड बैंक से ही पैया ले लेा। अगर सैन्टरइसको ंरी–पे कर सकता है तो कया हम री–पे नही करसकते है? आपकों तो मालूम ही है कि थर्मल पावर बड़ी इरैटिक होती है। इसमें प्लांट लोड फैक्टर कभी भी पूरा नही आ पाता है। हरेक मुल्क में जहां पर भी ये लगे हुए है, इनकी रिक्वायरमैंट से इन्स्टालड कैपेसिटी ज्याद हैं थर्मल पावर उस वक्त तक कामयाब नही है जिस वक्त तक जितनी रिक्वायरमैंट हो, उससे सवायी या डयोढद्यी हमारी इन्स्टाल्ड कैपेसिटी नह हो। लेकिन हमारे यहां बिल्कुल उलट हैं हमारी जितनी रिक्वायरमैंट है, उससे तीन–चौथाई भी हमारी इन्स्टाल्ड कैपेसिटी नही हे। इसका रिजल्ट कई बार यह होता है कि हमें बहुत मु कल उठान पड़ती

है। हमारी भी यह विचार था कि चेयरमैन अगर टैक्नोक्रैट हो तो भाायद यह बैटर चल सकते है लेकिन हमार अनफर्चुनेटली इस बारें मे ंएक्सपैरीमैट कामयाब नही रहा। जब बिजली की डिमाड हाती है और इसके लिए प्रै ार पड़ता है तो फौल्ड के आफिसर्ज यह कहते है कि इस युनिट को बन्द करने की जरूररत है लेकिन फिर भी इस यूनिट को दिन रात चलाये रखते है। नतीजा यह होता है कि जिस वक्त कु ि ायल टाईम होता है उस वक्त बिजली फेल हो जाती है और पहल `जितनी सकेयरसिटी होती है, उससे भी जयादा यानी टोटल सकेयरसिटी हो जाती है। हमारे कहने का मतलब यह है कि या तो हमारी इन्स्टालड कैपेसिटी बहुत ज्यादा होनी चाहिये या फिर हमें हाइड्रो–पावर की तरफ ध्यान देना चाहिये। यू0 पी0 और हिमाचल जो हमारे पडौसी राज्य है, वहां पर हाइड्रो पावर के बहुत ज्यदा पोटे ि ायल मौजूद है। यह पावर बहुत सस्ती पड़ीत ीहैं अै दूसरे पौल्यू ान फ्री हैं मै आपके माध्यम से सरकार से यह दरखसस्ता करूंगा कि वह हाइड्रो–पावर की तरफ जरा वि ोश ध्यान दे ओर इसके साथ ही थर्मल पावर की तरफ भी ध्यान दे क्योंकि अगर बिजली ही ठीक मात्रा में किसानों को ओर कारखानेदारों को दे दें तो भाायद किसी वै ाय कार्य करने की जरूरत नही हे। लोग खुद ही इस प्रांत को उठाकर ऊपर ले जायेगे। खेती के क्षेत्र में आपने देखा हेागा कि पिछले साल कुछ सूखा पड़ा जिसकी वजह से हमारे प्रांत क तीनचार जिलों में बाजरें की फसल बिल्कुल तबाह हो गयी। कपास की फसल हा जहा तक सवाल है, कपास के बारें में आमतौर पर एक

धारणा है और यह बिल्कुल ठीक है। कि कपास तो आधी खाई आधाी कमाई। उसी का नतीजा यह हुआ है कि क्योंकि सूखा पड़ा, इसलिये कपास की फसल को बीमारी भी कम लगी और दूसरे मौसम भी कुछठीक रहा जिसकी वजह से कपास की प्रोडक ान बहुत अच्दी रही। पिछले साल 9 लाख के करीब गांठे हरियाणा में पैदा की गयी। इस प्रोडक ान के कारण जो सही कीमत थी, वह भाुरू में लोगों को नही मिली। आपको मालूम ही है कि पिछली बार जब सै ान हुआ था तो उस वक्त भी काफी हो–हल्ला मचा था। आपने भी यह देखा होगा कि उसका कुछ असर हुआ वरना किसानों को पूरा भाव नही मिलता। पिछले सै ान के खत्म होते ही लोगों को बहुत अच्छे भाव किले। यह बात अलग है कि 60–70 प्रति ात उपज तब तक किसानों की मंडी में आ चुकी थी। उसके बाद सी0 सी0 आई0 ने काफी अच्छा भाव दिया। 550 रूप्ये के करीब तक उसकाभाव गया। मै यह नही कहता कि यह भाव कम था लेकिन आज से 15 साल पहले भी यह भाव था। यह बात अलग है कि बची में यह भाव गिरा भी और इसके करीब पहुंचता भी रहा। महाराश्ट्र सरकार की तरफ मोनोपली प्रोक्योरमैंट की बात मै नही कहता कि इसको टेक–अप करना चाहिये या नही करना चाहिए लेकिन ऐसे उचित कदम जरूर उठाने चाहिये ताकि किसानों को पहले भाव पता चल जाये। इसके लिए सैन्ट्रल गवर्नमैंट पर प्रिबेल अपौन किया जाये कि वह बीजों का, खास तौर पर कपास का अज्ञैर सरसों ओर दूसरी उपज वगैरा का जो भाव है, वह किसानों का द ाा भी अच्छी हो सकेगी।

कपास के मामले में हो सकता है कि हम टैम्पोरेरीली सरप्लस हो लेकिन यह एक ऐसी चीज है जिस परहमेंकांस्टैटली वाच रखना पडेगा। जनता पार्टी के राज में न तो कपास के भाव रहे थे और नह ही गुड के भाव रहे थे। इस बात का इनकी प्रोडक ान पर असर पड़ा। यदि किसानों को अपनी उपज का भाव पता हो कि यह भाव उसकों मिलेगा तो वह उसी हिसाब से अपनी नीति बनायेगा ओर प्रोडक ान पर भी आप कन्ट्रोल कर सकते है। स्पीकर साहब, मैने पिछले सै ान में कहा था कि अगर सरकार किसान की उपज का भाव किसान की बिजाई करने से पहले डिक्लेयर कद दें तो ज्यादा अच्छा रहे। चाहे किसान अनपढ़ है अैर बहुत सारीचीजों को न समझता हो लेकिन अगर उसको अपनी फसल के भाव का पता हो तो वह उसी ढंग से नीति बनाएगा। वह उस चीज को ज्यादा बिजाई करेगा जिसका उसको अच्छा भाव मिलेगा।। इससे एक और फायदा होगा कि सरकार यह निि चत कर सकैगी कि उसको किस चीज की उपज के लिए बढ़ावा देना है। स्पीकर साहब, जो रबी की फसल गई है उसमें किसान को सबसिडाइज्ड रेट पर खाद दिया गया, अच्छ बीच दिया गया और वह भी सबसिडाठजड रेट पर दिया गया और पानी भी ठीक मिल गया। इस कारण इस साल फसल इतनी तगड़ी है कि जो सरकार का ऐस्टिमेंट है उससे सवाई उपज मिलने वाली हैं यह सब समय पर अच्छा बीज तथ खाद मिलने की वजह से हैं यह ठीक है कि पानी की कमी रही और जितना मिलना चाहिएथा उतना नही मिला। इस उपज के बढ़ने के कारण सरकार भण्डार के अन्दर

किसान का योगदान काफी बढ़ जाएगा। स्पीकरसाहब, दूसरी बात मै करप् ज्ञन के बारं में कहना चाहता हूं। करप् ज्ञनके बारें में यह कहा जात है कि करप् ान तो वर्ल्ड फिनोमिना हैं लेकिन कुछ छोटी–छोटी बातें जिनकी पहले काफी ि ाकायत रहीती थी वे चौधरी बंसी लाल के आने से खत्म हो गई हैं उन्होने कुछ ऐसे कदम उठाए जिनसे लोगों को रहात मिल है ंऔर इसके लिए मै चौधरी बंसी लाल की सराहना करता हू। पहले लोग जब तहसील मे जाते थे और अगरी उनककों कोई इन्तकाल करान होता था तो कहा जाता था कि रैडक्रास की रिटक तो इस तरह से तहसील के अन्दर लोगों की जो पहल जेब काटी जाती थी वे अससे बच गए है क्योंकि चौधरी बंसी लाल ने हिदायत जारी कर दी है कि तहसील में रेड क्रोस की टिकते नही बेची जाएंगी। अब यह हिदायत कर दी गई ह। कि जो भी इन्तकाल होगा वह तीन महीने के अन्दर अन्दर अव य मन्जूर होगा। पहले लोगों को भागना पड़ता था। पैसे चढ़ाने पड़ते थे लेकिन अब लोग बेफ्रिक हो गए हैं क्योंकि उनको पता है कि हर हालत में तीन महीने में इन्तकाल तहसीलदार को मंजूर करना पड़ेगा। अब किसार को कोई चिन्ता नही है और पैस देने की भी जरूरत नही है क्योंकि इन्तकाल रजिस्टर होने के तीन महीने के अन्दर वह मंजूर हो जाएगा।

स्पीकर साहब, कुछ सामय पहले लोग हमससे यह कहते थे कि हमारे लड़के को ट्रैफिक पुलिस मं लगवा दो। ट्रैफिक पुलिस में लगवाने के लिए हमकों बहुत ज्यादा सिफारि ा करने के

लिए कहा जाता था। वहां कुछ ऐसी बात होगी ताभी तो लोगों की इच्दा थी उनके लड़कों को वहा लगवाया जाए। स्पीकर साहब, वहां घपला था इससे यह जाहिर होता है। पहले एक ट्रक अम्बाला से चलता था तो दस प्वायंटस पर चैक हाता था। चौधरी बंसी लाल ने वह बात खत्म कर दी। अब एक जगह पर ट्रैफिक चैक पोस्ट है। लोगों को नाजायज तंग नही किया जा सकता। चौधरी बंसी लाल ने इस तारह से कुछ कदम उठाए है। जिनसे लोगों कोकाफी राहत मिल है। ओर कर९ ज्ञन में कमी आई है। इसी तरह के कुछ और कदम उठाकर कर९ ज्ञन को कम किया जा सकता हैं

स्पीकरसाहब, चौधरी देवी लाल किसान को रिलीफ देने के बारें मे बहुत बात करते है। वे दो साल मुख्य मंत्री रहे जब जनतापार्टी का राज्य था आप भी और मै भी उस समय इसी पार्टी में थे। हमने उने काम करने का ढंग देखा था। उस समय बार बारयह सवाल उठाया गया था कि एम0 आई0 टी0 सी0 का जो खर्चा किसानो ंपर पड़ताहै उसको माफ किया जाए। चौधरी देवी लाल ने कहा कि यह माफ नही किया जा सकता। जब पब्लिक का ज्यादा प्रै ार पड़ा तो उनहोने कहा कि 23 परसैन्ट जो डिपर्टमैट खर्चा है उसको वेब करने की कोि ा ा करूंगा लेनि उन्होन `यह भी वेव नही किया और वे उसके बाद चीफ मिनिस्टरि ाप से हट गए। जब उनका राजा चला गयातो वे कहते है एम0 आई0 टी0 सी0 का खर्चा माफ कर दो। इस सरकार ने

वह माफ कर दिया। स्पीकर साहब, आपकेां मालूम ही है। कि जहां खाल पक्के हो गए है वहां इरीगे ान सवाई हो गई है। इसका मतलब यह है कि जहां सरकार को सौ करोड़ का आबियाना मिलता थावहां अब एक सौ पच्चीस करोड़ का आबियाना मिल सकेगा। अब चौधरी देवी लाल जी कहते है कि सड़कों के किनारे जो पेड़ है उनको बेचने से जो आदमनी होगी उसका आधा में किसानों को दूंगा। स्पीकर साहब, जिस वक्त दिल्ली मे ंदेवी लाल, मोरार जी देवाई को यह कहकर चले आए कि मै किसान पहले हूं और चीफ मिनिस्टर बाद मतें, उस वक्त तो ने ो में यह बात कह आए, लेकिन चण्डीगढ आते–आते उनका न ाा उतर गया क्योंकि वे बहुत से न ो करते है। यहां परएक मीटिग हुई जिससे बीजू पटनायक जी मीडिएटर थे, भी उपस्थित थे। उस मीटिग में जब चौधरी देवी लाल का फातिया पढ़ने की नौबत आई तो उनहोने मोरार जी देसाई की भाान में जो कहा थ उसके लिए माफी मांगी। एक आदमी जब सत्ता में था और अपने आप को किसानों का हमदर्द कहता था उस वक्त तो उसने कुछ नही किया लेकिन आज ज बवह सत्ता में नही है तो सब कुछ माफ करने की बात करता है। यह तो वैसी ही कहावत है। जैसे एक आदमी आलू बेच रहा था। एक ग्राहम ने जब उससे आलू का भाव पूछा तो आलू वाले ने कहा कि बारह आने किलो। पड़ोस के एक आदमी ने उस ग्राहक को कहा कि दूसराअ ाअदमी आठ आने किलों बेच रहा है। उससे ले लो। लेनि दूसरे दुकानदार के पास आलू थे ही नही केवल भाव था। यही हालत चौधरी देवी लाल की है। ज बवह सत्ता में थ

औरकोई फायदा पहंचुया सकता थ उस समय ता कुछफायदा पहुंचाया नही लेकिन अब सारी चीजे माफ करने की बात करता है। वह लोगों को बहकाने की बात कर रहा है। दो साल चौधरी देवीलाल का काम करने का मौका किलमा लनि उस समय कुछ नही किया। उसकी मुि ाकल यही है। कि वह राज नही कर सकता। एक वि ोश वर्ग का, जिससे मै भी ताल्लूक रखत हूं किसी कारण से वह लीडर बन गया और उसी की कमाई का वह खाना चाहता है।

स्पीकर साहब, 1982 के अन्दर जो कुछ हुआ वह आपको अच्दी तहर यादहोगा। उस वक्त 23 या 24 नवम्बर फ्लैट चौधरी देवी लाल के पास था। उस वक्त एक डिमौनस्ट्रे ान करने की बात थी। फ्लैट में कुछ लोग इकट्ठे बैठे थे। उस वक्त रणजीत जो देवीलाल का लड़का है उसने का हि अगर आज दस बारह आमदी मर जाए जो अच्छा रहे। भजन लाल की बदनामी हो आमारे हाथ में हरियाणा का भाासन आ जाए। आदमियों के मरने से अफरातफारी फैलेगी और भजन लाल को भाासन छोड़ना पड़ेगा। स्पीकर साहब, इनकों किसी के सुख दुख से कोई मतलब नही है। इनका तो एक ही ध्येय है है कि किसी तरह से अराजकता फैले और कांग्रेस सरकार बदनाम हो। स्पीकर साहब अब ये कहने लगे है कि मै पंजाब ऐकौर्ड के खिलाफ लड़ाई लड रहा हूं। स्पीकर साहब, 1977–79 का समय आपने भी और हमने भी देखा थ क्या किसी वक्त भी इन लोगों जे नजो आज किसानों

को दम भरते है, किसानो के लिए कुछ किया? क्या एक दिन भी इन लोगों ने दिल से कोि ा ा की कि एस0 वाइ0 एल0 नहर खुदे और हरियाणा को इसका पानी तमले या यह कभी अपोजी ान के भाईयों ने कोि ा ा की कि हमारा हरियाणा का भोयर हमें मिले? स्पीकर साहब, बादल साहब इनके बड़े घने मित्र है और इन्हे हरियाणा के हितों का कोई ध्यान नही है। केवल अपनी गद्दी को बचाने के लिए इन्होने बादल साहब के साथ मत्रता बनोय रखी। ये कहते है कि इन्हे हरियाणा के हितों की बहुत चिन्ता है। जिस दिन से कुर्सी सुखी है उस दिन से इन्हे हरियाणा के हितों का ध्यान आया है। उससे पहले कभी इन्हे हरियाणा का ध्यान नही रहा। स्पीकर साहब, मेरा कहने का मतलब यह है यहां हरियाणा के हितों के लिए वही काम कर सकता है, जिसको काम करना आता हो। इस प्रांत के लोगों का तजरबा है कि अगर आज के दिन कोई तरक्की करने वाला है तो वह केवल चौधरी बंसी लाल ही है। उनको एक अच्छी टीम भी मिली हुई हैं और उनमें इस नेतृत्व को संभालने की भाक्ति भी है। स्पीकर साहब, 1977 में इस दे ा में ने ानल लैवल पर इस बात का तजरबा हो चुका है कि यह जो दूसरी पार्टीज हैं, ये टैम्पोरेरी भी मिल कर राज नीं कर सकती, नहीं चल सकती, क्योंकि उनके कोई सिद्धानत नहीं हैं और न ही किसी सिद्धान्त पर वे मिलकर चल सकते हैं। स्पीकर साहब, आपने आज के अखबारें में भी पढा होगा कि चौधरी देवी लाल जी ने कम से कम 20 दफा चौधरी चरणसिह जी को किसानों का मसीहा कहा और कई बार तो चरणू

भी कहा। फिर बाद में मान भी गए कि मेरे से गलती हो गयी थी क्योंकि लोगों ने बहका दिया था। पहलेम तो यह भी कहते रहे कि कांग्रेस ने हमारे में झगडा करवा दिया। स्पीकर साहब, 1983 में जो चार्ज चौधरी देवी लाल के ऊपर लगाए गए थे और जिस कारण से उन्हें लोक दल से निश्कासित किया गया था, वही चार्ज अब ये चौधरी चरण सिंह जी के लडके पर लगा रहे हैं। फिर आप चौधरी चरण सिंह जी की उदारता देखो। उन्होंने यह कहा कि चूंकि मेरे पास चौधरी देवीलाल के खिलाफ कोई खास प्रमाण नहीं हैं कि वे विरोधी पक्ष के साथ मिले हों इसलिए मैं उनके खिलाफ यह चार्ज वापिस लेता हूं लेकिन चौधरी देवी लाल और ही रट लगाये बैठे हैं। स्पीकर साहब, यह तो उनका रिकार्ड है कि वे 6 महीने से ज्यादा एक सिम्बल पर नहीं रहे और भविश्य में भी वे एक जगह पर टिक नहीं पाएंगे। अब यह दूसरी पार्टी बनाएंगे और वहां भी वही धन्धा भुरू हो जाएगा। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी ने बतौर यूनियन ट्रास्पोर्ट मिनिस्टर हरियाणा का ख्याल रखा रेलवे मिनिस्टरहोते हुएभी यहां का ख्याला रखा। उन्होने अपने समय में एकता ऐक्सप्रैस एक गाड़ी चलाई जै जो 6—7 जिलों को कवर करती है। खासतौर से इन्होने बतौर ट्रांस्पों मिनिस्टर पलवल में जमुना पुन के बनाने क लिए साढे छः करोड़ रूपये रखे थे। करीब सात करोड़ रूपये की लागत से करनाल मेरठ रोड पर बनने वाल पुल को स्टोन अभी पिछले दिनों हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने यू0पी0 के चीफ मिनिस्टर श्री वीर बहादुर सिंह के साथ रेखा है यह पुल तीन साल के रिकार्ड टाईम में बन

कर तैयार होगा। इसी प्रकार से एक और पुल यमुना नगर तथा सावलपुर के बची में करीब सात करोड़द्य रूपये की लागत से बनेगा। फरीदाबाद जिले में भी एक पैन्टून ब्रिज बन चुका है। सोनीपत से बहालगढ़ होते हुए जो सड़का बागपत को जाती है। उस परएक पुल अन्डश्र कन्स्ट्रक ान है। इसी तरह से जी०टी० रोड़ पर बड़ा भारी ट्रैफिक बढ़ गया हैं हिन्दुस्तान में सबसे अधिक ट्रैफिक करनाल और दिल्ली के बची जो जी० टी० रोड़ है इस पर है। इस रोड को फोर लेन करके चौड़ा करने का काम भी इन्होने बतौर ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर के 40 करोड़ रूपये स्वीकृत करके, किया थ। मुरथल से दिल्ली तक फोरलेन का काम कम्पलीट हो चुका है। अब मुरथल से करनाल तक का काम चालू हो चुका है ओर करनाल से हरियाणा की हद तक के ऐस्टिमेटस 62 करोड़ रूपयके भेज दिये गए है रेवले के पुल 18 जगहों पर बनाने की योजना है।

स्पीकर सर, मैं आपके और इस हाउस के माध्यम से यह बात पब्लिक तक पहुंचाना चाहता हूं कि वह चौधरी देवीलाल जी को यह कह दें कि चौधरी साहब अब बहु त समय हो गया है, आप इस दे ा के काम को सुचारू रूप से चलने दीजिएगा। आप आराम कीजिएगा और जो लोग इस प्रदे ा को इस दे ा की बागडोर को संभाल सकते हैं, संभाले हुए हैं, उनको काम करने दीजिएगा। यह आपके बस की बात नहीं है। इन भाब्दों के साथ मैं गवर्नर साहब को, जिन्होंने 23 मार्च 1987 को इस सदन में अपना

अभिभाशण पढा और जिसके लिए चौधरी ई वर सिंह जी ने धन्यवाद का मो ान मूव किया, धन्यवाद देता हूं और हाउस से भी रिक्वैस्ट करता हूं कि सारा सदन बडे जोर भाोर से गवर्नर साहब के अभिभाशण का स्वागत करे और उनको धन्यवाद करें। इन अलफाज के साथ मैं इस अभिभाशण का पुराजोर समर्थन करता हुआ आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ–

"कि गवर्नर साहब को एक ऐड्रैस फौलोइंग टर्मज में प्रजैन्ट किया जाए–

"कि इस सै ान में असैम्बल हुए हरियाणा विधान सभा के मैम्बर्ज उस ऐड्रैस के लिए गवर्नर साहब के डिपली ग्रेटफुल हैं जो उन्हौंने 23 फरवरी 1987 को हाउस में डिलिवर करने की कृपा की है"।

श्री लछमन सिंह (कालका): चौधरी बंसी लाल जी ने बतौर यूनियन ट्रास्पोर्ट मिनिस्टर हरियाणा का ख्याल रखा रेलवे मिनिस्टरहोते हुएभी यहां का ख्याला रखा। उन्होने अपने समय में एकता ऐक्सप्रैस एक गाड़ी चलाई जै जो 6–7 जिलों को कवर करती है। खासतौर से इन्होने बतौर ट्रांस्पोर्ो मिनिस्टर पलवल में जमुना पुन के बनाने क लिए साढे छः करोड़ रूपये रखे थे। करीब सात करोड़ रूपये की लागत से करनाल मेरठ रोड पर बनने वाल

पुल को स्टोन अभी पिछले दिनों हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने यू0पी0 के चीफ मिनिस्टर श्री वीर बहादुर सिंह के साथ रेखा है यह पुल तीन साल के रिकार्ड टाईम में बन कर तैयार होगा। इसी प्रकार से एक और पुल यमुना नगर तथा सावलपुर के बची में करीब सात करोड़द्य रूपये की लागत से बनेगा। फरीदाबाद जिले में भी एक पैन्टून ब्रिज बन चुका है। सोनीपत से बहालगढ़ होते हुए जो सड़का बागपत को जाती है। उस परएक पुल अन्डश्र कन्स्ट्रक ान है। इसी तरह से जी०टी० रोड़ पर बड़ा भारी ट्रैफिक बढ़ गया हैं हिन्दुस्तान में सबसे अधिक ट्रैफिक करनाल और दिल्ली के बची जो जी० टी० रोड़ है इस पर है। इस रोड को फोर लेन करके चौड़ा करने का काम भी इन्होने बतौर ट्रांस्पोर्ट मिनिस्टर के 40 करोड़ रूपये स्वीकृत करके, किया थ। मुरथल से दिल्ली तक फोरलेन का काम कम्पलीट हो चुका है। अब मुरथल से करनाल तक का काम चालू हो चुका है ओर करनाल से हरियाणा की हद तक के ऐस्टिमेटस 62 करोड़ रूपयके भेज दिये गए है रेवले के पुल 18 जगहों पर बनाने की योजना है। कल गवर्नर साहब ने इस हाउस में जो ऐड्रैस पे ा किया है, मैं उसके लिए उनका भाुक्रिया अदा करने के लिए खडा हुआ हूं। चौधरी ई वर सिंह जी ने धन्यवाद प्रस्ताव का मो ान मूव किया और चौधरी कंवल सिंह जी ने उसको सैकिण्ड किया। मैं भी इसका समर्थन करता हूं। स्पीकर सर, हम गवर्नर साहब के बहुत ही म ाकूर हैं कि उन्होंने सरकार की जो कैपेबिलिटी है, जो काम सरकार ने पिछले साल किए और जो आइन्दा सरकार करने जा

रही है, उसको गरीबों की मदद से भाुरू किया है और इसकी सारी क्रेडेबिलिटी सरकार के मुखिया को जाती है, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

स्पीकर सर, गवर्नर साहबन ने अपने ऐड्रैस में सबसे बडी प्राथमिकता कम्युनल हारमनी को दी है। किसी भी सूबे की तरक्की के लिए, प्रोग्रैस के लिए, वहां के लोगों की खु ाहाल के लिए, आपसी भाई चारे और मेल जोल के लिए यह सब से उत्तम कदम है। यह सब से बडी चीज है और इसके लिए हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी मुबारिकबाद के पात्र हैं। जब से उन्होंने हरियाणा के अन्दर हकूमत की बागडोर संभाली है तब से यहां माइन्योरिटीज के दिलों के अन्दर चाहे कोई सिख हैं, मुसलमान हैं, हिन्दू हैं या हरिजन हैं, एक कौन्फीडैंस का वातावरण पैदा हुआ है। गरीब तबके से मेरा मतलब सारे तबकों के गरीब लोगों से है। जो लोग अपने आपको कमजोर समझते थे, जो कम गिनती के लोग थे, उनके अन्दर कौन्फीडैंस का वातावरण पैदा हुआ है। इसके लिए हरियाणा के मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने जगह जगह पर जाकर यह कहा है कि उनकी सेफटी की जिम्मेवारी वे लेते हैं और यह सरकार की जिम्मेवारी बनती भी है कि हर आदमी की जान माल और उसके घर की रक्षा करे। उनहोंने इस बात को साबित भी कर दिया है कि वह इस जिम्मेवारी को निभा भी सकते हैं। यह कोई किसी से छुपी बात नहीं है।

सारी दुनिया एक है। यही हमार थ्यूरी हैं इसी तरह से यूनिटी आफ दी ने ान यानी दे ा की अखंडता बहुत ही जरूरी है। आज जितन बड़ा दे ा है, उतना बड़ा दे ा कभी पिछली हिस्टरी में नही ुआ। इस हिन्दुस्तान में कभी बड़े–बड़े राजा हुए तो कभी छोटे–छोट। लेकिन कभी भी नार्थ का राजा सारे दक्षिण का राजा नही बन सका सिवाये मराठों के दक्षिण भारत का कोई राजा उतरी भारत में नही आ सका। वे भी दो–चार रियासतों क सिवाये, आग्र नही बढ़ सके। इतना बड़ा हिन्दुस्तान नक कभी रामायण के समय में था ओर न ही कभी महाभारत के समय में था। यह बात अलग है कि आज पाकिस्तान और बंगला दे ा अलग हो गये है। आज इस दे ा की एकता ओर अखंडता को कायम रखना बहुत जरूरी है। एक ही मजहब से कोई एक नो ान या दे ा नही बनता। ऐसे बहुत से दे ा है।जो एक मजहब होने पर भी आपस में लड़ते है। जैसे ईरान और ईराक आपस में लड़ रहे है। फ्रांस और जर्मन आपस में लड़े है। इस दे ा की यह बहुत ही पुरानी परम्परा रही है। इसमें टौलरे।स है। यहां पर दुनिया के हर कोने सक लोग आए हुए है। ईरान से पारसी लोग बम्बई के आस पाय आये। वहां के राजाओं ने उन्हें पनाह दी। दलाई लामा जब अपने दे ा को छोड़ कर आया तो हमने चीन की परवाह नक करते हुए उसकों पनाह दी। इस दे ज्ञ में सभी लोग अमन और भाांति से रहना चाहते है। जब हकुमत मजबुत होती है तो किसी की हिम्मत नही होती कि कोई गडबड़ कर सके। इसके बादगवर्नर साहब ने सतलुज यमुना लिक नहर का जिक्र किया है। हमारे

हरियाणा में वैसे भी एक यमुना ही दरिया हैं उसमें कुछ हिस्सा हिमाचल यू0पी0 का लगता है, कुछ हरियाणा यू0पी0 में संगम में जाकर मिलता है। यमुना से ताजेवाला की जगह हमे ंदो हिस्से पानी मिलता है और एक हिस्सा यू0 पी0 को लगता ह, कुछ हरियाणा यू0 पी0 का लगता है और कुछ दिल्ली यू0पी0 का लगता है। पि चम यमुना नहर में 8–9 महीने के दौरान लगभग 2200 क्यूसिक्स पानी चलता हैं इसक अलावा हमारे पास कोई दरिया नही है। यह तो पंडित जवाहर लाल नहरू की दूर–अंदे ाी थी कि उन्होने भाखड़ा डैम बनाया और सतलुज नदी का पानी 9600 क्यूसिक्स हरियाणा के हिस्से में आया। एस0 वाई0 एल0 या रावी व्यास के पानी को हामरे लोग दल या संघर्श समिति के भाई बात तो करते है लेकिन उनहोने इस पानी को लोने के लये क्या कोई पैसा अपने समय में दिया? बगैर पैसे नहर कैसे बन सकती है? इस लिंक नहर को बनोने के लिये इन्होने कोई कदम नही उठाया। इस नहर को तो जनता पार्टी वाले कभी नही बना सकें। उन्होने न तो कोई पैसा ही जमा कराया और न ही कभी कोई कोि ा ा ही की कि यह नहर बन सके हालांकि दिल्ली में ओर सुबे मं उनकी ही पार्टी कील सरकार थी। इसको तो श्रीगणे ा इंदिरा गांधी जाने ` कपूरी गांव में जाकर किया। हमारे मुख्य मंत्रीजी ने जलसों में कई जगह कहा भी है कि वह सभी पंचों और सरपंचों को उस नहर की प्रौग्रैस दिखायेगे जिसके लिये हरियाणा सरकार ने 151 करोड़ रूपया कै ा दियाहै और 3 करोड़

रूपये के कारीब की मं ीनरी दी गयी है। 19 ½ करोड़ रूपयां पंजाब न दे रखा है।

स्पीकर सर, मुझे से पहले दो साहेबान ने इस ऐड्रैस के मुताल्लिक बहुत कुछ कहा है कि लेकिन मैं उन बातों को दोहराना नहीं चाहूंगा। चन्द एक बातें बहुत जरूरी हैं जिनको आज के हालात के मुताबिक मैं जरूर कहना चाहूंगा और सरकार का ध्यान भी इस ओर दिलाना चाहूंगा। स्पीकर सर, मेरा हल्का कालका है, और वह पहाडी एरिया है। सरकार ने प्लांटे ान के लिए अगली प्लान में 64 करोड रूपया रखा है। अब तक बहुत सी जगहों पर टूरिस्ट कम्पलैक्स बन चुके हैं। कुछ अर्सा पहले कालके के अन्दर भी इसके लिए इंस्पैक ान हुई थी और एक प्रोपोजल भी गवर्नमैंट के अंडर कंसिड्रे ान थी जो कि पास भी हो गई थी कि कालका में भी एक टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाया जाए। उसके लिए रेलवे लाइन के पास जगह भी चुन ली गई थी। पता नहीं किस वजह से वह स्कीम एबंडन कर दी गई। मैं दरख्वास्त करूंगा कि टूरिज्म का महकमा आने वाले प्लान में कालका के कम्पलैक्टस को जरूर भाामिल करेगा। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि सारे दे ा से ही नहीं बल्कि विदे ाों से आए हुए लोग भी कालका होकर भी ि ामला और हिमाचल प्रदे ा में जाते हैं। कालका में खाने पीने के लिए कोई अच्छी जगह नहीं है। सब लोग पिंजार को ही कालका समझ लेते हैं। वैसे पिंजौर गार्डन तो एक बहुत बडा गार्डन है, उसका कोई मुकाबिला नहीं है लेकिन उससे आगे भी

हरियाणा बस्ता है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से दरख्वास्त करूंगा कि वे इस बात का आ वासन दें कि अगले प्लान का जो टूरिज्म का बजट होगा उसमें इसको जरूर भाामिल किया जाएगा।

अब मैं रोडज की तरफ आता हूं। इसमें कोई भाक नहीं कि हर दे ा की तरक्की सडकों के साथ जुडी होती है। हमारी स्टेट ऐग्रीकल्चरल बेस्ड है। अभी जैसे चौधरी कंवल सिंह जी ने बताया कि पहले किस तरह से हरियाणा पिछडा रहा और चौधरी बंसी लाल जी के आने के बाद थोडे से अर्से में ही इसने कितनी तरक्की की। इस तरक्की का कारण सिर्फ रोडज हैं जब तक अच्छी रोडज नहीं होंगी तब तक जमींदार की प्रोडक ान भाहर में नहीं जा सकती। अगर मीन्ज आफ कम्यूनिके ान नहीं बढेंगे तो लोगों की इंकम नहीं बढंगी। लोगों की आमदनी तभी बढेगी जब मीन्ज आफ कम्यूनिके ान आसान होंगे और सस्त होंगे। अब एक कच्ची रोड है तो उस पर चलने वाले वाहन का किराया भी दुगना पडता है जबकि पक्की रोड पर चलने वाले वाहन का किराया कम लगता है। मिसाल के तौर पर मल्ला गांव की सडका का थोडा सा रास्ता कच्चा है। उस रास्ते का किराया इन्होंन डयोढा कर रखा है हालांकि बाकी सारी पक्की सडक है, उसके ऊपर पुल भी बना हुआ है। एक आध फर्लांग कच्चा रास्ता होने की वजह से लोगों को परे ाानी है। स्पीकर साहब, मैं हर सै ान में सरकार को याद दिलाता हूं कि कालका हल्के में कुछ ऐसी जगहें हैं जहां पर अभी सडक का सिंगल लिंक भी नहीं है। उदाहरण के तौर पर मैं कोट

फतेह सिंह का नाम लेता हूं जो सिखों का गांव है। इसी तरह से कोट मुल्ला है। ये इलाके बिल्कुल पंजाब से लगते हैं और चण्डीगढ से दो तीन किलोमीटर है। डिपार्टमैंट यह कह कर इग्नोर कर देता है कि पैसा बहुत लगता है। जहां करोडों रूपया खर्च हो रहा है वहां इस बात को कौन मानेगा कि चूंकि पैसा ज्यादा लगता है इस वजह से यह सडक नहीं बनाई जा सकती। एक डखरोड गांव है। इसमें कोई भाक नहीं कि वह बहुत दूर है परन्तु वह पैरीफरी के अन्दर है। आप हैरान होंगें कि कालका तहसील में 40 मील तक पैरीफरी है। चण्डीगढ से डखरोड करीब 70 किलोमीटर होगा। वह भी पैरीफरी में आता है। क्योंकि नोटिफिके ान में तहसील कालका लिखा हुआ है इसलिए वह पैरीफरी में आता है। तहसील कालका में अगर मोरनी के एक गांव में आप जाकर देखें तो वहां आदमी तीन दिन मैं पैदल पहुंचता है। वहां भी पैरीफरी है। पैरीफरी वाले जिसका भी चाहें मकान गिरा सकते हैं। जब वहां पैरीफरी ऐक्ट लागू है तो वहां पक्की सडक क्यों नहीं बनाते ? इस बात से तो स्पीकर साहब, आप भी सहमत होंगे। मैं आपसे दरख्वास्त करूंगा कि सरकार को आप भी कहें कि पैरीफैरी तो लगा रखी है, लोगों की मु कलातों कोम बढा रखा है लेकिन उनको वे फैसिलिटी क्यों नहीं दी जाती जिनकी उनको जरूरत है ? इसलिए उस सडक का बनना बहुत जरूरी है। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी तरह से हरिजनों के लिए बहुत सी स्कीम्ज बनाई गई है। इनके बच्चों को वजीफे दिए जाते है। फ्री ऐजुके ान दी जाती है, फ्री वर्दियां दी जाती है और फ्री किताबे दी जाती है। कहने का

मतलब यह है कि सभी किस्म की सहूलियते हरिजन भाईयों को दी जाती है।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसी तरह से हरियाणा सरकार ने फौजियों के लिए भी काफी सहूलियते दी है। फौज के अन्दर हरियाणा के ग्याहर परसैन्ट लजोग है ओर पंजाब के चौदह परसैन्ट लोग है जबकि इन दोनो ंप्रातों की आबादी तीन या सवा तीन करोड़ है लेकिन फौज के अन्दर इनका रिप्रजन्टै ान फ्रौम दि टाइम इममोरियल ज्यादा रहा हैं हरियाणा स्टेट हिन्दुस्तान के अन्दर पहली स्टेट है जिसेन सब से ज्यादा फौजियों को, उनके बच्चों का या उनके आश्रितों को सहूलिये दी है। हरियाणा सरकार फौजियों के बच्चो, आश्रितों ओर उनको औरतों की तरफ खास ध्यान दे रही है।

डिप्टी स्पीकर साहब, इसके अलावा यह सरकार स्त्रियों, बच्चों और अपाहिजों की तरफ खास ध्यान दे रही है। 316026 बच्चे और गभवती स्त्रियों को 45 डंट्रैसिब चाइल्ड डिवैल्पमैट स्कीम्ज के द्वारा लाभ पहुंचाया गया है और इससरकार ने फैसला किया है कि 1987–88 के अन्त तक 97 ब्लौक्स को इस स्कीम के अन्डर कवर कर लिया जाएगा। इस स्कीम के अन्डर बच्चों को और गर्भवती स्त्रियोंको पौश्टिक आहार दिया जाता है। और विटामिन की गोलियां दी जाती है। विकलांग लोगों को, बूढे लोगों को जिनका कि कोई सहारा नही है उनको पैन ान दी जाती है। इस सरकार ने फैसला किया है कि इस साल जितने लोग ओल्ड

एज पैन् ान के लिए दरखास्त देगे उन सभी को पैन् ान दी दी जाएगी। इसी तरह से जो अंगहीन है, जिनका कोई साहरा नही है और विधवाओं का भी पैन् ान दी जाएगी। हमारा सो ाल वैलफेयर विभाग बहुत अच्छा काम इस दि ाा में कर रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, वकिंग वूमैन के लिए हौस्टल बनाने का सरकान का फैसला किया है। इसी तरह से सफाई मजदूरों के बच्चों के लिए भी और होस्टल बनाने का सरकार ने फैसला किया है और इस समय भी बनाए जा रहे है।

हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने पुलिस विभाग के जो मुलाजिम है उनके लिए फराखदिली दिखाई है। अब वे बीस रूपए देकर कही भी हरियाणा रोडवेज की बस में जा सकते है। एक तरह से उनके लिए फ्री ट्रेवल कर दिया ह। मधुबन जो हरियाणा पुलिस कौम्पलक्स है वहां के कर्मचारियों को अर्बन अलाउन्स देने का सरकार ने फैसला किया है। रा ान के लिए सौ रूपया उनको दिया जाएगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे जो सरकारी मुलाजिम है उनके लिए भी हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने फराखदिली दिखाई है और ऐलान किया है कि जो भी फोर्थ पे कमी ान की रिकमन्डे ाज है उनको पहली अप्रैल, 1987 के बाद कै ा दिया जाएगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक हरियाणा के देहात में पीने के पानी की सुविधा देने का सवाल है, हरियाणा के अन्दर 6731 गांव है इनमें से 4200 गांवों में इस साल तक पानी की सुविधा पहुंच जाएगी। डिप्टी स्पीकरसाहब, 1990 तक हरियाणा में कोई ऐसा गांव नही रहेगा जहां पाननी की सुविधा न हो इस संबंध में मेरी सरकार से प्रार्थना है कि प ाुओं के लिए भी पीने के पानी का इन्तजमा किया जाए। उनके लिए खेल बनाई जाएं इन खेलों को चाहे सरकार बनाए या पंचायते बनपए लकिनये जरूर बननी चाहिएं देहात में यूं ही पानी चलता रहता हैं डिप्टी स्पीकर साहब, जहां टूटी का पानी पहुंच गया है वहां पर प ाु अब जोहड़ का पानी नही पीते। पहाड़ों मे ंपानी के अन्दर आयोडीन होती है और मैदानों में बहुत जगह फलोराइड होती है उससे लोगों की हड्डियां कमजोर हो जाती है ओर आयेडीन की कमी से गिल्हड निकल आते है। अस्सी परसैन्ट बीमारिया पानी की खराबी के कारण होती है। इसलिए पानी का साफ होना जरूरी है। डिप्टी स्पीकर साहब, जहां सरकार देहात में पीने के पानी की सुविधा देने जा रही है वहां मै सरकार का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहता हूं कि देहात में औरतों के लिए लेटरीन्ज की बहुत जरूरत है। इनके न होने से औरतों को देहात में बहुत तकली है। इस पांच साला प्लान में देहातों में बोरहोल लैटरींज बनाने के लिए 10 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा गया है सिसे वन–फोर्थ रूरल पालुले ान को इंडीविजुअल बोर होल लैट्रीनज बनाकर दे दी जाएंगी। जहां तक भाहरों का संबंध है, वहा`पर वाटर वर्कस पहले

से ही है। इसके साि साथ सवीरेज की स्कीमज भी बढ़ाई जा रह ीहै। स्लम एरियाज में स्लम क्लीरैन्स के लिय चहो वह देहात मतें है या भाहरों में है, खास कर बैकवर्ड क्लासिज के मोहल्लो और बस्तियों में, सफाई वगैरह का सरकार का काफी अच्छा प्रोग्राम है और इसे लिए हर जगह पर सरकार की ओर से दिल खोल कर पैसा दिया गया हैं जिला योना स्कीम इस साल से चालू की गयी है ओर इसके लिए 99 करोड रूपया रखा गया है। आ ाा है कि सरकार इस साल के अन्त तक गन्दी बस्तियों के सुधार के लिये अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगी। इस वर्श साढ़े पांच करोड रूपया चोधीर बंसी लाल जी नेरिलीज किया है जोकि हर जिले में जा चुका है और हिदायते भी जारी कर दी गयी है कि इस पैसे में से कम से कम 2.0 फीसदी हरिजन चौपालों पर लगाया जाएं चौधरी बंसी लाल जी ने पानीपत में यह घोशणा भी की है कि बैकवर्ड क्लासिज के लोगों को भी चौपाले बनाने के लिए पैसा दिया जाएगा क्योंकि ये लोग भी गरीब है। आने वाले साल में 6 करोड़ रूपया डिस्ट्रिक्ट प्लानिग में इस स्कीम के लिये रखा गया है हालांकि और विभागों का काम उसी तरह से ही चलता रहेगा। यह तो ऐडी ानल पैसा होगा। 6 करोड़ में से साढे पांच करोड़ इस साल दिया जा चुका है अैर उसे बाद साढ़े 93 करोड़ रूपया बाकी है जो तीन सालों में हमने दिना हैं अगर हम इसी फार्मूले को चालू रखे कि 20 परसैन्ट पैसा हरिजनों और बैकर्व क्लासिज के लोगों को चौपालों के लिए देना है तो इस मद में 18 करोड़ रूपया दि ट्रक्ट प्लानिंग में से आएगा तथ इससे सारे हरियाणा के

अन्दर एक रेवोल्यू ान की लहर सी आ जाएगी और यह लगेगा कि सरकार ने इता बड़ा कार्य किया हैं डिप्टी स्पीकर साहब, पावर्टी लाईन को हटाने के लिये हमने पिछले पांच सालों में लगभग 5 लाख लोगों को कई स्कीमज के तहत कवर किया है और इस साल में 4 लाख लोगों केा और कवर करने का इरादा है। श्री राजीव गांधी जी ने जींदउ में कहाथा कि किसी हैड आफ दी फैमिली को, मेल मैमबर को यदि कर्जा दिया गया हो तो वहां हम औरत को भी कर्जा देगे। जरूरी हुआ तो दूसरी बार भी देगे यदि और जरूरी हुआ तो तीसरी बार भी देगे। इससे लोगों को काफी फायदा हुआ है ओर वे लोग जो दो–दो तीन–तीन व पांच–पांच रूपये सैकड़ा पर कर्जा लेते थे उनको सस्ती दरों पर पैसा मिला है, उनका आमदनी का साधन बना है और उनको काफी फायदा हुआ हैं

डिप्टी स्पीकर साहब, ऐजूके ान केबारें में भी हमारे प्राईम मिनिस्टर साहब ने नई ऐजूक ान पोलिस बनायी हैं। उस पर सारे भारत के अन्दर विचार विम र्ा भी हुआ है और यह देखा गया कि इसके लिये बहत सारे धन की आव यकता है। लेकिन उन्होने कहा कि हम इसके लिये पैया देगे ओर हरियाण को खासकर पांच नवोदय स्कूल्ज ओर तीन सैन्ट्रल स्कूल्ज देगे। इन पर लगभग तीन करोड़ रूपया लगेगा और टेलैन्टिड लड़के कंपीटी ान से उन में दाखिला होगे। हर किस्म के गरीब–अमीर

लड़के उनमे होगे। इसलिए इसके अन्दर अब किसी भाक की गुंजाय ा नहीं है।

स्पीकर साहब, अब मैं पब्लिक हैल्थ की बात करना चाहूंगा। मोरनी के लिए एक सवा करोड रूपए का प्रोजैक्ट बना था। इस प्रोजैक्ट पर आज से 4–5 साल पहले एक करोड रूपया लग भी चुका था। उस प्रोजैक्ट को पूरा करने के लिए उस पर 10–15 लाख रूपया और लगना था। अब इन्होंने उस पर कुछ खर्च किया है। जब इस सरकार की तरफ से बहुत ज्यादा प्रै ार पडा तो इनको कुछ परे ाानी हुई। वहां पर कुछ ऐसे देहात हैं जहां पर पीने के पानी की बहुत मु ाकिलात है। जो एरिया वहां पर बगैर पानी के रह गया था वह आज तक बगैर पानी के ही चला आ रहा है।

इसी प्रकार वहां पर रोडज की भी बहुत भारी दिक्कत है। उस एरिया में एक गांव टिकरी है। मैं मुख्य मंत्री जी का इस बात के लिए म ाकूर हूं कि उस गांव के स्कूल को अब इन्होंने हाई स्कूल बना दिया है। स्पीकर साहब, आप हैरा होंगे कि वह एक ऐसी जगह है जहां पर आज तक सिर्फ दो ही पोलिटीकल आदमी गए हैं। एक तो सरदार प्रताप सिंह कैरो गए थे और दूसरा मैं पहुंचा हूं। वहां पर हम दो के सिवाए और कोई आज तक नहीं पहुंचा है। वहां पर जाने के लिए 3 घंटे का पैदल का रास्ता है। वहा सारे का सारा पहाडी रास्ता है। आप भी जानते हैं कि हर आदमी 3 घंटे तक पैदल नहीं चल सकता। आफिसर्ज भी

नहीं चल सकते। जब मैं वहां गया तो उस समय मेरे साथ आफिसर्ज भी थे, वे मेरे से पीछे रह गए थे। आफिसर्ज कहने लगें कि साहब इतना पैदल हमसे चला नहीं जाएगा। जब से हरियाणा बना है तब से लेकर आज तक कालका हलके से या तो लाला कि ाोरी लाल एम0एल0ए0 नहीं बन पाया है। उस टिकरी गांव के लिए एक सडक बनाना बहुत ही जरूरी है। वहां पर मोरनी में एक तालाब है। स्पीकर साहब, वह इतना बडा तालाब है कि उसके अन्दर वोट चल सकती हैं, कि ती चल सकती हैं। उस तालाब के बारे में आज तक यह पता नहीं चल सका कि वह कितना गहरा है। वहां पर एक टूरिस्ट रिजौर्ट बन सकता है। वह इतना सुन्दर एरिया है जिसका कोई अन्दाजा नहीं लगाया जा सकता। अगर मैं यह कह दूं कि वह एरिया हरियाणा में सबसे सुन्दर है क्योंकि उसका मैं अपने भाब्दों में वर्णन नहीं कर सकता तो कोई ज्यादती नहीं होगी। इसलिए, अगर वहां पर पी0डब्लयू0डी0 हिम्मत करके सडक बना दे तो वहां पर एक बहुत ही अच्छा टूरिस्ट स्पौट बन सकता है और that will be one of the best tourist spots in the whole of Haryana. जब कभी कोई नए एम0एल0ए0 चुनकर आएंगे तो वे यह कहेंगे कि पहली बार तो पिकनिक वहीं पर मना कर आएंगे।

स्पीकर साहब, इस समय हाउस में होम मिनिस्टर साहब नहीं बैठे हैं लेकिन जो बात मैं कह रहा हूं उम्मीद है उसका उनको पता लग जाएगा। वहां पर सबसे बडी दिक्कत यह है कि

पुलिस के अन्दर एक रिवाज सा पडा हुआ है कि छोटे छोटे मुकदमों की भी गिनती होनी चाहिए। मैं इस तरफ चौधरी बंसी लाल जी का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि वहां पर 107/151 के छोटे छोटे जो मुकदमें हैं उनको पुलिस घटाने की बजाय बढा अधिक रही है। यदि किसी के पास दो बोतल भाराब की हैं और कोई हल्ला गुल्ला करते हैं तो उनका चालान जितना कम से कम हो सके करना चाहिए। ऐसे छोटे छोटे केसों का कम्परोमाइज पुलिस को मौके पर ही करा देना चाहिए अगर वहीं पर फैसला हो जाए तो फिर लोगों को कोर्ट के चक्कर नहीं काटने पडेंगे। आखिर कोर्ट में भी तो कुछ समय बाद वे आपस में कम्परोमाइज ही करते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी प्रकार से चहुमुखी प्रगति हरियाणा ने तीर्थ स्थानों की की है। चीफ मिनिस्टर साह, पीछे राद्दौर के जलसे में गए थे। इन्होने सुबह सुबर ब्रह्म–सरोवर और ज्योतिसर का विजिट किय। जब इन्होने वहां की हाल तदेखी तो कहा कि इसके ठीक रकन के लिये जितन `भी पैसे की आव यकता हेा, उसका ऐस्टिमेटस बना कर भेज देा। इन्होने ये आर्डर औन दा स्पोट ही दिए थे। उसका ऐस्टिमेटस बना कर अब भेज दिया गया है ओर काम भाुरू हो गया है। कुरूक्षेत्र के अन्दर सार न्दिुस्तान से तीर्थ स्थानों की थी, वह अब बदल चुकी है। इसी प्रकार से ब्रह्म–सरोवर का जो यूनिवसिटी साइड था उसकी मेन्टेनैन्स का काम भी 5 करोड़ रूपये की लागत से अन्डर कन्स्ट्रक ान है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जितने पैसे की आव यकता उस तीर्थ स्थान को सुन्दर बनानले की थी वह इन्होने दे दिए है। इनके

नोटिस में ला गया कि यूनिवसिटी के सामने सड़क बढ़िया होनी चाहिए, फोर लेन होनी चाहिए और उस पर पटड़िया होनी चाहिए। जो भी दिक्कत इनके नोटिस में लाई गई, उन सब को दूर किया जा रहा है। बड़ी भारी दिलचस्पी इन्होने वहां की सुन्दरता के लिए दिखाई है। इस बात के लिए हम चीफ मिनिस्टर साहब के धन्यवादी है। इसी प्रकार से हम देख रहे हहै कि चाहे फलगू का तीर्थ है या पेहवा का तीर्थ है, जितने भी हमारे तीर्थ है, उन सबको सुन्दर बनाया जा रहा है। अन्त में डिप्टी स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय ने जो अपना अभिभाशण हाउस मे पढ़ा है, उसके लिए धन्यवाद करत हुए मै अपना स्थान लेता हूं। वे बिल्कुल सच बोलते हैं। जो काम होने वाला नहीं होता उसके लिए वे ना कर देते हैं। मैं सभी मिनिस्टर्ज साहेबान से प्रार्थना करूंगा कि वे भी मुख्य मंत्री जी की आदतों को फालो करें। अगर ये भी मुख्य मंत्री जी की आदतों को फालो करेंगे तो हमारी स्टेट के अन्दर एक आद र्ा राज होगा और एक सच का राज होगा।

श्री अध्यक्षः आपका यह इ ाारा किसकी तरफ है ?

श्री लछमन सिंहः मेरा इ ाारा किसी की तरफ नहीं है। यह तो मैं एक जनरल बात हरेक के लिए कह रहा हूं। मुख्य मंत्री चौधरी बंसल लाल जी के आने के बाद काफी फर्क पडा है। पहले तो यहां लोग लारा लगाते थे। अब सभी समझ गए हैं कि लारा लगाने की बजाए तो 'ना' करना बेहतर है। अब तो ये लोग होने वाले काम के लिए 'ना' कर देते हैं और झूठा लारा नहीं लागते।

हरियाणा के लिए यह एक अच्छी परम्परा है। इस बात के लिए चौधरी बंसी लाल जी मुबारिकवाद के पात्र हैं। अब आफिसर्ज के अन्दर भी ऐसी ही भावना पैदा हुई है। अब अफसरों ने भी सच बोलना भुरू किया है इसके अन्दर कोई दो राय नहीं है। जब से चौधरी बंसी लाल जी चीफ मिनिस्टर बने हैं तब से हरियाणा की माइन्योरिटी कम्युनिटी में एक कांफिडैंस का वातावरण पैदा हुआ है। इस बात के लिए मैं इन्हें मुबारिकबाद देना चाहता हूं। अब हर आदमी महसूस करता हैकि आज हमारे उपर कोई जाली मुकदमा नहीं बनेगा, अब हमार`उपर ऐसी कोई बात नहीं हो सकती जिससे हम परे ाान किए जाए। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी प्रकार से चहुमुखी प्रगति हरियाणा ने तीर्थ स्थानों की की है। चीफ मिनिस्टर साह, पीछे राद्दौर के जलसे में गए थे। इन्होने सुबह सुबर ब्रह्म–सरोवर और ज्योतिसर का विजिट किय। जब इन्होने वहां की हाल तदेखी तो कहा कि इसके ठीक रकन के लिये जितन `भी पैसे की आव यकता हेा, उसका ऐस्टिमेटस बना कर भेज दो। इन्होने ये आर्डर औन दा स्पोट ही दिए थे। उसका ऐस्टिमेटस बना कर अब भेज दिया गया है ओर काम भुरू हो गया है। कुरूक्षेत्र के अन्दर सार न्दिुस्तान से तीर्थ स्थानों की थी, वह अब बदल चुकी है। इसी प्रकार से ब्रह्म–सरोवर का जो यूनिवसिटी साइड था उसकी मेन्टेनैन्स का काम भी 5 करोड़ रूपये की लागत से अन्डर कन्स्ट्रक ान है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जितने पैसे की आव यकता उस तीर्थ स्थान को सुन्दर बनानले की थी वह इन्होने दे दिए है। इनके नोटिस में ला गया कि यूनिवसिटी के

सामने सड़क बढ़िया होनी चाहिए, फोर लेन होनी चाहिए और उस पर पटड़िया होनी चाहिए। जो भी दिक्कत इनके नोटिस में लाई गई, उन सब को दूर किया जा रहा है। बड़ी भारी दिलचस्पी इन्होने वहां की सुन्दरता के लिए दिखाई है। इस बात के लिए हम चीफ मिनिस्टर साहब के धन्यवादी है। इसी प्रकार से हम देख रहे हहै कि चाहे फलगू का तीर्थ है या पेहवा का तीर्थ है, जितने भी हमारे तीर्थ है, उन सबको सुन्दर बनाया जा रहा है। अन्त में डिप्टी स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय ने जो अपना अभिभाशण हाउस मे पढ़ा है, उसके लिए धन्यवाद करत हुए मै अपना स्थान लेता हूं। जो बात मैं कह रहा हूं, यह एक जनरल सी बात है। हम सारे इकटठे हो कर जातपात का मुकाबला करें ताकि हम कामयाब हो सकें। स्पीकर साहब, कर्नल साहब भी यहां पर बैठे हैं। उम्मीद है कि वे मेरी बात को बडे ध्यान से सुनेंगे। आज हरियाणा के अन्दर एक आम चर्चा है। उसके बारे में चौधरी कंवल सिंह जी ने भी कहा था। हमारे अपोजी ान के जो नेता हैं उनकी तरफ से यह अफवाह फैलाई जा रही है कि ज्यों ही हम बरसरे इकतदार आएंगे हम किसानों के कर्जे माफ कर देंगे। स्पीकर साहब, मैंने कुछ डैटा कलैक्ट किया है कि हरियाणा के किसानों ने कितना कर्जा देना है। इसमें थोडा बहुत फर्क हो सकता है। स्पीकर साहब, इस साल तक हरियाण के किसानों ने लैण्ड मार्गेज बैंक का 204 करोड रूपए, को आप्रेटिव बैंक का, 198 करोड रूपए और ने ानेलाइज्ड बैकों का 386 करोड रूपया देना है। आज के दिन हरियाणा का किसान लगभग 800 करोड रूपए के नीचे दबा हुआ

है। मैं सरकार का ध्यान इस तरफ क्यों दिलाना चाहता हूं। इस बारे में भी मै। आपको एक बात बताना चाहूंगा। मेरे सामने ही कालका के अन्दर एक वाकया हुआ। एक किसान ने एक ट्रैक्टर का लोन लिया था। उसने उस लोन का पैसा जमा करवाना था। यह बात मैं मुख्य मंत्री जी के नोटिस में भी लाया हूं। जब वह आदमी बैंक में पैसे जमा करवाने के लिए आया तो उसका भाई भी वहां पर आ गया और उसको कहने लगा कि भाई लोन के पैसे जमा मत करवाना, यह तो माफ हो जाएगा। इस पर मैनेजर कहने लगा कि ाााई पैसे जमा करा दे नहीं तो तुझ पर बेकार का ब्याज पडेगा। यह बात मैं एक बार फिर सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं और इसके बारे में मैं मुख्य मंत्री जी से दरख्वास्त करूंगा कि वे कलियरकट पालिसी बताएं कि क्या 800 करोड रूपया जो हरियाणा सरकार का है, दूसरे बैंकों का है या नाबार्ड का है उसे कोई भी सरकार अगले इलैक ान के बाद किसी कायदे कानून के मुताबिक माफ कर सकती है ? स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि पि चमी बंगाल में सी0पी0एम0 की सरकार है। कम्युनिस्टों की वह बहुत प्रोगैसिव सरकार है। आप सभी इस बारे में अच्छी तरह जानते हैं। मैं हाउस की इतलाह के लिए बतलाना चाहता हूं कि ऐसे कर्जे को तो वे भी काफ नहीं कर सके। उन्होंने भी माना है कि यह पैसा उनका नहीं है। अकाली पार्टी ने भी अपने मैनिफैस्टों के अन्दर यह कहा था कि कोआप्रेटिव का 5 हजार रूपये तक का लोन माफ कर दिया जाएगा लेकिन वे भी आज तक उसको माफ नहीं कर सके। वे भी कहते हैं कि हमाचरी

भी कुछ लिमिटे ांज है। यह सौभाग्य था कि उस वक हमें एक ऐसे मुख्य मंत्री मिले जिनकी रूचि तरक्की के काम करने में थी सन् 1968 से 1975 तक इस प्रांत की बागडोरचौधरी बंसी लाल जी के हाथ में ही थी और इस बात को सब मानते है, इनके विरोधी भी मानते है कि उस समय हरियाणा मे ंपोलिटिकल स्टेबिलिटी रही ओर हरियाणा ने हर किस्म की तरक्की की। उस समय डिवैल्पमैट के कार्य कार्य जितने हरियाणा में हुए उतनी हिन्दुस्तान की किसी और स्टेट मे ंनही हुए। तरक्की के हिसाब से हिन्दुसतान की स्टेटस में हामर 11वा नम्बर था लेकिन चौधीर बसी लाल जी की रहुनमाई में जो कमा हुआ उसकी वहज से हम नम्बर 2 पर आ गए। उपाध्यक्ष महोदय, अगर तरक्की इसी तरह चलती रही, जिसकी मुझे उम्मीद है कि चलती रहेगी क्योंकि हमारे प्रांत के लोग मेहनती है अज्ञैर भाांतिप्रिय है मुणे पूरा वि वास है कि आनेवालेसमय में हम नं0 1 पर ही नही बल्कि दूसरी स्टेटस से बहुत आगे निकल जाएंगे और इस दे ा की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगे। 800 करोड रूपए अगर आप माफ कर सकते हैं तो फिर एस0वाई0एल0 के लिए सैन्टर से पैसा क्यों मांगते हैं ? आप नाथपा झाकडी प्रोजैक्ट के बारे में हिमाचल सरकार के साथ ऐग्रीमैंट क्यों नही कर पाये ? वह आप इसीलिए नहीं कर पाये कि भारत सरकार ने कह दिया कि आपके पास तथा हिमाचल सरकार के पास इतेन सोसिर्ज नहीं हैं। जब आपके पास मैंटीनैंस का सोर्स नहीं, नई सडकें बनाने का सोर्स नहीं, पब्लिक हैल्थ डिपोर्टमैंट के जरिए लोगों को पानी देने का सोर्स नहीं तो 800 करोड रूपया

आप एक कलम से कैसे माफ कर सकते हैं ?This is a very important point Sir, मैं आपकी मारफत चीफ मिनिस्टर साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे इस बारे में डिटेल्ड जवाब दें कि सरकार की क्या नीति है ? मैं तो सरकार को यह सुझाव भी दूंगा that on this subject it must come out with a white paper हमें क्लीयरली पता लगना चाहिए कि गवर्नमैंट की क्या नीति है क्योंकि हम लोग इसमें फंसे हुए हैं और लोग इस बारे में हमारे से पूछते हैं। मैं आपसे भी दरख्वास्त करूंगा कि आप भी गवर्नमैंट को कहें कि वे इस बारे में हमें अव य बताएं क्योंकि यह एक बर्निंग इ ा है और हरेक व्यक्ति के सामने यह मामला दरपे ा है। बेहतर तो यह रहेगा कि अखबारेां में भी इसकी ऐडवर्टाईजमैंट आए और यह ऐडवर्टाईजमैंट अंग्रेजी अखबारों की बजाए उर्दू और हिन्दी के पेपर्ज में होनी चाहिए। दूसरी स्टेटस का उदाहरण भी हमारे सामने है। उनमें कम्युनिस्ट राज वाली स्टेट भी है, पंजाब भी है और हिमाचल प्रदे ा भी भाामिल है। जब कोई स्टेट इस तरह के कर्जे को माफ नहीं कर पाई तो आप कैसे कर पाएंगे ? अगर माफ करेंगे तो जो यह नैक्सट ईयर के लिए लगभग 300 करोड रूपये के कर्जे का प्रोविजन रखा है यह कैसे दे पाएंगे ? फिर कर्जा एक किस्म का नहीं होता, कहीं सीडज का कर्जा है, कहीं फर्टिलाइजर हूं कि फिर हिन्दुस्तान में कोई कर्जा लेकर वापस देना नहीं चाहेगा। तो मैं आपके जरिए चीफ मिनिस्टर साहब से दरख्वास्त करूंगा कि मैंने जो बातें कही हैं उनके बारे में वे पता करके हाउस में जवाब दें।

श्री भले राम (बडौदा–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण 23 तारीख को दिया मैं उसका समर्थन करता हूं। गवर्नर साहब का अभिभाशण सरकार ने पिछले साल जो काम किए और आगे जिन कामों को करने का प्रोग्राम है, पौलिसीज हैं उनका एक लेखा जोखा होता है। गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण में कहा कि हरियाणा में बिल्कुल भाांति है और हमारी जो पुलिस है, हमारे जो जवान हैं उन्होंने हरियाणा में किसी प्रकार की गडबड नहीं होने दी। इसमें कोई भाक की बात नहीं है कि हरियाणा की पुलिस बहुत बढिया है और डिस्पिलिन्ड है। पंजाब में जो कुछ हुआ, जो गडबड होती है या जो लोग मारे जाते हैं उसके बारे में सुनने में आता है और अखबारों में भी हम पढते हैं कि पुलिस चूंकि लापरवाही बरतती है इसलिए ऐसा होता है। कई बार तो उनके कर्मचारी और अधिकारी डिसमिस भी होते हैं। लेकिन हमारी पुलिस में ऐसी बात नहीं है। इस प्रदे ा की पुलिस ने हरियाणा की बहुत सेवा की है। स्पीकर साहब, पुलिस की काफी लम्बे समय से कुछ डिमांडज चली आ रही थी। आपको याद होगा कि इन मांगों को लेकर के मधुबन में हडताल भी हुई थी। बहुत से सिपाही डिसमिस हुए थे और कोर्टस में केस चले थे। वे डिमांडज चाहे तनख्वाह की थीं, चाहे डी0ए0 की थीं या वर्दी वगैरा की थीं उन्हें बंसी लाल जी की सरकार ने माना है और इससे पुलिस का हौंसला बुलन्द हुआ है।

स्पीकर साहब, हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रदे ा हो और यहां फार्मर्ज का ध्यान न रखा जाए यह भी अच्छी बात नहीं। यहां सबसे जरूरी बात यह है कि किसानों को प्रायरिटी देनी चाहिए। उनकी जो प्रौब्लम्ज हैं उनकी तरफ ध्यान देना निहायत जरूरी है। स्पीकर साहब, आप तो खुद किसान हैं और आप जानते हैं कि किसान कितनी मेहनत से काम करते हैं। उनके बारे में किसी ने ठीक ही कहा है–

किसान की कमाई किसान जाने सै,

और ने के बेरा भगवान जाने सै।

यही नहीं जब फलड आता है और किसान के खेत में पानी आ जाता है तो किसान की क्या हालत होती है उसके बारे में भी किसी ने कहा है–

जमींदार तेरा हाल देख कर मेरा कालजा धडके,

सारी कौम तरक्की कर गी लड कर और झगड के,

स्पीकर साहब, प्रदे ा में हर साल फलड आते हैं और हम हर साल सुरजेवाला साहब से मांग करते हैं कि फलां ड्रेन बनाई जाए क्योंकि वहां खेतों में पानी भर गया है। इस पर काम के लिए 12 करोड रूपये रखे गए हैं। हरियाणा में बाढ अफैक्टिड एरिया 18.50 लाख हैक्टेयर था। इसमें से लगभग 16 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को तो बाढ के प्रकोप से बचा लिया गया है लेकिन

2 लाख हैक्टेयर एरिया अभी बचता है। इसके बारे में मेरा सरकार को सुझाव है कि इसका पर्मानैंन्ट इलाज हमें करना चाहिए। सारे हरियाणा का सर्वे करवा कर जहां नई ड्रेन्ज को बनाने की जरूरत हो उन्हें वहां बनाया जाए। ड्रैन्ज की सफाई तो अक्सर होती रहती है क्योंकि इसके लिए हर साल बजट में पैसा रखा जाता है।

स्पीकर साहब, प ुधन भी फार्मर्ज के लिए बहुत जरूरी है। यह अच्छी बात है कि वर्श 1987–88 में 40 नई डिस्पैंसरियां खोली जाएंगी और 30 डिस्पैंसरियां अपग्रेड होंगी। स्पीकर साहब, बरसात के मौसम में प ु बडे बीमार होते हैं। हस्पताल बहुत दूर हैं। वहां मवे ियों को ले जाने में बडी मु कल होती है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि ऐनीमल हसबैंडरी के लिए ज्यादा पैसे का प्रावधान किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरी कांस्टिचुऐंसी के गांव भावड़ में एक किसान की 17 भैंसे मर गई थी। बताते हैं कि वे जहर से मरीं। जहर पता नहीं चारे में था या पानी में था इस बात का पता लैबोरेटरी में टैस्ट करवाने से भी नहीं लग सकता। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि प ु चिकित्सा डिस्पैंसरीज का मेरी कांस्टिचुऐंसी के गांव भावड और छतहरा में होना बहुत जरूरी है। दोनों जगह बिल्डिंग्ज अवेलेबल हैं।

स्पीकर साहब, डिस्ट्रिक्ट प्लान की स्कीम भी बहुत अच्छी है। हरेक जिले में डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग बोर्ड है। हर जिले का एम0पी0 और एम0एल0एज0 उसके मैम्बर हैं। सभी जिलों के डिस्ट्रिक्ट प्लान्ज साढे पांच करोड रूपये के थे। इसमें से 38 लाख

रूपया सोनीपत जिले के हिस्से आया जिसमें से 7 लाख रूपया हरिजन चौपालों के लिए दिया गया। इसमें से हरेक ब्लौक को एक एक लाख रूपया मिला। कभी भी इतना पैसा चौपाल बनाने और स्लम्ज क्लीयरैंस आदि के लिए नहीं दिया जाता था। दुर्भाग्य से इस दि ाा में प्रगति नही हुई। बरनाला साहब की नीयत पर हम डाउट नही कर सकते। वे तो इसे बनवाने की कोि ा ा कर रहे है लेकिन पंजाब की स्थिति ऐसी है। जिसमें इसे बनवाना बरनाला साहब के व ा की बात नही है। जिस गति से यह काम चलना चाहिए था वह नही चल रहा है इसीलिए हमारी सरकार का यह प्रयत्न रहा है कि नहर के बनाने का काम सैन्टर अपने हाथ में ले ताकि सुचारू रूप से काम चल सके। काफी समय निकल गया है। लेकिन अब भी यदि नहर बन कर तैयार हो जाए और हमारे हिस्से का पानी हमे मिल जाए तो वह पानी महेन्द्रगढ और भिवानी के सूखे इलाके में पहुंचेगा और वह भी हरियाणा की तरक्की में अपना योगदान दे सकेगा। सरकार के इस कदम की सैन्टर इस नहर को बनवाए हाउस को सराहना करनी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, लोगो ंको पूरा वि वास है कि यह सरकार इस नहर को जल्दी बनवाएगी। पिछले चार पांच महीनों में जो पब्लिक मीटिग्ज हुई है। इतना ही नहीं आठवीं और दसवीं तक के बच्चों को किताबों के लिए भी पैसा मिलेगा। इस स्कीम के तहत 2.04 से 2. 96 लाख तक बच्चों को सन 1987–88 में फायदा मिलेगा। लेकिन मैं आपके जरिए एक बात कहना चाहता हूं। दसवीं, ग्यारहवीं तक 20 रूपये स्कालरि ाप का रेट रखा हुआ है और उसके बाद

कालेज में पचासए रूपये रखा हुआ है। यह रेट बहुत कम है। महंगाई को देखते हुए यह रेट बढना चहिए। स्पीकर साहब, जो बच्चे दसवीं या आठवीं के इम्तहान में बैठते हैं उनसे परीक्षा फीस ली जाती है। इस ली हुई फीस को वापिस तो किया जाता है परन्तु बहुत समय के बाद किया जाता है। पहले ऐजुके ान महकमा बोर्ड को फीस के पैसे देता है, फिर बोर्ड उन पैसों को बच्चों को वापिस करता है। यह प्रोसैस काफी कम्पलीकेटिड हैं मैं चाहूंगा कि ऐजूके ान डिपार्टमैंट पहले ही ऐजुके ान बोर्ड में फीस जमा करा दे ताकि ऐजूके ान बोर्ड उन बच्चों की फीस जल्दी वापिस कर सके।

स्पीकर साहब, इसके अलावा हमारे यहां हरिजन कल्याण निगम और बैकवर्ड क्लासिज निगम हैं। ये दोनों निगम भिन्न भिन्न कामों के लिए लोगों को पैसा देती हैं। हरिजन कल्याण निगम ने 16 हजार लोगों को असिस्टैंस दी हैं और बैकवर्ड क्लासिज निगम ने चार हजार लोगों को असिसटैंस दी हैं। ये निगम जिन बैंकों को केसिज रिकमैंड करके भेजती हैं वे उन्हें पूरी तरह से इम्पलीमैंट नहीं करते हैं। इन बैंको की तो यह हालत है कि सरकार की तरफ से गारन्टी दी जाती है लेकिन इसके बाद भी पैसा नहीं देते हैं। जब सरकार गारन्टी देने के लिए तैयार है तो फिर तो पैसा दिया जाना चाहिए। कितने ही केसिज में जमानत दी हुई होती है लेकिन उसके बाद भी बहुत सी ऐप्लीके ान्ज इन बैंको के पास पैंडिंग पडी हैं। इस बारे में कोई कमेटी होनी

चाहिए जो ऐसे मसलों को देखें। जो बैंक हमारे साथ कोआप्रेट नहीं करते हैं उनमें पैसा जमा न कराया जाये। जैसे पंजाब नै ानल बैंक है, वह हमारे साथ कोआप्रेट नहीं करता है तो वहां पैसा जमा न कराया जाये। सरकार अपना पैसा उन बैंकों में जमा कराये जो हमारे साथ कोआप्रेट करते हैं या हमें कर्जा देते हैं। जैसे ओरिएन्टल बैंक है, वह हमारी सहायता करतो है उसमें पैसा सरकार जमा कराये। इसलिए ऐसे बैंको से हमें निपटना पडेगा जो हमें ऐम्पलाएमैंट के लिए पैसा नहीं देते हैं।

स्पीकर साहब, सरकार ने एक नयी स्कीम बनाइ है जो अनुसूचित जातियों की विधवाओं, निराश्रित और विकलांग महिलाओं की पुत्रियों के विवाह के लिए सहायत देने हेतु आगामी वित्त वर्श से भाुरू की जाएगी। इस स्कीम के तहत अढाई हजार रूपये उनकी लडकी की भाादी में सहायता हेतु दिये जायेंगे। चीफ मिनिस्टर साहब ने बहुत अच्छा कदम लिया है लेकिन आप जानते हैं कि इस अढाई हजार में कहां भाादी होती है ? इस अमाउन्ट को बढाया जाना चाहिए। पांच हजार तो सगाई पर ही खर्च हो जाते हैं। उसके बाद जब लडकी बाना बैठेगी तो बाकलियों और पतासों पर भी काफी खर्च हो जाता है। इस आधे पैसे को तो भात्ती आते हैं वे ही खा जायेंगे। फिर भाादी में कपडा चाहिए और जो लड़कियों या बटेऊ आते हैं उन्हें भी देना होता है। इसलिए यह पैसा बहुत थोडा है, इसे बढाया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि जिस लडकी का भाई ही न हो तो

उसके दिल पर तो और भी ज्यादा बुरी बीतती है। जब वह डोली में बैठती है तो उसके दिल में इतना दुःख होता है जिसे बयान नहीं किया जा सकता। इसलिए मैं प्रार्थना करूंगा कि इस रा ि ा को बढा कर कम से कम पांच हजार कर दिया जाये। अगर इस रा ि ा को नहीं बढाया जाता है तो फिर गरीब आदमी किसी के यहां अंगूठा लगायेगा और उससे ब्याज पर पैसे लेगा। वह यूं का यूं ही कर्जदार रहेगा।

स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने एक बहुत ही अच्छा कदम लिया है कि लैन्ड मार्गेज बैंक से बगैर गारन्टी के गरीब लोगों को अपना रोजगार चलाने के लिए कर्जा मिलेगा। यह बैंक पहले जमीन वालों को कर्जा देता था, लैन्डलैस को नहीं देता था। लेकिन अब सरकार ने बहुत अच्छी स्कीम निकाली है; बिना जमीन वालों को भी इस बैंक से कर्जा मिलेगा। एक बात मैं सरकार के नोटिस में और भी लाना चाहिा हूं कि जो हमारे कोओप्रेटिव बैकों के मिनी बैंक्स हैं वे जमीन वालों को भी और बिना जमीन वालों को भी कर्जा देते हैं लेकिन वे इन दोनों के ब्याज में अन्तर करते हैं। यह बात कहां तक सच है या गलत है, इस बारे में मालूम किया जाना चाहिए लेकिन मुझे किसी ने बताया है कि लैन्डलैस से कर्जे का ब्याज ज्यादा लिया जाता है। मिनी बैंक्स फार्मर्ज को खेती के लिए पैसा देते हैं लेकिन जो नौन ऐग्रीकल्चरिस्टस हैं उनको दूसरी चीजों के लिए पैसा देते हैं। नौन ऐग्रीकल्चरिस्टस से साढे पन्द्रह परसैंट ब्याज लिया जाता है लेकिन ऐग्रीकल्चरिस्टस से

साढे ग्यारह परसैंट लिया जाता है। यह बात मेरे नोटिस में आयी है। इस बारे में दिखवा लिया जाये। अगर यह डिस्क्रिमिने ान है तो यह नहीं होनी चाहिये।

इसके अलावा मैं पुलिस के बारे में भी जिक्र करना चाहता हूं। चौधरी बंसी लाल जी जब पहले मुख्यमंत्री थी तो इन्होंने हरिजन बच्चों को भर्ती करने के लिए स्टैंडर्ड कुछ कम कर दिया था क्योंकि हरिजन बच्चे पढे लिखे भी कम होते थे और उनकी छाती भी कम होती थी। इसलिए दूसरों के मुकाबले में उनकी छाती 33 इंच की बजाए 32 इंच कर दी थी और ऐजुके ानल क्वालिफिके ान भी मैट्रिक की जगह पर नान मैट्रिक और आठवीं पास कर दी थी। लेकिन पता नहीं क्यों 14–3–1986 को एक चिटठी इ ा हुई कि हरिजन बच्चों को जनरल की तरह ही भर्ती किया जायेगा। यह चिटठी चौधरी बंसी लाल जी के आने से पहले की है। इसलिए मैं होम मिनिस्टर साहब से दरखास्त करूंगा कि हरिजन बच्चों का स्टैंडर्ड वहीं रखा जाये जो 14–3–1986 से पहले था।

जहां तक ऐजूके ान की बात है उस तरफ सरकार बहुत ध्यान दे रही है। हर साल काफी स्कूलों को अपग्रेड करती है और नये स्कूल खोलती है। लेकिन मेरा सुझाव है कि वहां पर दो दो पोस्टस ही दी जानी चाहिए। स्पीकर साहब, सरकार ने ड्राईंग टीचर्स के लिए भी बहुत अच्छा कदम लिया है। वे 12–13 साल से अनएम्पलाइड थे। उनकी पोस्टस बहुत कम थीं। इसलिए वे लगते

नहीं थे। इस साल सरकार ने फैसला लिया है कि उनको छः महीने का जे0बी0टी0 का कोर्स करा कर उन्हें जे0बी0टी0 टीचर लगा दिया जायेगा। जे0बी0टी0 अब बेकार नहीं हैं, वे लग चुके हैं। इसके अलावा पी0टी0आई0टीचर्जे भी हैं जो केवल 1500 या 1800 हैं। उनको भी 15–15 साल से नौकरी नहीं मिली हैं। इन पी0टी0आईज0 की पोस्टस भी खाली पडी हैं, उन्हें भी भरा जाये या इन्हें भी कोई ट्रेनिंग या कोर्स करा करके लगाया जाये ताकि इनकी भी बेकारी दूर हो सके। अन्त में मैं एक बात और कहना चाहूंगा। स्पीकर साहब, सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है जो यह फोर्थ पे कमी ान की रिकमैंडेक ांज लागू करने जा रही है। ऐम्पलाईज बार बार इसका जिक्र करते हैं। मैंने उनसे कहा कि बात सुनो। कुछ लोग हैं जो आपको बहकाते हैं। चौधरी बंसी लाल जी जो कहते हैं, वही करते हैं।

ठाकुर बहादुर सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मैम्बर साहेबान और मिनिस्टर साहेबान तो कुछ बाहर चले गये हैं और आफिसर्ज की गैलरी सारी ही खाली है। इनकी बात कौन सुनेगा और कौन जवाब देगा ? (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः उपर गैलरी से सभी हैडज आफ दी डिपार्टमैंटस वहां बैठे हुए हैं।

श्री भले रामः यह महज ऐलीगे ान के लिये हैं कि आपको कुछ नहीं मिलेगा। कुछ लोगों ने उनको बहकाया और रैलियां भी कीं। यह बता ठीक की प्रजातन्त्र में हरेक को अपनी मांग रखने का अधिकार है लेकिन चीफ मिनिस्टर साहब ने अब तो अपनी कैबिनेट मीटिंग से भी यह फैसला करा दिया है कि यह ग्रेड पहली अप्रैल से नकद में मिलेंगे। मैं यह चाहूंगा कि जो सैन्ट्रल पे कमी ान की रिकमैंडे ांज की इम्पलीमैंटे ान के लिये कमेटी बैठी हुई है, वह जल्दी अपनी रिपोर्ट दे ताकि ऐम्पलाईज को संतोश हो सके। इसके साथ ही मैं ऐम्पलाइज से भी प्रार्थना करूंगा कि किसी भी सरकार की सफलता या असफलता वहां के कर्मचारियों पर निर्भर करती है। कर्मचारी किसी भी स्टेट की म ीनरी होते हैं। मैं स्टाफ से भी यह प्रार्थना करूंगा कि वह भी लग्न से व ईमानदारी से सरकार की जो पौलिसी है, या जो प्रोग्राम्ज हैं,ख उनकी इम्पलीमैंटे ान में सहयोग दें। आप सभी जानते हैं कि रैड टैपिज्म करप ान को बढावा देती हैं। अब हमने भी कई बार देखा है कि जो जायज काम होते हैं, वह भी कई कई दिनों तक पैंडिंग पडे रहते हैं। इसलिये जहां ऐम्पलाइज मांग करते हैं, वहां पर उन्हें सरकार का साथ भी देना चाहिये। मैं इस बात की भी उम्मीद करता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी के होते हुए किसी भी ऐम्पलाई को किसी भी प्रकार को कोई कश्ट नहीं होगा। यह बात उनकी अलग है कि वे अगर हां करते हैं तो पक्की करते हैं, कच्ची नहीं करते। यह नहीं कि कहते कुछ और हां और करते कुछ और हों। इसलिये उनको सरकार का साथ देना चाहिये। इन भाब्दों के साथ

स्पीकर साहब, मैं इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

चौधरी इन्द्र सिंह नै (बरवाला): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर डिबेट चल रही है। चौधरी ई वर सिंह जी ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव इस हाउस में प्रस्तुत किया है, उसके समर्थन में बोलने के लिए मैं खडा हुआ हूं। मेरे से पहले साथियों ने ऐड्रैस के बारे में बहुत कुछ कहा है। जब गवर्नर साहब ने इस ऐड्रस को पढा तो मैंने भी साथ साथ इसको पढा और समझा है। सबसे पहले गवर्नर साहब ने जो प्रायरिटी दी है, वह भाान्ति और एस0वाई0एल0 के लिये दी है क्योंकि हरियाणा कृशि प्रधान प्रदे ा है। वैसे तो सारा दे ा ही कृशि प्रधान है लेकिन इसमें जो एस0वाई0एल0 की बात की गयी है, यह हरियाणा की लाईफ लाईन है। लोग इस बात की इन्तजार कर रहे हैं कि कब यह नहर पूरी होगी। इसके बारे में हमारी सरकार ने और चौधरी बंसी लाल जी ने सैंटर को बडे जोर से कहा भी है कि इसका जो काम है, वह सैंटर अपने हाथों में ले ले। इस हाउस में भी नौन आफि ीयलय डे वाले उिदन एक रैजोल्यू ान पारित किया गया था कि इसका जो काम है, वह केन्द्रीय सरकार संभाल ले ताकि लोगों को यह वि वास हो जाये कि सैंटर इस नेहर को जल्दी बना देगा। आज हमें नीली क्राांति की भी जरूरत हैं आपको मालूम है कि समुद्र में कितनी मछली रहती है हालांकि उसका पानी साल्टि ा होता है इस हिसाब से

हरियाणा में मछली का उत्पादन ज्यादा हो सकता है मेवात में कुछ मछली उत्पादकों ने एक एकड़ पर एक लाख रूपया मछली के उत्पादन से लिया है। इसलिए फि ारीज की और ज्यादा ऐक्सपै ान की जरूरत है। जब 1978 में बहुत फ्लड आ गया था तो उस समय के मुख्य मंत्री श्री देसाई साहिब ने मीटिग करके साहिबी नदी की स्कीम बनाई थी जिस पर सारा पैसा हरियाणा लगा था। साहबी नदी पर मसानी बैराज का सिर्फ गेटों का काम बाकी रहत है अगर वह मुकम्मल हो जाए ो उससे अगला इाका बच सकता है साथ ही जो पानी होगा वह इरीगे ान के लिए इस्तेमाल हा सकता है। ड्रैनेज से हारा 16 लाख हैक्टेयर का इलाका फ्लड से सेव हुआ है। हम खुद देखते है कि कैथल के आस पास जो सदन कुरूक्षेत्र का हिस्सा है इसमें 1968–69 में बहुत फ्लड आया था। तीन तीन फुट तक पानी खड़ा था और कैथल जाने के लिए कोई रास्ता नही था। अब इन ड्रैनों से बहुत फायदा हुआ है। मेवात मे गोन्छी ड्रेन है और उजीना डाइव र्न ड्रेन है। चालीस करोड़ रूपया एक ड्रेन पर लगा है। इस तरह से हरियाणा के बहुत से हिस्सों को हमन ड्रेनेज सिस्टम से बचाया है। आजादी से पहले जमना में बहुत बाढ़ आती थी और खादर का पूरा इलाका डूब जाता था। जमना के किनारों पर बांध बांध कर इस इलाके को बाढ़ से बचाया गया। फिरभी अभी अम्बाला के इलाकों मे और बांधो की जरूरत है लेकिन ज्यादातर हिस्सा कवर हो चुका है। हम देखे है कि बांध क अन्दर जमीन की कुछ कीमत हजै ओर उसक बाहर की जमीन की कीमत उससे चार गुना है। यह सारी

डिवैल्पमैट की नि ाानी है। चौधरी बंसी लाल को डिवैल्पमैट का भाौक है। उन्होने हर गांव में बिजली पहुंचाई हर गांव की सड़क के साथ जोड़ा। हर गांव को पीने का पानी दिया, हर खेत को पानी दिया। यह कोई छोटी बात नही है। ये सारे डिवैल्पमैंट के ही काम है। यह एक रिकार्ड की बात है कि जब से हरियाणा बना है यानी 1966 से लेकर 1987 तक हरियाणा ने जो तरक्की की है, वह अलग होने की वजह से हुई है। अगर हम अलग न होते तो यह तरक्की न होती। यह बात मैं दावे के साथ कह सकता हूं। हमने हर मामले में तरक्की की है। अगर मैं सारी बातें यहां पर कहने लग जाऊं तो भाायद एक महीना लग जाये। हरियाणा ने आल राउन्ड प्रोग्रैस की है। चौधरी बंसी लाल जिसको लोह पुरूश कहते हैं, जो जुबान से कहता है, वह ही करता है। यह एक बडी बात है। राजनीति में लोग एतबार पेदा करने के लिये कुछ कुछ कह जाते हैं लेकिन चौधरी बंसी लाल सात साल तक मुख्य मंत्री रहे और जो उनके समय में तरक्की हुई है, उसको सारा दे ा जानता है। इंदिरा गांधी जी जहां पर भी जाती थीं यह जरूर कहती थीं कि अगर तरक्की देखनी है तो हरियाणा में चौधरी बंसी लाल के राज्य में जाकर देखो। यहां की तरक्की करके उसके बाद चौधरी बंसी लाल सैन्टर में चले गए। वहां भी इन्होंनें बहुत से अच्छे काम किए और हरियाणा के एिल भी वहां बैठकर काम किए। हमारे प्रधानमंत्री जी दुबारा इनको हरियाणा का मुख्य मंत्री बनाया है। अभी सरदार लछमन सिंह जी कह रहे थे कि चौधरी बंसी लाल के आने से माइन्योरिटी क्यूनिटी में जान और माल की

हिफाजत का वि वास पैदा हुआ है। स्पीकर साहब, मैं यह दावे के साथ कह सकता हूं कि चौधरी बंसी लाल के आने से न केवल माइन्योरिटी कम्यूनिटी में ही वि वास पैदा हुआ है बल्कि हर वर्ग में, चाहे वह किसान है, मजदूर है और चाहे व्यापारी है, मैं इस बात का वि वास पैदा हो गया है कि चौधरी बंसी लाल के राज्य में किसी किस्म की दिक्कत नहीं होगी और किसी बहू बेटी की इज्जत नहीं लूटी जा सकती क्योंकि अब प्रान्त में कानून और व्यवस्था बहुत अच्छी है। स्पीकर साहब, ऐडमिनिस्ट्रे ान हमे ाा सख्ती से चलता है और इन्साफ करने से चलता है।

अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब ने इस ऐड्रैस में जो पिछले साल की उपलब्धियां थीं, जो प्रोग्रैस थी वह तो द ार्यी ही है लेकिन उसके साथ साथ आगमी येाजना भी बनाई है कि हमारी सरकार क्या करने जा रही है। मेरे साथियों ने एक एक बात डिटेल में डिस्कस की है। मैं भी आपके माध्यम से कुछ कहना चाहूंगा। आज हमें नीली क्राांति की भी जरूरत हैं आपको मालूम है कि समुद्र में कितनी मछली रहती है हालांकि उसका पानी साल्टि ा होता है इस हिसाब से हरियाणा में मछली का उत्पादन ज्यादा हो सकता है मेवात में कुछ मछली उत्पादकों ने एक एकड़ पर एक लाख रूपया मछली के उत्पादन से लिया है। इसलिए फि ारीज की और ज्यादा ऐक्सपै ान की जरूरत है। जब 1978 में बहुत फ्लड आ गया था तो उस समय के मुख्य मंत्री श्री देसाई साहिब ने मीटिग करके साहिबी नदी की स्कीम बनाई थी जिस

पर सारा पैसा हरियाणा लगा था। साहबी नदी पर मसानी बैराज का सिर्फ गेटों का काम बाकी रहत है अगर वह मुकम्मल हो जाए ो उससे अगला इाका बच सकता है साथ ही जो पानी होगा वह इरीगे ान के लिए इस्तेमाल हा सकता है। ड्रैनेज से हारा 16 लाख हैक्टेयर का इलाका फ्लड से सेव हुआ है। हम खुद देखते है कि कैथल के आस पास जो सदन कुरूक्षेत्र का हिस्सा है इसमें 1968–69 में बहुत फ्लड आया था। तीन तीन फुट तक पानी खड़ा था और कैथल जाने के लिए कोई रास्ता नही था। अब इन ड्रैनों से बहुत फायदा हुआ है। मेवात मे गोन्छी ड्रेन है और उजीना डाइव ान ड्रेन है। चालीस करोड़ रूपया एक ड्रेन पर लगा है। इस तरह से हरियाणा के बहुत से हिस्सों को हमन ड्रेनेज सिस्टम से बचाया है। आजादी से पहले जमना में बहुत बाढ़ आती थी और खादर का पूरा इलाका डूब जाता था। जमना के किनारों पर बांध बांध कर इस इलाके को बाढ़ से बचाया गया। फिरभी अभी अम्बाला के इलाकों मे और बांधो की जरूरत है लेकिन ज्यादातर हिस्सा कवर हो चुका है। हम देखे है कि बांध क अन्दर जमीन की कुछ कीमत हजै ओर उसक बाहर की जमीन की कीमत उससे चार गुना है। यह सारी डिवैल्पमैट की नि ानी है। चौधरी बंसी लाल को डिवैल्पमैट का भौक है। उन्होने हर गांव में बिजली पहुंचाई हर गांव की सड़क के साथ जोड़ा। हर गांव को पीने का पानी दिया, हर खेत को पानी दिया। यह कोई छोटी बात नही है। ये सारे डिवैल्पमैंट के ही काम है।

स्पीकर साहब, हमारा ट्रांसपोर्ट सारे भारत में प्रथम रहा है। बहुत अच्छी सर्विस है। दिल्ली से जब चलते हैं और जहां बस में झटके लगने बन्द हो जाएं तो समझ लीजिए कि हरियाणा भुरू हो गया। ट्रांसपोर्ट विभाग ने बहुत अच्छी सेवा की है। मैं आपके माध्यम से ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर साहब से एक अर्ज करना चाहता हूं। वे यहां बैठे नहीं हैं लेकिन मुझे उम्मीद है कि वे मेरी बात सुन रहे होंगे। स्पीकर साहब, मेरा कस्बा बरवाला ब्लौक हैडक्वार्टर है। वहां के लोगों की मांग है कि एक में इसके लिए इकबाल बन चुका है, स्टेटस बन चुका है, इमेज बन चुका है। वे जहां भी जायेंगे वहां ही तरक्की होगी और इस बात का सबूत हरियाणा ने दे दिया ही दिया है।

अध्यक्ष महोदय, 20 सूत्री कार्यक्रम केन्द्र सरकार ने बनाया है और उसी के अन्तर्गत हरियाणा ने बहुत सा काम किया है। हरियाणा सरकार के पास बहुत सी स्कीमें हैं। आई0आर0डी0पी0, एन0आर0ई0पी0 और आर0एल0ई0जी0पी0 वगैरह वगैरह। ये सारी स्कीमें 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत चल रही हैं और इनके माध्यम से बहुत काम हुआ है और हो भी रहा है

स्पीकर सर, बिजली की भी आज हरियाणा के अंदर हर क्षेत्र में आव यकता है चाहे ऐग्रीकल्चर हो, चाहे इंडस्ट्रीज हो, सभी जगहों पर बिजली की बडी आव यकता है। स्पीकर साहब, पिछले दिनों हम पी0ए0सी0 कमेटी के साथ हरियाणा के टूर पर

गये थे और हमारे साथ पौल्यू ान बोर्ड के चेयरमैन श्री प्रभाकर भी थे। जहां पर भी हम गये, सभी इंडस्ट्रीज वालों ने हम से यही कहा कि हमारे पास बिजली का काफी अभाव रहता है। अगर हमें बिजली पूरी मात्रा में मिले तो हमारा हरियाणा भारत में सबसे आगे हो सकता है और प्रोडक ान भी तिगुनी हो सकती है। इसलिये बिजली की प्रोडक ान पर काफी ध्यान दिया जाना चाहिये। गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में भी कहा है कि इस साल कई नये प्लांटस लगाये जा रहे हैं और जो आलरेडी लगे हुए हैं उनकी प्रोग्रैस को इम्प्रूव किया जा रहा है। इसलिये मेरा कहना है कि बिजली की हरियाणा की तरक्की के लिये बडी आव यकता है। मुख्य मंत्री महोदय ने भी पब्लिक जलसों में कहा है कि हरियाणा के अन्दर 25000 टयूबवैल्ज के और कनैक ान्ज दिये जायंगे। यह बडी अच्छी बात है इसके साथ साथ मैं भी एक सजै ान सरकार को दूंगा कि गांवों में जो वायर जाती ळे, वह बहुत लूज है और जिसके मकान के उपर से वे तार गुजरते हैं उनको इससे खतरा हो सकता है। इसलिये सरकार इस तरफ ध्यान दे ताकि किसी जान माल का नुकसान न हो। इसी तरह से जो बिजली के खम्भे हैं, वे भी गलत जगहों पर लगाये हुए हैं, जिससे किसानों को और दूसरे लोगों को काफी रूकावट होती है। इसके लिए मैं आई0पी0एम0 साहब से रिकवैस्ट करूंगा कि वे इस ओर ध्यान दें। जब कभी हम इस बारे प्र न करते हैं तो केवल यही कह कर बात को खत्म कर दिया जाता है कि अभी सरकार के पास फण्डज अवेलेबल नहीं हैं। मेरी सरकार से रिकवैस्ट है कि सरकार इस बाम में रूचि ले और इस

मामले में विभाग वालों को हिदायतें जारी की जाएं कि जो पोल्ज गलत जगहों पर गडे हुए हैं उनको वहां से हटाया जाए। इससे किसानों को और दूसरों लोगों को काफी फायदा हो सकता है।

स्पीकर सर, मैं कोआप्रेटिव सैक्टर के बारे में भी कुछ कहना चाहूंगा। इस सैक्टर में भी हरियाणा ने काफी तरक्की की है लेकिन महाराश्ट्र की बराबरी इस क्षेत्र में हम नहीं कर सकते हैं। फिर भी कुछ तरक्की तो अव य की गयी है। इस विभाग के अन्तर्गत सरकार भूना कैथल गोहाना वगैरह में तीन नई भूगर मिल्ज लगाने जा रही है। कोआप्रेटिव लैंड मार्गेज बैंक, वर्श 1987–88 के दौरान अपने 64 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के माध्यम से 70 करोड रूपये का कुल कर्जा लोगों को देगा। हरियाणा हैफड का इस वर्श एक चावल मिल और अगले वर्श एक और चावल मिल स्थापित करने का प्रस्ताव है। जाटुसाना में एक प्लांट लगाया जा रहा है। व्हीट और पैडी की प्रोक्योरमैंट में हैफड ने सबसे ज्यादा योगदान दिया है और इसके द्वारा 84 परसैंट व्हीट की प्रोक्योरमैंट की गयी थी। किसानों को पैसा भी तुरन्त दिया गया जिससे किसानों को काफी लाभ हुआ है।

अनुसूचित जाति के लोगों और पिछडे वर्गों के लोगों के बारे में पहले ही मेरे कई माननीय सदस्य यहां पर कह चुके हैं। मैं तो केवल इतना ही कहूंगा कि कांग्रेस पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो कि हर बिरादरी को साथ लेकर चलती है। एक बिरादरी से तो गांव का सरपंच भी नहीं बन सकता। हम तो सब

को समान अधिकार देते हैं और सब को साथ लेकर चलते हैं। यही पार्टी दे ा का और प्रान्त का भला कर सकती है।

स्पीकर सर, इससे आगे मैं फोर्थ पे कमी ान की बात कहूंगा। स्पीकर साहब, फोर्थ पे कमी ान की रिकमैंडे ांज आई हैं और हरियाणा सरकार ने वे सारी की सारी उसी तरह से मान ली हैं। मैं हैफड का चेयरमैन हूं। हमने भी उन सिफारि ाों को मान कर लागू करने का फैसला किया है। लेकिन आज इन सभी बातों को लेकर विरोधी दल के भाई पता नहीं क्या क्या गलत सलत बातें कर रहे हैं। स्पीकर साहब, प्रजातन्त्र के अन्दर हर पार्टी को अपनी बात कहने का अधिकार होता है लेकिन जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बने तो ये अपोजी ान के भाई कहनें लगे कि हम जलसे जलूस नहीं होने देंगे। इसका मतलब यह हुआ कि ये लोग गडबड चाहते थे, वायलैन्स चाहते थे। अब किसी की हिम्मत नहीं हुई कि कोई गडबड कर जाए। 23 सितम्बर को बरवाला में चार जलसे हुए। नेहरा साहब वहां गये थे और ये लोग गडबड नहीं कर सके क्योंकि लोग सरकार के साथ थे, हमारे साथ थे। मजबूर होकर उन लोगौं को अपनी यह नीति त्यागनी पडी और यह कहना पडा कि हम आगे से गडबड नहीं करेंगे। अब आप देख ही रहे हैं कि चौधरी बंसी लाल जी की नीतियों पर लोगौं को इतना वि वास हुआ है कि इन लोगों की कहीं पर गडबड करने की हिम्मत ही नहीं पडती और इससे सारे हरियाणा में भाांति का वातावरण पैदा हो गया है। लोगों को चौधरी बंसल लाल जी

पर वि वास होने लगा है कि चौधरी साहब जो कहेंगे वहीं होगा। इनकी कथनी और करनी में फर्क नहीं है। चौधरी बंसी लाल जी जो कहते हैं, वहीं कर के दिखा देते हैं। यह बहुत उंची बात है। स्पीकर साहब, सामान की क्वालिटी बिकती है। अगर कोई फर्म बढिया है, वहां पर बढिया सामान बनता है, गुडविल अच्छी है तो उस फर्म का सामान अव य बिकेगा। इसी तरह से लीडर की इमेज भी पे करती है। जिस लीडर की इमेज होगी, वही पब्लिक का भला कर सकता है और जो वह कहेगा, वह करके भी दिखा देगा। पब्लिक सदा ही कांग्रेस के साथ रही है, कांग्रेस के नेताओं के साथ रही है और कांग्रेस के लोगों ने काम करके भी दिखाया है और इसका सबूत हमारे चौधरी बंसी लाल जी ने दिया है जिसको सारा हरियाणा जानता है और सारा दे ा जानता है।

स्पीकर साहब, पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर साहब ने मेरे हल्के के अन्दर यह कहा कि मुख्य मंत्री जी चाहते हैं कि पहले की बनी हुई सडकें जो टूटी हुई हैं पहले उनको ठीक किया जाए। यह बात उनकी बिल्कुल दुरूस्त है। जब यह काम पूरा हो जाए और नइ सडकों कै बनाने का काम भाुरू हो तो उसके लिए मैं मंत्री जी से दरखास्त करूंगा कि मेरे हलके में तीन चार सडकें बहुत जरूरी हैं जिनको बनाने का कश्ट करें। वे सडकें हैं कुम्भ खेडी वाया मटलोडा से खरग पुनिया, कोथ खुरद से जाजवान, मिरचपुर से भैनी मीर पुर वाया मिल्क पुर और बोबुआ से खरकड़ा। ये सडकें बहुत जरूरी हैं। मेरे हल्के में कापरो गांव की

तीस हजार की आबादी है। उसमें एक प्राईमरी हैल्थ सैंटर बनना बहुत जरूरी है। वहां के लोगों की यह बहुत दिनों से मांग है। जैसे मैंने पहले कहा कि बरवाला एक बहुत बडा कस्बा है लेकिन उसके आसपास कोई कालेज नहीं है। उसके पास या तो हिसाचर का कालेज है या फतेहाबाद का है, या टोहाना और हांसी का है लेकिन बरवाला के 30–40 किलोमीटर के एरिया के नजदीक कोई भी सरकार या प्राईवेट कालेज नहीं हैं। मैं ि ाक्षा मंत्री महोदया से अर्ज करूंगा कि बरवाला के अंदर गवर्नमैंट कालेज जरूर खोला जाए। मुझे आ ाा है कि वे मेरी इस बात को जरूर मानैंगी। अध्यक्ष महोदय, अभी भाई कंवल सिंह जी विरोधी पार्टी की बात कह रहे थे। उन्होंने राजनीति की बहुत सी बातें कहीं लेकिन मैं तो एक ही बात कहता हूं कि कांग्रेस पार्टी की सिवाए इस दे ा में और कोई पार्टी नहीं है जो इसकी आल्टरनेटिव बन सके।

चौधरी अजमत खां: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सवा तीन घंटे हो चुके हैं लेकिन अभी पांचवां आदमी ही बोल रहा है और मैम्बरों ने भी बोलना है। क्या यह तय कर लिया गया है कि किसी और आदमी को नहीं बोलने देना हैं ?

श्री अध्यक्ष: यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। क्या आपने बोलने के लिए अपना नाम भेजा है या आपने वैसे ही यह बात कह दी ?

चौधरी अजमत खां: आप चैक कर लें मैंने अपना नाम दिया हुआ हैं

श्री अध्यक्ष: आप कृपया बैठ जाएं और बीच में इन्ट्रप्ट न करें।

चौधरी इन्द्र सिंह नैन: स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि कोई दूसरी पार्टी कांग्रेस का आल्टरनेटिव नहीं बन सकी। इसका कारण यही है कि न उनका कोई लीडर है और न उनका कोई सिद्धांत है तथा न कोई नीति है। कांग्रेस पार्टी का 100 साल का इतिहास है। एक बार हिन्दुस्तान की जनता ने इनको मौका दिया था और यह सौचा था कि भाायद ये पांच साल तक राज कर सके लेकिन ये अढाई साल में ही अपने आप छोड कर भागए गए। दूसरी तरफ जैसा जलसों में भी कहा गया कि चौधरी बंसी लाल जी एक एम0एल0ए0 की मैजोरिटी से साढे सात साल मुख्य मंत्री रहे और बहुत अच्छी तरह से राज चलाया। इनको 90 में से 75 सीटें मिलीं लेकिन जब जाने लगे तो केवल 11 ही रह गए। इस बारे में सारी डिटेल तो चौधरी कंवल सिंह को मालूम होंगी क्योंकि ये उनके भेदी हैं। तो अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय ने जो यह एड्रैस प्रस्तुत किया है मैं इसका समर्थन करता हूं और आ ाा करता हूं कि हरियाणा मुख्य मंत्री जी की लीडरि ाप में दिन दुगनी और रात चौगुनी तरक्की करेगा। अन्त में मैं आपका भी धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

मास्टर राम सिंह (रादौर, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। मैं गवर्नर साहब के ऐड्रैस का समर्थन करता हूं। गवर्नर साहब ने जो ऐड्रैस पे ा किया है यह गरीबों के लिए बैकवर्ड क्लास के लिए और हरियाणा की सारी जनता के लिए बहुत अच्छा ऐड्रैस है। जब हरियाणा बना था, उस वक्त यहां कोई तरक्की नहीं थी। यहां पर सडकें नहीं थीं, बिजली नहीं थी लेकिन हरियाणा बनने के कुछ अर्से के बाद ही यहां पर गांव गांव में सडकें पहुंची और बिजली भी पहुंची। जब दूसरी स्टेटों से लोग हरियाणा में आते हैं तो वे बहुत प्रसन्न होते हैं क्योंकि यहां हर क्षेत्र में तरक्की हुई है। इतनी तरक्की और किसी स्टेट में नहीं हो रही है। गवर्नरे साहब ने आगे भी झलक दिखाई कि हरियाणा में हम गरीबों को प्लाट और मकान देंगे। हम नहरें भी बनाएंगे जिससे हमारा उत्पादन बढेगा। इस समय हरियाणा भारत में नं0 2 पर है। हम आ ाा रखते हैं कि हमारा हरियाणा दे ा में नम्बर एक पर होगा। इसके साथ साथ मैं अपने हल्के के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। यहां पर मंत्रीगण बैठे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वैस्टर्न जमुना कैनाल में कई सालों से इंडस्ट्रियल पोल्यू ान हो रहा है जिसकी वजह से आस पास के गांवों के लोगों को दिक्कत आती है। इससे मच्छर भी पैदा होते हैं और यदि उस नहर का पानी प ा पी लेते हैं। तो वे या बीमीर हो जाते हैं या मर जाते हैं। इसका हल अभी तक नहीं हो पाया। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इसका हल निकाला जाए। अगली बात मैं

सडकों के बारे में कहना चाहूंगा। हमारे मुख्य मंत्री जी ने प्रदे ा में बहुत ज्यादा सडकें बनवाई हैं जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं लेकिन उनकी रिपेयर की भी बहुत आव यकता है। कुछ स्थान तो ऐसे हैं जहां एक एक या दो दो फरलांग के टुकडें हैं। कई जगह एक आध किलोमीटर के भी टुकडें हैं। यदि इनकी रिपेयर हो जाए तो 10–12 किलोमीटर का चक्कर बच सकता हैं बरसात के समय मेरे हलके की 150–200 एकड जमीन हर साल पानी के नीचे आ जाती है और सैंकडों एकड जमीन कट जाती है। अगर जमुना रिवर पर बरसात से पहले ठोकरें लगा दी जाएं तो मेरे हलके की जमीन बच सकती है। बारि ा के दिनों में वहां पर कोई भी काम नहीं हो पाता।

स्पीकर साहब, मेरा हलका बिजली पर ही आधारित है। वहां पर कोई कैनाल इरीगे ान नहीं है। मेरे हलके के लिए दादुपुर नलवी नहर मंजूर हुई है। उसको जल्दी से जल्दी बनाया जाये ताकि वहां के लोगों को और वहां की खेती के लिए पानी मिल सके। ऐग्रीकल्चरल सैक्टर के अन्दर कुरूक्षेत्र जिला सारे भारत में नम्बर एक पर है। यदि वहां पर इस नहर का पानी आ जाता है तो मैं समझता हूं कि भाायद फिर कुरूक्षेत्र जिला एग्रीकलचर में सारे संसार में नम्बर पर एक पर आ जाएगा।

स्पीकर साहब, अब मैं ि ाक्षा के बारें में कहना चाहूंगा। आज के दिन लडकियों के लिए ि ाक्षा बहुत ही आव यक हो गई है। लडकियों को दूर तक न जाना पडे इसलिए अधिक से अधिक

पास पास के गांवों में मिडिल स्कूल और हाई स्कूल खोले जाएं ताकि हमारी लडकियां अधिक से अधिक पढ सकें। इस बारेक में मेरा सरकार को सुझाव है कि जो इस समय मेरे हलके में प्राईमरी स्कूल हैं उनको मिडिल स्कूल बनाया जाये और जो मिडिल स्कूल हैं उनको हाई स्कूल बनाया जाये। जो बच्चे 8वीं या 10वीं श्रेणी पास हैं उनको कोई स्कीम बना कर ऐम्पलायमैंट दी जाये। जो गरीब बच्चे हैं और जिनके पास कोई साधन नहीं हैं उनकी तरफ सरकार वि ोश तौर से ध्यान दे क्योंकि उनके गरीब मां बाप ने बडी मु कल से उनको मैट्रिक तक पढाया है। उनके पास गुजारे के लिए कोई जमीन वगैरा भी नहीं है।

स्पीकर साहब, अब मैं पब्लिक हैल्थ के बारे में जिक्र करना चाहूंगा। मेरे हलके के अंदर वाटर लैवल बहुत डाउन चला गया है। जो हैण्ड पैम्प पहले के लगे हुए थे, उन्हौंने भी काम करना बन्द कर दिया है। 60–70 फुट नीचे तक जो म ीन हैण्ड पम्प की थी वे भी अब पानी को उठाने के लिए इस नहर का बनाया जाना बहुत ही जरूरी है। मेरे हलके के अंदर जितने भी गांव हैं वहां पर वाटर वर्कस का प्रबन्ध किया जाये ताकि जो गरीब लोग हैण्ड पम्प नहीं लगा सकते वे भी पीने का पानी पी सकें।

स्पीकर साहब, रादौर की 40–50 हजार की आबादी है। वहां पर आसपास कोई हस्पताल नहीं है। वहां का पानी भी खराब है। वहां के पानी को पीने से लोंगों को बाई हो जाती है और

इसके अलावा दूसरी बीमारियां भी लग जाती हैं। इसलिए मेरी सरकार से गुजारि ा है कि रादौर हलके में जो खादर का एरिया है वहां पर कोंई पी0एच0सी0 अव य खोली जाये। वहां पर पी0एच0सी0 खोलने की डिमांड मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं लेकिन अभी तक सरकार ने वहां पर इस तरफ ध्यान नहीं दिया है। इसलिए इस बारे में मेरी पुनः गुजारि ा है कि वहां पर एक पी0एचवसीव अव य खोली जाये।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से कुरूक्षेत्र जिले के अंदर गन्ने की बहुत अधिक पैदावार होती है। इस समय लोग अधिकतर गन्ने की खेती पर ही आश्रित हैं। मेरे हलके के कुछ गांव भााहबाद चीनी मिल में पडते हैं जो कि काफी दूरी पर हैं। इस बारे में मेरी प्रार्थना है कि इन गांवों में यमुनानगर की मिल के सथ लगा दिया जाये। एक दो गावं ऐसे हैं जो करनाल के पास हैं। उन गांवों कों करनाल के मिल के साथ अटैच कर दिया जाये ताकि वहां कें किसानों को दिक्कत का सामना न करना पडै। पंजाब के किसानों को जो भाव गन्ने का दिया जा रहा है वही भाव यहां के किसानों को भी दिया जाना चाहिये ताकि यहां के किसान भी अधिक भाव का फायदा उठा सकें।

स्पीकर साहब, हमारी यहां की अपोजी ान पार्टीज लोगों को गुमराह कर रही हैं। उनका तो सिर्फ एक ही काम रह गया है और वह है, चन्दा इकटठा करना, प्रोपैगण्डा करना और गाली देंना। गवर्नर साहब ने अपने एड्रैस में सभी वर्गो के लिए

प्रोग्राम बन9ा कर दिया है। इन प्रोग्राम्ज के जरिए हर वर्ग उन्नति की ओर जा सकेगा। अपोजी ान के भाई लोगों को गुमराह कर रहे हैं कि हम बैंकों के कर्ज माफ कर देंगे। उनका यह ढोंग है। लेकिन अब हरियाणा की जनता उनके ढोंग को समझ चुकी है। स्पीकर साहब, उन्हें जनता ने विधान सभा के लिए चुन कर भेजा था। लोगों ने वोट देकर उनको भेजा था और उम्मीद की थी कि वे हमारे इलाके की कुछ सेवा करेंगे और हमारी कठिनाईयों को सरकार के सामने रखेंगे लेकिन वे यहां पर आने में कतराते हैं और वहां की जनता को धोखा दे रहे हैं। ये अपोजी ान के भाई हरिजनों के जानी दु मन हैं क्योंकि वे हरिजन भाईयों को गलत राह पर डालते हैं। उन्होंने तो अपने समय में रिजर्वे ान को खत्म करने तक की कोि ा ा की थी। चूंकि हाउस का टाईम खत्म हो रहा है, इसलिए इन्हीं भाब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रातः साढे नौ बजे तक के लिए ऐडजर्न किया जाता है।

13.30 बजे।

(तत्प चात सदन बुधवार, दिनांक 25–2–1987 को, प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ)